राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 | राज्य के 1.70 लाख छात्राओं को पहली ... | संत रविदास की शिक्षाएं सामाजिक... | 09

वर्ष : 14 | अंक : 130 | पटना, बुधवार, 19 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

जंतर-मंतर प्रदर्शन मामला: सुप्रीम कोर्ट ने छात्रों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई पर लगाई रोक

- **आदेश:** गंभीर आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों को छोड़कर बाकी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाए।

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर दायर याचिकाओं पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने साफ कहा कि गंभीर आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों को छोड़कर बाकी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाए।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की बेंच ने सुनवाई की। एक याचिका में मांग की गई है कि जंतर-मंतर की जगह धरना-प्रदर्शन के लिए कोई और जगह तय की जाए। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, जिन प्रदर्शनकारियों के आपराधिक रिकॉर्ड में हत्या, रेप, पॉक्सो जैसे गंभीर अपराध के मुकदमे हैं, उन्हें छोड़कर बाकी के खिलाफ प्रदर्शन को लेकर कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी इस बात से सहमति जताई।

आदतन आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों की ही जांच होनी चाहिए: सीजेआई ने कहा कि जहां तक छात्रों की बात है, वे शांतिपूर्ण तरीके से प्रोटेस्ट में हिस्सा ले रहे थे। उनका मकसद कुछ मुद्दों पर कानूनी और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना था। हम शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि आदतन आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों की ही जांच होनी चाहिए।

सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि पुलिस ने अब तक 2873 ऐसे लोगों की पहचान की है जिनके आपराधिक रिकॉर्ड हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस झड़प में 200 से ज्यादा पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

सीजेआई ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा, प्रदर्शनकारियों में निर्दोष छात्र भी थे। उन्होंने अपना भविष्य बनाने के लिए जी-तोड़ मेहनत की है। उनके अभिभावकों ने अपनी जी-तोड़ मेहनत और खून-पसीने की कमाई उनकी पढ़ाई में लगाई है।

पूरे मामले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एक हाईपावर कमेटी बनाने का ऐलान: पूरे मामले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एक हाईपावर कमेटी बनाने का ऐलान किया। कोर्ट ने कहा कि यह कमेटी पूर्व जजों और डीजीपी स्तर के रिटायर्ड पुलिस अधिकारियों की देखरेख में काम करेगी। यह कमेटी स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्णायक जांच करेगी।

सीजेआई ने कहा कि कमेटी सिर्फ एक गोपनीय रिपोर्ट जमा नहीं करेगी। जैसे-जैसे नए मामले सामने आएंगे, कमेटी उनकी जांच करेगी और समय-समय पर रिपोर्ट देगी, ताकि कोर्ट आगे के निर्देश दे सके। जरूरत पड़ने पर अंतरिम निर्देश भी जारी किए जा सकेंगे।

सीजेआई ने बताया कि कमेटी में सीबीआई के एक पूर्व डायरेक्टर जनरल, जो कुछ साल पहले रिटायर हुए हैं और एक राज्य के पूर्व डीजीपी को शामिल करने की सहमति ली गई है। दोनों का इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। कोर्ट ने कहा कि हम अभी ओपन कोर्ट में नाम नहीं बताना चाहते, ताकि किसी अधिकारी को दिक्कत न हो। सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया कि वह बुधवार को कमेटी की आधिकारिक घोषणा कर देगा।

दोनों पक्ष एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त करें

कोर्ट ने दोनों पक्षों से कहा कि वे एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त करें। सभी सबूत और सामग्री नोडल अधिकारी को सौंपी जाए, जो उसे कोर्ट तक पहुंचाएगा। इससे सुनवाई आसान हो जाएगी। याचिकाकर्ताओं की वकील वृंदा ग्रोवर ने पैलेट गन से घायल हुए और अन्य लोगों का जिक्र किया। वहीं घायल पुलिसकर्मियों की वकील ने कहा कि पुलिस पर पथराव किया गया था। एक याचिकाकर्ता ने पूर्व सैनिक की पत्नी सुदेश के साथ हुई प्रताड़ना का मुद्दा भी उठाया। याचिकाकर्ता के वकील रिजवान अहमद ने बताया कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट परिसर में प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की थी। जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा कि सॉलिसिटर जनरल और वृंदा ग्रोवर दोनों ने अपनी बातें स्पष्टता से रख दी हैं। अब आगे की कार्यवाही तय की जाए। सुनवाई के दौरान एक वकील ने सरकार के उस प्रस्ताव का जिक्र किया जिसमें जंतर-मंतर से प्रदर्शन स्थल को शिफ्ट करने की बात कही गई है। इस पर सीजेआई ने कहा कि यह असल में एक एडमिनिस्ट्रेटिव मुद्दा है। एक्सपर्ट देख सकते हैं कि यह मुमकिन है या नहीं। सीजेआई ने कहा कि कुछ मुद्दे ऐसे हैं जिन पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। वहीं गाइडलाइन और प्रोटोकॉल बनाने जैसे मुद्दों पर विस्तार से विचार करना होगा। अब कोर्ट बुधवार को कमेटी के गठन और उसके सदस्यों के नामों की घोषणा करेगा।

बिहार में कई आईपीएस अधिकारियों का तबादला, कई जिलों के एसपी भी बदले

- गृह विभाग ने जारी की अधिसूचना

प्रात : किरण

पटना/एजेंसी। बिहार सरकार के गृह विभाग ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के कई अधिकारियों का स्थानांतरण और पदस्थापन किया है। गृह विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, कई अधिकारियों को नई जिम्मेदारी दी गई है, जबकि कुछ अधिकारियों को जिलों के पुलिस अधीक्षक के रूप में पदस्थापित किया गया है। एक अधिकारी को अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। अधिसूचना के मुताबिक, 2010 बैच के आईपीएस अधिकारी अनिल कुमार को पुलिस उप-महानिरीक्षक वित्त एवं तकनीकी सेवाएं, बिहार, पटना के पद से स्थानांतरित करते हुए पुलिस उप-महानिरीक्षक मद्य निषेध एवं एएनटीएफ, बिहार, पटना की जिम्मेदारी दी गई है। इसी बैच के मृत्युंजय कुमार चौधरी को पुलिस उप-महानिरीक्षक निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, बिहार, पटना से पुलिस उप-महानिरीक्षक नागरिक सुरक्षा, बिहार, पटना भेजा गया है। इसी तरह राजीव रंजन-2 को पुलिस उप-महानिरीक्षक मानवाधिकार से पुलिस उप-महानिरीक्षक विशेष निगरानी इकाई, बिहार, पटना बनाया गया है। वहीं अजय कुमार पाण्डेय को पुलिस उप-महानिरीक्षक मद्य निषेध एवं एएनटीएफ, बिहार, पटना के पद से स्थानांतरित कर पुलिस उप-महानिरीक्षक वित्त एवं तकनीकी सेवाएं, बिहार, पटना की जिम्मेदारी दी गई है। आमिर जावेद को पुलिस उप-महानिरीक्षक (कमजोर वर्ग एवं महिला कोषांग), अपराध अनुसंधान विभाग, बिहार, पटना से पुलिस उप-महानिरीक्षक निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, बिहार, पटना भेजा गया है। 2012 बैच के ही मिथिलेश कुमार को पुलिस अधीक्षक, ईआरएसएसएस, बिहार, पटना से समादेष्टा, बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस-9, जमालपुर बनाया गया है जबकि सुशील कुमार को पुलिस उप-महानिरीक्षक विधिक मामले एवं नियम, बिहार, पटना के पद पर रहते हुए अतिरिक्त प्रभार के रूप में पुलिस उप-महानिरीक्षक मानवाधिकार, बिहार, पटना की जिम्मेदारी दी गई है।

हृदय कांत को पुलिस अधीक्षक, आतंकवाद निरोधक दस्ता, बिहार, पटना से पुलिस अधीक्षक, नालंदा बनाया गया है। इसके अलावा 2016 बैच के राजेश कुमार को पुलिस अधीक्षक, साइबर अनुसंधान एवं अभियान, आर्थिक अपराध इकाई, बिहार, पटना से पुलिस अधीक्षक एएनटीएफ, मद्यनिषेध एवं राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो, बिहार, पटना की जिम्मेदारी दी गई है। मनीष कुमार को पुलिस अधीक्षक (बी), विशेष शाखा, बिहार, पटना से पुलिस अधीक्षक, विशेष निगरानी इकाई, बिहार, पटना बनाया गया है। वहीं विनीत कुमार को वरीय पुलिस अधीक्षक, सारण के पद से स्थानांतरित कर पुलिस अधीक्षक, आतंकवाद निरोधक दस्ता, बिहार, पटना बनाया गया है। पूरन कुमार झा को पुलिस अधीक्षक, सिवान से स्थानांतरित करते हुए बिहार पुलिस मुख्यालय, पटना में पदस्थापन की प्रतीक्षा में रखा गया है। रामानंद कुमार कौशल को पुलिस अधीक्षक (सीओ), अपराध अनुसंधान विभाग, बिहार, पटना से पुलिस अधीक्षक, विशेष निगरानी इकाई, बिहार, पटना भेजा गया है। रोशन कुमार को पुलिस अधीक्षक, रोहतास से स्थानांतरित कर वरीय पुलिस अधीक्षक, सारण की जिम्मेदारी दी गई है। अवधेश दीक्षित को पुलिस अधीक्षक (कार्मिक-1), बिहार पुलिस मुख्यालय, पटना से पुलिस अधीक्षक, भोजपुर बनाया गया है।

भारत सोनी को पुलिस अधीक्षक, नालंदा से स्थानांतरित कर पुलिस अधीक्षक, सिवान बनाया गया है, जबकि मिस्टर राज को पुलिस अधीक्षक, भोजपुर के पद से स्थानांतरित कर पुलिस अधीक्षक, रोहतास की जिम्मेदारी सौंपी गई है। 2022 बैच की आईपीएस अधिकारी गरिमा को समादेष्टा, बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस-9, जमालपुर के पद से स्थानांतरित कर पुलिस अधीक्षक (कमजोर वर्ग एवं महिला कोषांग), अपराध अनुसंधान विभाग, बिहार, पटना बनाया गया है। गृह विभाग की अधिसूचना बिहार के राज्यपाल के आदेश से जारी की गई है। इसमें सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नई जिम्मेदारी संभालने का निर्देश दिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

सोशल मीडिया सेंसरशिप लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला : खरगे

नईदिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने अभूतपूर्व तरीके से भारतीय नागरिकों के बोलने, सवाल पूछने और असहमति जताने के लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर लागू की गई सेंसरशिप उतनी ही निंदनीय है जितनी युवाओं पर की गई लाठीचार्ज और पैलेट गन का इस्तेमाल। मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को एक अंग्रेजी अखबार के पोस्ट को एक्स पर साझा करते हुए कहा कि मार्च से जुलाई 2026 के बीच सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों को हर 68 सेकेंड में एक ब्लॉकिंग आदेश भेजा। इस दौरान कुल 1.95 लाख आदेश जारी किए गए। इनमें से 1 लाख आदेश इंस्टाग्राम पर, 80 हजार फेसबुक पर और 15 हजार यूट्यूब पर भेजे गए। इंस्टाग्राम छात्रों और युवाओं के विरोध प्रदर्शनों का प्रमुख मंच रहा।

राहुल गांधी का केंद्र पर हमला, बोले- बच्चों पर हुई बर्बरता की तारीफ करनी चाहिए?

नई दिल्ली/एजेंसी। जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन को लेकर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बयान पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि संसद से महज आधा किलोमीटर दूर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पैलेट गन और कील लगी लाठियों का इस्तेमाल किया गया, जिसमें एक बच्चे की आंख चली गई और एक बच्ची का कान कट गया। राहुल गांधी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, मोदी सरकार के मंत्री कह रहे हैं कि दिल्ली पुलिस की तारीफ करनी चाहिए। संसद से आधा किलोमीटर दूर, शांतिपूर्ण छात्रों पर पैलेट गन चली, कील लगी लाठियां चलीं, एक बच्चे की आंख चली गई, एक बच्ची का कान कट गया। इस बर्बरता की तारीफ करनी चाहिए? उन्होंने कहा कि वह खुद उन घायल बच्चों से मिले हैं और हजारों वीडियो देश ने देखे हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि सरकार का मूल मंत्र ही असत्य और हिंसा है। उन्होंने कहा कि पहले बच्चों पर लाठी चलाओ और फिर कह दो कि कुछ हुआ ही नहीं। राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधते हुए कहा, पूरे सत्र ह्यलापताह्ण अमित शाह विपक्ष से भागते रहे। और प्रधानमंत्री ने आज तक छात्रों से माफी नहीं मांगी। उन्होंने आगे कहा कि देश के लिए सबसे बड़ा खतरा ऐसे लोग हैं, जिन्हें न अपनी गलती दिखती है और दिखने पर मानते नहीं। राहुल गांधी ने सरकार से देश के बच्चों से झूठ नहीं बोलने की अपील करते हुए कहा कि उनके पास आंखें हैं और याददाश्त भी।

बीपीएससी टीआरई-4 : 1 सितंबर से ऑनलाइन आवेदन शुरू

- ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि: 30 सितंबर तक
- ऑनलाइन परीक्षा तिथि बाद में घोषित की जाएगी

प्रात : किरण

पटना/एजेंसी। बिहार लोक सेवा आयोग ने शिक्षा विभाग के अंतर्गत विद्यालय अध्यापक के 32,388 रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए चतुर्थ चरण विद्यालय अध्यापक भर्ती परीक्षा (टीआरई-4.0) के तहत ऑनलाइन आवेदन की तारीखों की घोषणा कर दी है। आयोग ने विज्ञापन संख्या 14/2026 के तहत योग्य भारतीय उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस भर्ती को लेकर छात्र और अभ्यर्थी लंबे समय से आंदोलनरत थे और लगातार शिक्षक भर्ती प्रक्रिया शुरू करने तथा रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी करने की मांग कर रहे थे। अभ्यर्थियों की ओर से भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने को लेकर लगातार आवाज उठाई जा रही थी। ऐसे में बीपीएससी की ओर से 32,388 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन की तारीख घोषित किए जाने को महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। आयोग की ओर से जारी सूचना के अनुसार, ऑनलाइन आवेदन और शुल्क भुगतान की प्रक्रिया 1 सितंबर 2026 से शुरू होगी।

अभ्यर्थी 29 सितंबर 2026 तक निर्धारित शुल्क का भुगतान कर सकेंगे। वहीं, ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने और जमा करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। बीपीएससी ने कहा कि भर्ती से संबंधित विस्तृत विज्ञापन, दिशा-निर्देश और अन्य आवश्यक जानकारी आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। अभ्यर्थियों को आवेदन शुरू करने से पहले विस्तृत विज्ञापन और आवेदन संबंधी निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ने की सलाह दी गई है। विद्यालय अध्यापक के कुल 32,388 रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए यह भर्ती प्रक्रिया आयोजित की जा रही है। आयोग ने अभ्यर्थियों से आवेदन के दौरान सभी आवश्यक विवरण सावधानीपूर्वक दर्ज करने और अंतिम तिथि का इंतजार नहीं करने को कहा है।

भर्ती प्रक्रिया से जुड़ी आगे की सूचनाएं भी आयोग की वेबसाइट पर जारी की जाएंगी। अभ्यर्थी विस्तृत जानकारी और ऑनलाइन आवेदन के लिए बीपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट पर जा सकते हैं।

आयोग ने स्पष्ट किया कि भर्ती से संबंधित आधिकारिक वेबसाइट पर जारी सूचना और निर्देश ही मान्य होंगे।

रक्षा मंत्रालय ने छठी स्वदेशीकरण सूची में 405 वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगाया

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को छठी सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची जारी करके 405 वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस सूची में सामरिक रूप से महत्वपूर्ण लाइन रिप्लेसेबल यूनिट्स, सब-सिस्टम, सब-असेंबली, स्पेयर पार्ट्स, कंपोनेंट्स और कच्चा माल शामिल हैं। इन सभी वस्तुओं को अब अलग-अलग समय सीमा में स्वदेशी स्रोतों से ही खरीदा जाएगा। इनमें भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) की 16 वस्तुएं और सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रमों (डीपीएसयू) की 389 वस्तुएं हैं। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक आयात के लिए प्रतिबंधित की गईं ये वस्तुएं रक्षा प्लेटफार्मों और प्रणालियों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करती हैं, जिनमें वायु सेना के लिए एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर, लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर, एसयू-30 एमकेआई, लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट और एएल-31एफपी इंजन जैसे एयर प्लेटफॉर्म हैं।

नीट प्रदर्शन में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले भी थे, 240 पुलिसकर्मी घायल: दिल्ली पुलिस

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने 20 जुलाई को यहां हुए चलो संसद प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग का पुरजोर बचाव करते हुए उच्चतम न्यायालय को बताया कि इस आंदोलन में समाज-विरोधी तत्व और आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति थे, जिससे कानून-व्यवस्था बिगड़ गई और 240 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हो गए। प्रदर्शनकारियों के खिलाफ अत्यधिक बल प्रयोग के आरोपों वाली कई याचिकाओं पर नई दिल्ली जिले के पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा की ओर से दायर दिल्ली पुलिस के हलफनामे में कहा गया है कि पुलिस अपनी कार्रवाई के संबंध में अदालत द्वारा नियुक्त समिति से जांच करवाने के लिए तैयार है। हलफनामे में कहा गया है, पुलिस द्वारा बल प्रयोग के मामले की जांच माननीय न्यायालय द्वारा नियुक्त एक समिति कर सकती है और दिल्ली पुलिस ऐसी समिति का पूरा सहयोग करेगी तथा सभी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएगी। पुलिस ने कहा, चूंकि न्यायालय एक समिति नियुक्त कर सकता है जो पुलिस अधिकारियों द्वारा बल प्रयोग से जुड़े सभी मुद्दों की जांच करेगी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने तीन अगस्त को इस मामले से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया था कि छात्र प्रदर्शनकारियों को रिहा करने के अपने आदेश में आपराधिक इतिहास शब्द का जिक्र किया गया है जिसका मतलब सिर्फ उन लोगों से था जो गंभीर और जघन्य अपराधों में शामिल थे। पीठ ने यह भी कहा था कि राज्य कानून के मुताबिक शेष छात्रों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को बंद कर सकते हैं या वापस ले सकते हैं। हलफनामे में कहा गया है, शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करना हर नागरिक का मौलिक अधिकार है, जिसमें युवा छात्र और युवा लोग भी शामिल हैं। यह अधिकार बहुत अहम है और इसकी हर हाल में रक्षा की जानी चाहिए। समस्या तब पैदा होती है जब शुरूआती शांतिपूर्ण विरोध हिंसक हो जाता है, जिससे अन्य नागरिकों और पुलिसकर्मियों को शारीरिक चोट पहुंचती है और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचता है। इसमें यह भी कहा गया, भीड़ में असामाजिक तत्वों का शामिल हो जाना और आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों का ऐसे प्रदर्शनों में घुसपैठ करना हमेशा चिंता का विषय होता है। इसका मकसद प्रदर्शनकारियों या पुलिस को बदनाम करना हो सकता है। यह केवल भारत में ही नहीं, बल्कि हर जगह चिंता का विषय है।

छात्र प्रदर्शन पर पुलिस कार्रवाई को लेकर बिहार सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया हलफनामा, एके-47 से फायरिंग पर दी सफाई

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। बिहार में छात्र प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कथित बार्बरता को लेकर दायर जनहित याचिकाओं पर राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर पुलिस पर अनुचित बल के इस्तेमाल के आरोपों से इनकार किया है।

हलफनामे में बिहार सरकार ने कहा है कि कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जरूरी कदम उठाए थे। सीवान में पुलिसकर्मी द्वारा एके-47 से फायरिंग के मामले में राज्य सरकार ने कहा कि भीड़ में फंस जाने के बाद एक कांस्टेबल ने हवा में चार गोलियां चलाई थीं।

बिहार सरकार के मुताबिक, एके-47 से चली गोलियों से किसी प्रदर्शनकारी को चोट नहीं लगी। सरकार ने यह भी कहा कि हथियार का इस्तेमाल कानून-व्यवस्था की स्थिति में नहीं किया जाना चाहिए। एके-47 को ह्यप्लाटून स्तर का हथियारह्ण बताते हुए कहा गया है कि इसका इस्तेमाल विशेष अभियानों के लिए होता है।

राज्य के डीजीपी ने एके-47 के इस्तेमाल को लेकर निर्देश भी जारी किए हैं। हालांकि, जिस कांस्टेबल ने फायरिंग की थी, उसे निलंबित कर दिया गया है और उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू की गई है। सरकार के अनुसार, हाथी चौक के पास एक एएसआई ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए अपनी 9 एमएम पिस्टल से दो राउंड फायर किए। इस दौरान तीन प्रदर्शनकारियों को गोली लगने से मामूली चोटें आईं। हालांकि, सरकार का कहना है कि इन तीनों को एके-47 से गोली नहीं लगी थी और वे उस स्थान पर भी मौजूद नहीं थे, जहां एके-47 से फायरिंग हुई थी। घटना की बैलिस्टिक जांच जारी है, जिससे हथियार के प्रकार, गोली चलने की दूरी और फायरिंग के एंगल जैसी जानकारियां जुटाई जा रही हैं।

हलफनामे के मुताबिक, 22 से 25 जुलाई 2026 के बीच बिहार में कुल 69 एफआईआर दर्ज की गईं और करीब 500 लोगों को गिरफ्तार किया गया। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के तहत बिना आपराधिक इतिहास वाले 222 छात्र प्रदर्शनकारियों को जमानत पर रिहा किया गया, जबकि 75 किशोरों को किशोर न्याय बोर्ड के जरिए छोड़ा गया।

सरकार ने कहा है कि 18 साल से कम उम्र के ऐसे सभी बच्चों को, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था, साधारण बॉन्ड पर रिहा कर दिया गया है। पुलिस का दावा है कि बिना आपराधिक पृष्ठभूमि वाले प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ फिलहाल कोई कठोर कार्रवाई नहीं की जा रही है। सरकार ने अपने जवाब में कहा है कि प्रदर्शन के दौरान गांधी मैदान, जहानाबाद, पटना, छपरा, भागलपुर, सीतामढ़ी, औरंगाबाद, कटिहार, किशनगंज और सीवान समेत कई स्थानों पर स्थिति हिंसक हुई।

छपरा में 25 जुलाई को दोपहर तक प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहने के बाद भीड़ में असामाजिक तत्वों के शामिल होने और तोड़फोड़ तथा पथराव शुरू करने का आरोप लगाया गया है। सरकार के अनुसार, इस दौरान 2 बीडीओ, 3 पुलिस इंस्पेक्टर, 2 सब-इंस्पेक्टर और 11 कांस्टेबल घायल हुए। एक बीडीओ की आंख चली गई, जबकि दूसरे बीडीओ के सिर पर भारी वस्तु से गंभीर चोट लगी और उनकी हालत गंभीर बताई गई है।

मुलाकात

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को राजभवन (लोक भवन) जाकर राज्यपाल सैयद अता हसनैन से शिष्टाचार भेंट की।

आयोजन | अबतक के सबसे बड़े रोजगार मेले का आयोजन ज्ञान भवन में आज से

रोजगार मेला : 20 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य

- यह रोजगार मेला 19 से 23 अगस्त तक चलेगा

प्रात : किरण

पटना। पटना में सबसे बड़े रोजगार मेले का आगाज 19 अगस्त यानी आज से होने जा रहा है। यह मेला अब तक राज्यभर में आयोजित रोजगार मेलों में सबसे भव्य और बड़ा माना जा रहा है। प्रदेशभर के युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग तथा बिहार कौशल विकास मिशन की ओर से इस मेला का आयोजन किया गया है। 19 से 23 अगस्त तक पटना के ज्ञान भवन में यह मेला चलेगा। इसमें देश की कई प्रतिष्ठित कंपनियां हिस्सा लेंगी और युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगी।

20 हजार युवाओं को मिलेगा रोजगार: इस मेगा जॉब फेयर में लगभग 20 हजार युवाओं को रोजगार मुहैया कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज, इंश्योरेंस, रिटेल एवं अन्य संबंधित क्षेत्रों में रोजगार के अवसर मिलेंगे। रोजगार मेले में कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी पेमेंट्स बैंक, मुथूट माइक्रोफिन लिमिटेड, क्लिक्स, फ्लिपकार्ट, टीसीआई एक्सप्रेस, जॉनसन (लिफ्ट एंड एस्केलेटर), टीवीएस क्रेडिट, ट्रेंट लिमिटेड (टाटा समूह की कंपनी) और रिलायंस रिटेल समेत अन्य प्रतिष्ठित कंपनियां शामिल होंगी।

ऑनलाइन पंजीकरण जरूरी: इसमें शामिल होने के लिए नियोजकों और अभ्यर्थियों को ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। इसके लिए detjob.bihar.gov.in/registration पर जाकर पंजीकरण कर सकते है। आयोजन में बिना पंजीकरण के प्रवेश नहीं मिलेगा। अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि और समय पर ही साक्षात्कार के लिए पहुंचने की अपील की गई है।

टोल फ्री नंबर से मिलेगी जानकारी: रोजगार मेले से संबंधित अधिक जानकारी के लिए विभाग की तरफ से 18002965656 टोल फ्री नंबर जारी किया गया है। अभ्यर्थी इस नंबर पर संपर्क कर रोजगार मेले, पंजीकरण और अन्य आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। विभाग ने युवाओं से अपील किया है कि वे समय रहते पंजीकरण कर मेगा जॉब फेयर का लाभ उठाएं।

इस वर्ष अब तक 17 रोजगार मेले लग चुके

चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक 17 रोगजार या नियोजन मेला का आयोजन हो चुका है। इनमें दो बार पांच दिवसीय रोजगार मेला आयोजित हो चुका है। एक पांच दिवसीय रोजगार मेला पटना में दशरथ मांझी संस्थान में आयोजित किया गया था। अब तक आयोजित सभी मेलों में करीब साढ़े आठ हजार युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार मिल चुका है। इसके अतिरिक्त इस वर्ष अब तक 673 नियोजन कैंप भी आयोजित किए गए हैं, जिनमें 13 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार मिल चुका है। दोनों तरह के कैंपों को मिलाकर करीब साढ़े 21 हजार युवाओं को रोजगार दिया जा चुका है। परंतु इस बार पटना के ज्ञान भवन में आयोजित होने जा रहा यह रोजगार मेला अब तक आयोजित अन्य सभी के मुकाबले अधिक भव्य होगा और इसमें 20 हजार युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए सभी तरह की कंपनियों के साथ विभाग के स्तर से निरंतर समन्वय स्थापित किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

जगत नारायण लाल कॉलेज में नशा मुक्ति जागरूकता एवं प्रतिज्ञा कार्यक्रम आयोजित

दानापुर खगौल। नगर के अंतर्गत जगत नारायण लाल कॉलेज में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सहयोग से 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महा अभियान के अंतर्गत नशा मुक्ति जागरूकता एवं प्रतिज्ञा कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या मधुप्रभा सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस इकाई द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्या मधुप्रभा ने कहा नशामुक्त युवा ही स्वस्थ, सशक्त और जिम्मेदार समाज की मजबूत नींव हैं।कार्यक्रम में प्रतिभागियों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया तथा नशामुक्त एवं स्वस्थ जीवन जीने की प्रतिज्ञा दिलाई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में नशे के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाकर स्वस्थ एवं व्यसनमुक्त समाज के निर्माण का संदेश देना रहा।कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी संस्थान की प्रतिनिधि बी.के. रश्मिता बहन सहित अन्य प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने प्रतिभागियों को नशे से दूर रहने, सकारात्मक जीवनशैली अपनाने तथा समाज में नशामुक्ति का संदेश प्रसारित करने के लिए प्रेरित किया। प्रो. निखिल कुमार सिंह,सरवर इमाम, शशिकांत प्रसाद, मेधावी सुदर्शन सहित अन्य शिक्षक गण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी की और नशामुक्ति शपथ ग्रहण किया।

दीदारगंज-फतुहा-बख्तियारपुर जर्जर सड़क की मरम्मती और जलजमाव से मुक्ति की मांग

फतुहा। प्रखंड सहयोग शिविर में मंगलवार को भाजपा नगर अध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी के नेतृत्व में पूर्व भाजपा अध्यक्ष गोपाल प्रसाद एवं भाजपा नेता गणेश सिंह एवं अन्य ने जिलाधिकारी, पटना के नाम पथ निर्माण विभाग से संबंधित लिखित आवेदन दिया। आवेदन में बताया गया कि दीदारगंज-फतुहा-बख्तियारपुर राज्य मार्ग-106 के फतुहा प्रखंड अंतर्गत जेठूली तथा फतुहा नगर परिषद क्षेत्र के दरियापुर-रायपुरा में सड़क पूरी तरह गड्ढों में तब्दील होकर जर्जर हो गई है। सड़क पर जलजमाव के कारण प्रतिदिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने यथाशीघ्र सड़क की मरम्मती कराने एवं जलजमाव से मुक्ति दिलाने की मांग की। आवेदन सहयोग शिविर में मौजूद फतुहा नगर परिषद के नगर प्रबंधक कुमार गौरव एवं स्वच्छता पदाधिकारी सिमरन सिंह को सौंपा गया। विदित हो कि जेठूली और रायपुरा में महीनों से सड़क जर्जर है और जलजमाव की समस्या बनी हुई है, लेकिन अब तक इस समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई है।

सर्पदंश से 60 वर्षीय वृद्ध की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

फतुहा। सम्मसपुर गांव में सोमवार को सर्पदंश से 60 वर्षीय वृद्ध सुरेश प्रसाद की मौत हो गई। गमगीन माहौल में मंगलवार को फतुहा श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। बताया जाता है कि सुरेश प्रसाद की गांव में ही किराना दुकान है। वह दुकान के गोदाम से सामान निकालने गए थे, तभी जहरीले सर्प ने उन्हें डंस लिया। घटना के बाद परिजन उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और उनका रो-रोकर बुरा हाल है।

एक ही रात चार बंद घरों में चोरी, लाखों की संपत्ति पर चोरों ने किया हाथ साफ

दनियावां। शाहजहांपुर थाना क्षेत्र के हसनपुर और हरिनगर गांवों में सोमवार की रात चोरों ने चार बंद घरों को निशाना बनाया। हसनपुर गांव में नौलाख सिंह, अखिलेश सिंह और अजय सिंह के बंद घरों का ताला तोड़कर चोरों ने घर में रखी संपत्ति को निशाना बनाया। वहीं हरिनगर निवासी प्रॉपर्टी डीलर शैलेश कुमार के बंद घर में भी चोरी की घटना हुई। बताया जाता है कि उनके घर को चोरों ने तीसरी बार निशाना बनाया है। सभी घटनाओं की जानकारी मंगलवार की सुबह आसपास के लोगों को हुई, जिसके बाद गृहस्वामियों को चोरी की सूचना दी गई। लगातार चार घरों में चोरी की घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

शिविर के नाम पर महज खानापूर्ति का आरोप, भाजपा प्रखंड अध्यक्ष ने उठाए सवाल

दनियावां। प्रखंड में आयोजित सहयोग शिविर के नाम पर महज खानापूर्ति किए जाने का आरोप भाजपा के दनियावां प्रखंड अध्यक्ष रवि प्रकाश ने लगाया है।

उन्होंने मंगलवार को कहा कि ग्रामीणों द्वारा शिविर में जमा किए गए आवेदनों पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिविर के आयोजन की पूर्व सूचना या पर्याप्त प्रचार-प्रसार भी नहीं किया जाता है।

एम्स पटना और पीएसआई इंडिया के बीच अहम समझौता अब बिहार में परिवार नियोजन को मिलेगी नई दिशा

- प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक, एम्स पटना

● प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बेहतर परिवार नियोजन, बेहतर स्वास्थ्य और बेहतर भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), पटना और पॉपुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया ने तीन वर्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह साझेदारी बिहार में परिवार नियोजन कार्यक्रमों को और प्रभावी बनाने के साथ साथ नए गर्भनिरोधक विकल्पों, शोध, मूल्यांकन, प्रशिक्षण और नवाचार आधारित शिक्षण को बढ़ावा देने पर केंद्रित होगी।इस सहयोग की खास बात यह है कि इसमें शोध को सीधे कार्यक्रमों और जनस्वास्थ्य से जोड़ने पर जोर दिया गया है। दोनों संस्थान मिलकर परिवार नियोजन के क्षेत्र में शोध और अध्ययन करेंगे, उनके परिणामों का मूल्यांकन करेंगे और प्राप्त अनुभवों एवं साक्ष्यों को व्यापक स्तर पर साझा करेंगे। इससे भविष्य की योजनाओं और कार्यक्रमों को अधिक वैज्ञानिक और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।समझौते के तहत एम्स पटना परिवार नियोजन कार्यक्रमों के लिए मूल्यांकन उपकरण, मापन की व्यवस्था और वैज्ञानिक मूल्यांकन की रूपरेखा विकसित करेगा। डेटा संग्रह और उसके विश्लेषण के लिए तकनीकी मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही शोध कार्यों के लिए आवश्यक संस्थागत और नैतिक स्वीकृतियां सुनिश्चित की जाएंगी।पीएसआई इंडिया इस पहल के तहत संबंधित सरकारी हितधारकों के साथ समन्वय और संवाद में सहयोग करेगा तथा सहमति से तय कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायता करेगा। शोध और अध्ययन से जुड़ी आवश्यक लॉजिस्टिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी।

दोनों संस्थान परिवार नियोजन कार्यक्रमों को मजबूत करने के साथ साथ फैकल्टी डेवलपमेंट, संस्थागत क्षमता निर्माण और ज्ञान के आदान प्रदान पर भी काम करेंगे। डिजिटल और अनुभव आधारित शिक्षण पद्धतियों को अपनाकर प्रशिक्षण को अधिक व्यावहारिक और प्रभावी बनाने का प्रयास किया जाएगा।यह सहयोग तीन वर्षों के लिए होगा। कार्यक्रमों की योजना, समन्वय और प्रगति की निगरानी के लिए दोनों संस्थानों की ओर से नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। एम्स पटना की ओर से प्रसूति एवं स्त्री रोग विभागाध्यक्ष इस सहयोग के लिए नोडल व्यक्ति होंगी। दोनों संस्थानों के बीच हर तीन महीने में समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी।समझौते पर पीएसआई इंडिया के कार्यकारी निदेशक मुकेश कुमार शर्मा और एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने हस्ताक्षर किए।इस अवसर पर प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक, एम्स पटना ने कहा कि यह साझेदारी परिवार नियोजन के क्षेत्र में शोध, नवाचार और क्षमता निर्माण को मजबूत करने के साथ बिहार में साक्ष्य आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

तीन वर्षीय यह साझेदारी परिवार

दवाओं के विज्ञान से सुरक्षित उपचार तकः एम्स पटना में राष्ट्रीय फार्माकोलॉजी दिवस 2026 का आयोजन

पटना। दवा केवल उपचार का माध्यम नहीं बल्कि उसके सही चुनाव, सही मात्रा और सुरक्षित उपयोग करने की जिम्मेदारी भी है। इसी सोच के साथ अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), पटना के फामाकोलॉजी विभाग ने सोमवार को राष्ट्रीय फामाकोलॉजी दिवस 2026 मनाया। कार्यक्रम में भारतीय फामाकोलॉजी के जनक सर (कर्नल) रामनाथ चोपड़ा के योगदान को याद करते हुए आधुनिक चिकित्सा में फामाकोलॉजी की बदलती भूमिका पर चर्चा की गई।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने फामाकोलॉजी के महत्व को रेखांकित किया। पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की फामाकोलॉजी विभाग की पूर्व प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) इंदु सिन्हा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया।कार्यक्रम की शुरूआत भारतीय फामाकोलॉजी के विकास और सर रामनाथ चोपड़ा की विरासत को याद करने के साथ हुई। प्रो. (डॉ.) हरिहर दीक्षित ने सर (कर्नल) रामनाथ चोपड़ा का जीवन और योगदान- भारतीय फामाकोलॉजी के जनकह्न विषय पर व्याख्यान देते हुए उनके दूरदर्शी कार्यों और भारतीय फामाकोलॉजी की नींव मजबूत करने में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

हर क्षेत्रीय भाषा के लिए खुलेंगे एक-एक केंद्र, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनेंगे : शिक्षा मंत्री

पटना। शिक्षा मंत्री श्री मिथिलेश तिवारी ने कहा है कि राज्य में भोजपुरी, मगही, मैथिली और अंगिका समेत सभी क्षेत्रीय भाषाओं के लिए एक-एक केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि क्षेत्रीय भाषाओं के अध्ययन, शोध और संरक्षण को बढ़ावा मिल सके।श्री तिवारी ने मंगलवार को महेन्द्रू स्थित राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) में पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, शिक्षक प्रशिक्षण को मजबूत करने और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि व्याख्याताओं को हार्ड वर्किंग को छोड़ कर अब स्मार्ट वर्किंग की ओर बढ़ना होगा। अपने कार्यों का टारगेट प्वाइंट आज ही तय करें।

टीआरई–4 की वैकेंसी जारी होने पर शिक्षा मंत्री ने कहा– युवाओं के लिए भविष्य का द्वार खुला

- 32,388 पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी, शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने शिक्षक अभ्यर्थियों को दी शुभकामनाएं

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार के माननीय शिक्षा मंत्री श्री मिथिलेश तिवारी ने बिहार लोक सेवा आयोग (इढरउ) द्वारा शिक्षक भर्ती परीक्षा (ळफए-4) के अंतर्गत 32,388 पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे बिहार के शिक्षक अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण अवसर बताया है। ळफए-4 के तहत पहले से स्वीकृत 32,388 पदों के अतिरिक्त विभिन्न विषयों एवं भाषाओं में 886 नए पद जोड़े जाने की प्रक्रिया की गई है। इनमें आठ भाषाओं/विषयों जैसे मगही, मैथिली, ललित कला, प्राकृत सहित अन्य के 810 पद तथा कृषि विषय के 76 पद शामिल हैं।

शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि बिहार सरकार युवाओं के लिए रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने और राज्य की शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। ळफए-4 के माध्यम से हजारों योग्य एवं प्रतिभाशाली युवाओं को बिहार की शिक्षा व्यवस्था से जुड़कर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का अवसर मिलेगा।उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए भविष्य का द्वार खुला है। आप सभी भविष्य के निमार्ता बनकर आइए, शिक्षा विभाग आप सभी के स्वागत के लिए तैयार है।

श्री तिवारी ने कहा कि शिक्षक केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि नई पीढ़ी के निर्माण और बिहार के भविष्य को दिशा देने वाले राष्ट्रनिमार्ता हैं। योग्य और समर्पित शिक्षक विद्यार्थियों के सपनों को उड़ान देने के साथ-साथ विकसित और सशक्त बिहार की नींव तैयार करते हैं।

डायरिया से डरने नहीं सतर्क रहने की जरूरत : ब्रिगेडियर डॉ. राजू अग्रवाल

- डायरिया नियंत्रण व रोकथाम के लिए विशेष अभियान का शुभारम्भ
- एम्स के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ने प्रचार वाहन को दिखाई हरी झंडी
- जागरूकता अभियान में सहयोग कर रहीं पीएसआई इंडिया व केनव्यू

प्रातः किरण संवाददाता

पटना, 18 अगस्त। शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को डायरिया से पूरी तरह सुरक्षित बनाने और शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से प्रदेश में डायरिया रोकने हेतु जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है ।इसी के तहत मंगलवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) पटना से एम्स के अधिशाषी निदेशक (एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर) प्रोफेसर ब्रिगेडियर डॉ. राजू अग्रवाल ने मिड मीडिया कैम्पेन का विधिवत शुभारम्भ किया।जागरूकता अभियान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू संपोषित ह्लडायरिया से डर नहींह्न कार्यक्रम के माध्यम से सहयोग प्रदान कर रहीं हैं।

इस मौके पर ब्रिगेडियर डॉ. राजू अग्रवाल, पीएसआई इंडिया के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर मुकेश कुमार शर्मा, डायरेक्टर प्रोग्राम्स हितेश साहनी व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने डायरिया से बचाव, कारण, उपचार और रोकथाम सम्बन्धी संदेशों वाले पोस्टर-बैनर और ऑडियो/वीडियो से सुसज्जित प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रचार वाहन राजधानी पटना के विभिन्न क्षेत्रों में समुदाय में डायरिया के प्रति जन जागरूकता लाएंगे। इस मौके पर ब्रिगेडियर डॉ. राजू अग्रवाल ने कहा कि डायरिया से डरने नहीं बल्कि सतर्क रहने की जरूरत है, क्योंकि इसका उपचार पूरी तरह संभव है। बच्चे को दिन में दो-तीन बार पतली दस्त हो तो ओआरएस का घोल और जिंक जरूर दें, क्योंकि यही इसका सही उपचार है।

पीएसआई इंडिया के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर मुकेश कुमार शर्मा ने कहा कि बारिश और उमस में बच्चा डायरिया की चपेट में कई कारणों से आ सकता है, जैसे- दूषित जल पीने से, दूषित हाथों से भोजन बनाने या बच्चे को खाना खिलाने, बच्चों के मल का ठीक से निस्तारण न करने आदि से। इसलिए शौच और बच्चों का मल साफ करने के बाद, भोजन बनाने और खिलाने से पहले हाथों को साबुन-पानी से अच्छी तरह अवश्य धुलें।

पीएसआई इंडिया के डायरेक्टर प्रोग्राम्स हितेश साहनी ने कहा कि डायरिया के प्रति समुदाय स्तर पर जागरूकता बढ़ाने और ओआरएस व जिंक की महत्ता को भलीभांति समझाने के लिए ही पूरे प्रदेश में बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य बच्चों में डायरिया की रोकथाम, ओआरएस व जिंक के उपयोग को प्रोत्साहन और जनसामान्य में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है। फ्रंटलाइन वर्कर्स माताओं और परिवार वालों को यह भली भांति बताएं कि ओआरएस का घोल और जिंक बच्चे को सिर्फ डायरिया से ही नहीं बचाता बल्कि उनकी जान को भी जोखिम में जाने से बचाता है।

ह्लडायरिया से डर नहींह्न कार्यक्रम के बारे में केनव्यू इंडिया के बिजनेस यूनिट हेड-सेल्फ केयर प्रशांत शिंदे का कहना है कि बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाकर उन्हें सेहतमंद बनाने की हरसंभव कोशिश जारी है। इसके लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बताये अनुसार ओआरएस सॉल्यूशन की पहुँच को बेहतर बनाना, परिवारों को इस बारे में जागरूक बनाना, फ्रंटलाइन वर्कर्स के अभिमुखीकरण और सेहत को लेकर जरूरी व्यवहार परिवर्तन को अपनाना जरूरी है। ह्लडायरिया से डर नहींह्न पहल के जरिए, केनव्यू पीएसआई इंडिया के साथ मिलकर सरकार की स्वास्थ्य सेवाओं में अहम योगदान दे रहा है।

जीकेसी में मधुकर वर्मा बने पटना जिला कार्यकारी अध्यक्ष और रविन्द्र किशोर को मिला प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस (जीकेसी) ने बिहार में संगठन को और अधिक मजबूत तथा सक्रिय बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और समाज के लोगों को एक मजबूत मंच से जोड़ने के उद्देश्य से बिहार प्रदेश में नई जिम्मेदारियों की घोषणा की गई है। जीकेसी के ग्लोबल उपाध्यक्ष सह बिहार प्रदेश अध्यक्ष दीपक अभिषेक ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि पटना जिला में मधुकर वर्मा को जीकेसी का कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। वहीं बिहार प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर रविन्द्र किशोर को मनोनीत किया गया है। इन नियुक्तियों को संगठन के विस्तार और कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नई जिम्मेदारियों के साथ दोनों पदाधिकारियों से अपेक्षा की गई है कि वे संगठन के उद्देश्यों को समाज के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने और विभिन्न सामाजिक गतिविधियों को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

पटना जिला जीकेसी के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में मधुकर वर्मा का मनोनयन संगठन के लिए महत्वपूर्ण है। राजधानी पटना में संगठनात्मक गतिविधियों को व्यापक स्वरूप देने के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और रचनात्मक कार्यक्रमों को बेहतर ढंग से संचालित करने की जिम्मेदारी भी उनके सामने होगी। पटना बिहार की राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में यहां जीकेसी को मजबूत करना पूरे बिहार में संगठन के विस्तार के लिए अहम माना जा सकता है। मधुकर वर्मा के नेतृत्व में जिला संगठन को नई ऊर्जा मिलने और विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय सदस्यों की भागीदारी बढ़ने की उम्मीद है।बिहार प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में रविन्द्र किशोर का मनोनयन भी संगठन के लिए महत्वपूर्ण निर्णय है। प्रदेश स्तर की जिम्मेदारी मिलने के बाद उनसे उम्मीद की जाएगी कि वे संगठन की नीतियों और कार्यक्रमों को विभिन्न जिलों तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। जीकेसी का उद्देश्य केवल संगठनात्मक विस्तार तक सीमित नहीं है।

समाज के लोगों को एकजुट करना, प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध कराना, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाएं तलाशना तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों को बढ़ावा देना भी इसकी प्राथमिकताओं में शामिल है। ऐसे में प्रदेश उपाध्यक्ष की भूमिका संगठन और जिलास्तरीय इकाइयों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण हो सकती है।जीकेसी के ग्लोबल उपाध्यक्ष सह बिहार प्रदेश अध्यक्ष दीपक अभिषेक लगातार संगठन को बिहार के विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत करने पर जोर दे रहे हैं।

नई नियुक्तियों को भी इसी संगठनात्मक प्रक्रिया की कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। संगठन की मजबूती तभी संभव है, जब जिला से लेकर प्रदेश स्तर तक जिम्मेदार पदाधिकारी सक्रियता के साथ अपनी भूमिका निभाएं। नई जिम्मेदारियों के माध्यम से संगठन में कार्यकताओं की सक्रियता बढ़ाने, नए सदस्यों को जोड़ने और समाजहित से जुड़े कार्यक्रमों को व्यापक बनाने का अवसर मिलेगा।ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस का एक प्रमुख उद्देश्य कायस्थ समाज को एकजुट कर सामाजिक और राष्ट्रीय विकास में उसकी भूमिका को और प्रभावी बनाना है।

बिहार के 25 से भी अधिक विद्यालयों में सम्पन्न हुआ राष्ट्र ध्वज का सम्मान करें जनजागृति अभियान

पटना । राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान की भावना विद्यार्थियों में जागृत करने के उद्देश्य से हिन्दू जनजागृति समिति द्वारा बिहार राज्य के 25 से अधिक विद्यालयों में राष्ट्र ध्वज का सम्मान करें जनजागृति अभियान सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया ।इस अभियान के अंतर्गत समिति द्वारा विद्यालयों में प्रधानाचार्य को ज्ञापन दिया गया और साथ ही छात्रों को राष्ट्रध्वज का महत्व, ध्वज संहिता और उसके सम्मान के नियमों की विस्तृत जानकारी दी ।छात्रों को बताया गया कि तिरंगा हमारी अस्मिता, एकता और बलिदान का प्रतीक है ।इसका सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है ।अभियान के दौरान छात्रों से राष्ट्रध्वज को शुद्ध एवं सम्मानपूर्वक फहराने, उसके अपमान को रोकने हेतु बताया गया ।अभियान को विद्यालयों के प्राचार्यों, शिक्षकों एवं छात्रों का सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ ।

राज्यपाल से मिले शिक्षा मंत्री ,शिक्षा विभाग के प्रयासों को राज्यपाल ने सराहा

पटना। शिक्षा मंत्री श्री मिथिलेश तिवारी ने मंगलवार को राजभवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन से शिष्टाचार भेंट की।मुलाकात के दौरान राज्य में शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, गुणवत्तापूर्ण एवं परिणामोन्मुख बनाने तथा प्रदेश के विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को लेकर सार्थक व प्रेरणादायी चर्चा हुई। शिक्षा मंत्री ने माननीय राज्यपाल को राज्य के विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में शिक्षा विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों एवं नवाचारों की जानकारी दी। माननीय राज्यपाल ने शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों के हित में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचार और समावेशी विकास को निरंतर प्राथमिकता देने पर बल दिया।

गैस कनेक्शन के नाम पर किसी को नकद राशि का भुगतान न करें

पटना। गेल (इंडिया) लिमिटेड के पटना सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (उॠ) क्षेत्र के अंतर्गत पटना एवं आसपास के क्षेत्रों में गैस पाइपलाइन बिछाने, गैस कनेक्शन उपलब्ध कराने तथा अन्य संबंधित कार्य गेल द्वारा अधिकृत संविदाकारों एवं उनके कर्मियों के माध्यम से किए जा रहे हैं।

गेल ने आम जनता से अपील की है कि गैस कनेक्शन प्रदान करने, पाइपलाइन बिछाने अथवा अन्य संबंधित कार्यों के लिए किसी भी संविदाकार, कर्मचारी, फील्ड कर्मी या अन्य व्यक्ति को किसी भी प्रकार की नकद राशि का भुगतान न करें।गेल ने कहा है कि यदि कोई व्यक्ति गेल से संबंधित होने का दावा करते हुए गैस कनेक्शन, पाइपलाइन कार्य अथवा किसी अन्य सेवा के नाम पर नकद राशि, कमीशन या किसी प्रकार की अनधिकृत राशि की मांग करता है, तो उसे कोई भुगतान न किया जाए। ऐसी किसी भी मांग अथवा संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल गेल के संबंधित कार्यालय या अधिकृत माध्यम को दी जाए।गेल ने स्पष्ट किया है कि गैस पाइपलाइन एवं कनेक्शन से संबंधित कार्यों में पारदर्शिता एवं उपभोक्ता हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। आम जनता से अनुरोध किया गया है कि वे किसी भी व्यक्ति के झांसे में न आएं और बिना अधिकृत रसीद अथवा दस्तावेज के कोई भुगतान न करें।

14 घंटे में 51 रोबोटिक बैरिएट्रिक सर्जरी, डॉ. मोहित भंडारी और टीम मोहक की उल्लेखनीय उपलब्धि

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर डॉ. मोहित भंडारी और टीम मोहक ने 15 अगस्त को मात्र 14 घंटे में 51 रोबोटिक बैरिएट्रिक एवं मेटाबोलिक सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी कीं। इस पहल में छह रोबोटिक सिस्टम, एक निर्धारित कंसोल सर्जन और एक समन्वित भारतीय क्लिनिकल टीम शामिल रही। 51 मरीजों में 30 पुरुष और 21 महिलाएं शामिल थीं। मरीजों की आयु 21 से 77 वर्ष के बीच रही, औसत आयु 43.6 वर्ष और औसत वजन लगभग 122 किलोग्राम रहा। इस उपलब्धि के लिए मानकीकृत सर्जिकल प्रोटोकॉल तथा सर्जरी, एनेस्थीसिया, नर्सिंग और सपोर्ट टीमों के बीच बेहतर समन्वय किया गया। डॉ. मोहित भंडारी अब तक 40,000 से अधिक बैरिएट्रिक सर्जरी कर चुके हैं। इस पहल का बाहरी पर्यवेक्षण भी किया गया तथा औपचारिक मान्यता के लिए दस्तावेज गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स और वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड्स को प्रस्तुत किए गए हैं। डॉ. मोहित भंडारी ने कहा कि 51 का आंकड़ा इस उपलब्धि का केवल एक हिस्सा है। एक भारतीय सर्जिकल टीम उन्नत तकनीक, स्वदेशी नवाचार, चिकित्सकीय विशेषज्ञता और टीमवर्क के माध्यम से जटिल सर्जरी की पहुंच को बड़े स्तर तक ले जाने में सक्षम है। भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस पर यह भारतीय स्वास्थ्य सेवा की क्षमता का उत्सव है । इस दौरान स्वदेशी सर्जिकल रोबोटिक्स तकनीक का उपयोग किया गया। यह पहल सर्जिकल स्वराज, आत्मनिर्भरता और उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं के विकेंद्रीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मोहक बैरिएट्रिक्स एंड रोबोटिक्स, इंदौर में बैरिएट्रिक, मेटाबोलिक और रोबोटिक सर्जरी के लिए विशेषज्ञता, अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रशिक्षण और अनुसंधान को एक साथ जोड़ा गया है।

तंबाकू के खिलाफ युवाओं ने बुलंद की आवाज, पारस हेल्थ में ऑन्कोलॉजी पार्लियामेंट का हुआ आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। तंबाकू के सेवन से होने वाले नुकसान और इसके पूर्ण प्रतिबंध की जरूरत को लेकर मंगलवार को पारस हेल्थ में ह्यऑन्कोलॉजी पार्लियामेंटह्न का आयोजन किया गया। पारस हेल्थ, एसोसिएशन ऑफ रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एआरओआई) और लाजवंती भगवत नाथ रेडिएशन ऑफ होप (एलबीएनआरओएच) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में पटना के विभिन्न स्कूलों के 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

ह्यतंबाकू पर पूर्ण प्रतिबंधः समय की मांगह्न विषय पर आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने तंबाकू के सेवन से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान, कैंसर के बढ़ते खतरे और तंबाकू पर पूर्ण प्रतिबंध की जरूरत को लेकर पक्ष-विपक्ष में अपने विचार रखे। विद्यार्थियों ने अपने तर्कों और विचारों के माध्यम से तंबाकू मुक्त समाज की आवश्यकता पर जोर दिया।

प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के आयोजन सचिव एवं रेडिएशन ओंकोलॉजी के निदेशक डॉ. शेखर केसरी ने बताया कि प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को 2 से 4 अक्टूबर तक जम्मू में आयोजित होने वाली नेशनल असेंबली में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

इस अवसर पर पारस एचएमआरआई के सर्जरी विभाग के निदेशक डॉ. अहमद अब्दुल हई ने बताया कि तंबाकू के सेवन से फेफड़ा (लंग्स), मुँह, गर्दन और गले के कैंसर की आशंका सबसे अधिक होती है, साथ ही यह लगभग हर प्रकार के कैंसर का एक प्रमुख कारण भी है।तंबाकू आज के समय में धीमा जहर बन चुका है।

पारस हेल्थ के जोनल डाइरेक्टर डॉ. दीपक सिंह ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं के बीच तंबाकू के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि तंबाकू पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने की दिशा में युवाओं को जागरूक करना जरूरी है। इसी उद्देश्य से विद्यार्थियों के बीच वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, ताकि युवा स्वयं तंबाकू के खिलाफ आवाज उठाएं।

इस कार्यक्रम में प्रथम पुरस्कार नंदिनी चौधरी-सेंट कैरेंस सेकेंडरी स्कूल, द्वितीय पुरस्कार ख्याति राज गोविंदा इंटरनेशनल स्कूल, जया- सेंट कैरेंस सेकेंडरी स्कूल, तृतीय पुरस्कार निलांश- गोविंदा इंटरनेशनल स्कूल, मरियम-अलाय फातिमा नर्सिंग कॉलेज को मिला।

सेंट क्रेन्स, अलाय फातिमा हई नर्सिंग कॉलेज, गोविंदा इंटरनेशनल स्कूल समेत कई स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया एंव डॉ. प्रकाश सिन्हा, एमएस. डॉ. मनीष, जोनल हेड एचआर. कंचन कुमार, निरज कुमार एंव डॉ. नेहा रॉय उपस्थित थे।पारस हेल्थ पटना ने 2013 में परिचालन शुरू किया।

यह बिहार का पहला कॉर्पोरेट अस्पताल है जिसके पास परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड द्वारा लाइसेंस प्राप्त कैंसर उपचार केंद्र है।

राज्य के 1.70 लाख छात्राओं को पहली बार 2008 में मिली थी साइकिल : श्रवण

- ग्रामीण विकास सह सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री ने किया अत्याधुनिक सेमिनार हॉल का उद्घाटन
- नीतीश कुमार के नेतृत्व में शिक्षा सहित सभी क्षेत्रों में विकास किये गए कार्य

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। ग्रामीण विकास मंत्री सह सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बिहार तेज गति से निरंतर विकास कर रहा है। राज्य के सरकारी स्कूलों में नौवीं क्लास में पढ़ने वाली 1 लाख 70 हजार छात्राओं को पहली बार स्कूल जाने के लिए वर्ष 2008 में साइकिल दी गई थी।

मंत्री मंगलवार को पटना जिले के मसौढ़ी प्रखंड में जतीचक स्थित पन्नू लाल सिंह महाविद्यालय में आयोजित उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कही। इसके पूर्व उन्होंने महाविद्यालय परिसर में करीब 75 लाख की लागत से निर्माण किये गए अत्याधुनिक सेमिनार हॉल का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीण विकास के साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में किये गए विकास कार्यों और विद्यार्थियों के लिए राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में शिक्षा सहित सभी क्षेत्रों में विकास कार्य किये गए।

बिहार में इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक कॉलेज, मेडिकल कॉलेज सहित कई विश्वविद्यालय खोले गए, जिससे कि राज्य के बच्चों को पढ़ाई करने के लिए दूसरे राज्यों में नहीं जाना पड़े। वर्ष 2019 में छात्रों को साइकिल देने की योजना शुरू की गई। अभीतक राज्य के करीब 19 लाख से अधिक बच्चों को साइकिल योजना का लाभ दिया जा चुका है। इसके साथ ही बच्चों को पोशाक और छात्रवृत्ति योजना का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में राज्य के हर प्रखंड में मॉडल स्कूल और डिग्री कॉलेज खोले जा रहे हैं। बीएड कॉलेजों में सभी विषयों की पढ़ाई होगी। छात्र-छात्राओं को बेहतर शिक्षा मिले इसके लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि देश और दुनिया में तेजी से शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव हो रहा है। किताबी शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में अच्छा ज्ञान भी जरूरी है, ताकि उसका विकास हो सके। इस मौके पर एपीयू के कुलपति प्रो. उपेंद्र सिंह, मसौढ़ी के विधायक अरूण मांझी, विधान पार्षद डॉ. अनामिका पटेल, मगध विश्वविद्यालय के पूर्व उप कुलपति प्रो. गणेश महतो सहित कॉलेज के शिक्षक और शिक्षिकेत्तर कर्मी आदि मौजूद थे। आगत अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. दामोदर सिंह ने किया।

जदयू के पूर्व विधायक के निधन पर मंत्री ने जताया शोक

पटना। ग्रामीण विकास विभाग तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री सह जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार ने पार्टी के भूतपूर्व विधायक कामेश्वर नाथ दास के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। सूबे के सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री श्री श्रवण कुमार ने अपने शोक संदेश में कहा कि यह घटना बेहद दुखद है और पार्टी के लिए यह बड़ी क्षति है। उनके निधन से झारखंड में जदयू को बड़ा नुकसान हुआ है। श्रवण कुमार ने दिवंगत आत्मा की चिर शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और उनके परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

कृषि अनुसंधान को खेत तक पहुंचाकर किसानों की आय बढ़ाना प्राथमिकता : विजय

- सूबे के कृषि मंत्री ने नई दिल्ली स्थित आईसीएआर की 97वीं आम बैठक को किया संबोधित

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली/पटना। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की 97वीं वार्षिक आम बैठक में नई दिल्ली में बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय राज्य मंत्री तथा विभिन्न राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ सहभागिता की। बैठक में कृषि अनुसंधान, आधुनिक तकनीक, प्राकृतिक खेती, बीज उत्पादन, किसानों की आय में वृद्धि तथा कृषि क्षेत्र में युवाओं की भागीदारी सहित बिहार से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार साझा किए। बैठक में बिहार की कृषि परिस्थितियों और किसानों की आवश्यकताओं को रेखांकित करते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि बिहार कृषि प्रधान राज्य है। राज्य की समृद्ध कृषि क्षमता को आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक अनुसंधान, प्रसंस्करण एवं कृषि निर्यात से जोड़कर किसानों के लिए रोजगार एवं आय के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं बिहार में कम वर्षा की स्थिति के बावजूद 93 प्रतिशत से अधिक धान रोपणी का कार्य पूरा हो चुका है और निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

कृषि मंत्री ने विशेष रूप से मखाना की उन्नत किस्मों के विकास, वैज्ञानिक उत्पादन तकनीक, यंत्रीकरण, मूल्य संवर्धन तथा निर्यात क्षमता बढ़ाने के लिए आईसीएआर स्तर पर विशेष अनुसंधान की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बिहार के विशिष्ट कृषि उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ने के लिए अनुसंधान संस्थानों, केंद्र एवं राज्य सरकार के समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने बिहार में बाढ़ एवं सुखाड़ जैसी प्राकृतिक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए जलवायु अनुकूल एवं कम अवधि वाली फसल किस्मों के विकास पर भी विशेष बल दिया। साथ ही डिजिटल कृषि की तकनीकों को छोटे एवं सीमांत किसानों तक पहुँचाने तथा युवाओं और महिला किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक से जोड़ने की आवश्यकता बताई। मंत्री ने कहा की बिहार सरकार का लक्ष्य है कि वैज्ञानिक अनुसंधान और आधुनिक तकनीक का लाभ अंतिम पंक्ति के किसान तक पहुँचे तथा कृषि को उत्पादन से आगे बढ़ाकर प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, कृषि उद्यमिता एवं निर्यात से जोड़ा जाए। इससे विकसित भारत के साथ विकसित, आत्मनिर्भर एवं समृद्ध बिहार के निर्माण को गति मिलेगी।

शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने को लेकर राज्यपाल से मिले मंत्री मिथिलेश तिवारी

- शिक्षा को सशक्त बनाने और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य पर की सार्थक चर्चा
- राज्यपाल ने शिक्षा विभाग के प्रयासों को सराहा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने मंगलवार को राजभवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्य में शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, गुणवत्तापूर्ण एवं परिणामोन्मुख बनाने तथा प्रदेश के विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को लेकर सार्थक व प्रेरणादायी चर्चा हुई। शिक्षा मंत्री ने राज्यपाल को राज्य के विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में शिक्षा विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों एवं नवाचारों की जानकारी दी। राज्यपाल ने शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों के हित में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचार और समावेशी विकास को निरंतर प्राथमिकता देने पर बल दिया।

हिट एंड रन सड़क दुर्घटना पीड़ितों को मुआवजा दिलाने के लिए पटना जिला परिवहन कार्यालय के स्तर से चलाया जा रहा विशेष अभियान

- हिट एंड रन दुर्घटना में मृत्यु होने पर 2 लाख रुपए की निर्धारित क्षतिपूर्ति का है प्रावधान
- पीड़ित परिवार अपने साथ आवश्यक दस्तावेज लेकर जिला परिवहन कार्यालय में उपस्थित होकर दावा आवेदन की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पटना जिले में सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों एवं उनके आश्रित परिवारों को सरकार की तरफ से संचालित योजना का लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला परिवहन कार्यालय, पटना द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से ऐसे सड़क दुर्घटना पीड़ितों एवं उनके परिजनों की पहचान कर उन्हें योजना के अंतर्गत उपलब्ध मुआवजा प्राप्त करने के लिए आवेदन करने के लिए जागरूक एवं प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिनके मामले हिट एंड रन की श्रेणी में आते हैं अर्थात दुर्घटना करने वाले वाहन की पहचान नहीं हो सकी हो अथवा वाहन दुर्घटना के बाद फरार हो गया हो। भारत सरकार की उक्त योजना के अंतर्गत पात्र हिट एंड रन दुर्घटना में मृत्यु होने पर 2 लाख रुपए की निर्धारित क्षतिपूर्ति का प्रावधान है। पात्रता एवं दावा स्वीकृति संबंधित अभिलेखों एवं निर्धारित नियमों के अनुसार जांच के बाद की जाएगी। पीड़ित परिवारों से की गई विशेष अपील जिला परिवहन पदाधिकारी, पटना द्वारा जिले के आम नागरिकों से अपील की गई है कि यदि उनके परिवार का कोई सदस्य जिनकी हिट एंड रन सड़क दुर्घटना में मृत्यु हुई हो, और इस योजना के अंतर्गत अभी तक मुआवजे का दावा प्रस्तुत नहीं किया गया है, तो वे जिला परिवहन कार्यालय, पटना से संपर्क कर आवेदन की प्रक्रिया पूरी करें। पीड़ित परिवार अपने साथ आवश्यक दस्तावेज लेकर जिला परिवहन कार्यालय में उपस्थित होकर दावा आवेदन की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

मिड डे मिल के दोषियों पर होगी कठोर कार्रवाई: मंत्री

- अस्पताल में भर्ती बच्चों से मिलकर ग्रामीण विकास मंत्री ने ली स्वास्थ्य की जानकारी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। नालंदा जिले के नूरसराय प्रखंड स्थित परासी मध्य विद्यालय में मंगलवार को मध्यान भोजन खाने से 34 बच्चों की तबीयत खराब होने की सूचना मिलते ही ग्रामीण विकास मंत्री सह सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार बिहार शरीफ सदर अस्पताल पहुंच गए। उसके बाद अस्पताल में भर्ती बच्चों से मुलाकात कर उनका हाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों से बच्चों की स्वास्थ्य जानकारी ली और बेहतर इलाज करने का निर्देश दिए। बताया जाता है कि नालंदा के नूरसराय प्रखंड स्थित परासी मध्य विद्यालय परासी में मध्यान भोजन खाने के बाद करीब 34 छात्र-छात्राओं की तबीयत अचानक बिगड़ गई। बच्चों की तबीयत बिगड़ते ही स्कूल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आनन-फानन में सभी बच्चों को इलाज के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। सभी बच्चों को अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड में चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है, जहां उनका इलाज जारी है। बच्चों से मुलाकात करने के बाद ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि मिड डे मील परोसने के दौरान आखिर चूक कहां हुई, इसकी पूरी जांच कराई जाएगी। जांच में दोषी पाए जाने वाले संबंधित कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। मिड डे मिल बच्चों के पोषण और शिक्षा दोनों के लिए है, इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अभिभावकों से कहा कि घबराएं नहीं, सरकार आपके बच्चों के साथ है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले के सभी स्कूलों में मिड डे मिल की औचक जांच की जाए और रसोइयों को साफ-सफाई व स्वच्छता की ट्रेनिंग दी जाए। इस मौके पर सिविल सर्जन, जदयू प्रवक्ता डॉ. धनंजय कुमार देव सहित कई चिकित्सक उपस्थित रहे।

तेजस्वी यादव का लोक भवन मार्च नहीं, अपना राजनीतिक कैरियर बचाओ मार्च : सरावगी

- बिहार में लगातार हो रही शिक्षकों की नियुक्ति, छात्र हित के मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं तेजस्वी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने राजद नेता तेजस्वी यादव के बुधवार को प्रस्तावित लोक भवन मार्च को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव का यह लोक भवन मार्च नहीं, बल्कि उनका राजनीतिक कैरियर बचाओ मार्च है। वे अपने राजनीतिक अस्तित्व और कैरियर को बचाने के लिए यह मार्च निकालने जा रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि तेजस्वी यादव अपने जीवन में छात्र, खिलाड़ी और अब राजनीति के क्षेत्र में भी लगातार असफल होते आए हैं। अब वे छात्र हित के नाम पर मार्च निकालकर अपनी राजनीति को फिर से स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव को पहले यह बताना चाहिए कि जब छात्र अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे थे, तब वे कहां थे। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्र आंदोलन के दौरान तेजस्वी यादव विदेश दौरे पर थे। दूसरी ओर, केंद्र सरकार और बिहार सरकार ने छात्रों की मांगों पर तत्काल पहल की और उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में आवश्यक कदम उठाए। आज छात्र आंदोलन से जुड़े जिन मुद्दों को लेकर तेजस्वी यादव मार्च की बात कर रहे हैं, उनमें से अधिकांश मुद्दों पर सरकार पहले ही कार्रवाई कर चुकी है। संजय सरावगी ने कहा कि बिहार में शिक्षकों की नियुक्ति लगातार हो रही है। राज्य सरकार युवाओं को रोजगार देने और शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। ऐसे में समाप्त हो चुके मुद्दों को राजनीतिक हथियार बनाकर तेजस्वी यादव जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राजद और तेजस्वी यादव को यह समझ लेना चाहिए कि केवल मार्च निकालने और बयानबाजी करने से बिहार की जनता का विश्वास हासिल नहीं किया जा सकता। जनता काम और परिणाम देखती है और बिहार में सरकार लगातार इसी दिशा में आगे बढ़ रही है।

मिड डे मिल के दोषियों पर होगी कठोर कार्रवाई: मंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। नालंदा जिले के नूरसराय प्रखंड स्थित परासी मध्य विद्यालय में मंगलवार को मध्यान भोजन खाने से 34 बच्चों की तबीयत खराब होने की सूचना मिलते ही ग्रामीण विकास मंत्री सह सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार बिहार शरीफ सदर अस्पताल पहुंच गए। उसके बाद अस्पताल में भर्ती बच्चों से मुलाकात कर उनका हाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों से बच्चों की स्वास्थ्य जानकारी ली और बेहतर इलाज करने का निर्देश दिए। बताया जाता है कि नालंदा के नूरसराय प्रखंड स्थित परासी मध्य विद्यालय परासी में मध्यान भोजन खाने के बाद करीब 34 छात्र-छात्राओं की तबीयत अचानक बिगड़ गई। बच्चों की तबीयत बिगड़ते ही स्कूल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आनन-फानन में सभी बच्चों को इलाज के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। सभी बच्चों को अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड में चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है, जहां उनका इलाज जारी है। बच्चों से मुलाकात करने के बाद ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि मिड डे मील परोसने के दौरान आखिर चूक कहां हुई, इसकी पूरी जांच कराई जाएगी। जांच में दोषी पाए जाने वाले संबंधित कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। मिड डे मिल बच्चों के पोषण और शिक्षा दोनों के लिए है, इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अभिभावकों से कहा कि घबराएं नहीं, सरकार आपके बच्चों के साथ है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले के सभी स्कूलों में मिड डे मिल की औचक जांच की जाए और रसोइयों को साफ-सफाई व स्वच्छता की ट्रेनिंग दी जाए। इस मौके पर सिविल सर्जन, जदयू प्रवक्ता डॉ. धनंजय कुमार देव सहित कई चिकित्सक उपस्थित रहे।

नीतीश के नौकरी एवं रोजगार मॉडल को आगे बढ़ा रही एनडीए सरकार : उमेश

- कहा-टीआरई-4 में 32,388 शिक्षकों की होगी नियुक्ति

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में नौकरी एवं रोजगार को लेकर जो मजबूत आधार तैयार हुआ, वह आज एक मॉडल के रूप में स्थापित हो चुका है। शिक्षक नियुक्ति के पहले तीन चरणों में 3 लाख से अधिक शिक्षकों की बहाली के बाद अब शिक्षक भर्ती के चौथे चरण के लिए भी आज अधिसूचना जारी की गई है। श्री कुशवाहा ने कहा कि श्री नीतीश कुमार के नौकरी एवं रोजगार मॉडल को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में एनडीए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ा रही है। टीआरई-4 के तहत 32,388 शिक्षकों की नियुक्ति का निर्णय युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और सरकारी सेवा में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि सात निश्चय पार्ट-3 के तहत एनडीए सरकार ने अगले पाँच वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य तय किया है। सरकार इस दिशा में लगातार काम कर रही है। शिक्षक भर्ती के चौथे चरण में 32,388 पदों पर नियुक्ति का निर्णय इसी कड़ी में लिया गया है। इससे बड़ी संख्या में युवाओं को शिक्षक बनने का अवसर मिलेगा और राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे। श्री उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में सरकारी नियुक्तियों की प्रक्रिया को पारदर्शी, व्यवस्थित और तेज बनाने की जो कार्यसंस्कृति विकसित हुई, सम्राट चौधरी के नेतृत्व में एनडीए सरकार उसे और मजबूती के साथ आगे बढ़ा रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि युवाओं को अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना एनडीए सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

एके-47 से गोली चलाने का आदेश किसने दिया, जवाब दे सरकार: तेजस्वी

- नेता प्रतिपक्ष के नेतृत्व में राजद का राजभवन मार्च आज

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मंगलवार को कहा कि छात्रों पर गोली चलाने के मामले में सरकार को स्पष्ट करना होगा कि एके-47 से फायरिंग का आदेश किसने दिया था। उन्होंने कहा कि इसी मुद्दे, पेपर लीक, बेरोजगारी और भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के खिलाफ बुधवार को राजभवन मार्च किया जाएगा। पटना में प्रेस वार्ता के दौरान तेजस्वी यादव ने कहा कि कई दिनों से सरकार और प्रशासन से पूछा जा रहा है कि छात्रों पर गोली चलाने का आदेश किसके कहने पर दिया गया, लेकिन मुख्यमंत्री और बड़े अधिकारियों की ओर से अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। उन्होंने दावा किया कि पेपर लीक के खिलाफ हुए आंदोलनों में कई जगह छात्रों पर लाठीचार्ज और फायरिंग हुई तथा सैकड़ों छात्रों को गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने कहा कि सीवान के तीन छात्रों को गोली लगी थी और वे उनसे मुलाकात कर चुके हैं। उनका आरोप है कि पुलिस ने बेवजह फायरिंग की। उन्होंने कहा कि संसद में केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने गोली नहीं चलाए जाने की बात कही थी, जबकि सुप्रीम कोर्ट में बिहार सरकार के हलफनामे में फायरिंग की बात सामने आई है। तेजस्वी ने इसे लेकर सरकार से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बिहार पुलिस मुख्यमंत्री और गृह मंत्री के अधीन है, लेकिन न तो मुख्यमंत्री और न ही गृह मंत्री सम्राट चौधरी घायल छात्रों से मिलने गए। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि एक सिपाही को निलंबित कर मामले को खत्म करने की कोशिश की गई, जबकि एके-47 जैसे हथियार के आवंटन और इस्तेमाल की पूरी कमांड चेन की जांच होनी चाहिए। तेजस्वी ने कहा कि उनकी मांग है कि फायरिंग की न्यायिक जांच हो, दोषी अधिकारियों को निलंबित किया जाए और यह सार्वजनिक किया जाए कि कितने राउंड गोलियां चलीं तथा कितने कारतूस जारी किए गए थे। उन्होंने पूछा कि भीड़ नियंत्रण के दौरान एके-47 के इस्तेमाल की अनुमति थी या नहीं और संबंधित पुलिस अधीक्षक पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई। नेता प्रतिपक्ष ने बिहार में लगातार हो रहे पेपर लीक को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मैट्रिक, इंटर, बीपीएससी समेत विभिन्न परीक्षाओं में पेपर लीक की शिकायतें सामने आती रही हैं, लेकिन जिम्मेदारी तय नहीं होती। उन्होंने कहा कि 19 अगस्त का राजभवन मार्च पूरी तरह लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण होगा। मार्च राजद कार्यालय से शुरू होकर इनकम टैक्स और बेली रोड होते हुए राजभवन पहुंचेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि मार्च से पहले छात्रों को हिरासत में लिया जा रहा है और पटना कॉलेज के निर्वाचित छात्र संघ अध्यक्ष सुदर्शन को भी पुलिस ने उठा लिया है। तेजस्वी ने युवाओं से मार्च में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि बिहार देश का सबसे युवा प्रदेश है और युवाओं को शिक्षा, रोजगार और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया चाहिए। उन्होंने कहा कि पेपर लीक, बेरोजगारी और छात्रों पर कार्रवाई के खिलाफ उनकी लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि राजभवन मार्च में शामिल होना सभी के लिए खुला है और जो लोग छात्रों की न्यायसंगत मांगों का समर्थन करते हैं, वे इसमें शामिल हो सकते हैं।

नाम परिवर्तन

क्र. संख्या-11580 दिनांक: 10-8-2026

मैं, रंजीत कुमार राय, पिता–स्वर्गीय देवनाथ राय, निवासी–ग्राम + डाकघर नयागाँव, 28 टोला, थाना–देसरी, जिला–वैशाली (बिहार), पिन कोड–844506

मेरी पुत्री का नाम पूर्व में काव्या था, जिसे अब बदलकर काव्या राय कर दिया गया है। अब मेरी पुत्री को काव्या राय के नाम से ही जाना एवं पुकारा जाता है। मेरी पुत्री का नाम काव्या राय घोषित किए जाने के उद्देश्य से यह शपथ-पत्र मेरे द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है।

जो मेरी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार पूर्णतः सत्य एवं सही है।

शपथकर्ता
रंजीत कुमार राय

एक क्लिक पर मिलेगी चुनाव आयोग की हर सुविधा 40 पोर्टल को जोड़कर बना ईसीआईनेट

- मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने बीते सोमवार को किया ईसीआईनेट का शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं की सुविधा के लिए एक बड़ी पहल करते हुए 40 अलग-अलग पोर्टल को एकीकृत कर ईसीआईनेट प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने बीते सोमवार को राजधानी पटना से ईसीआई 2.0 एवं ईसीआईनेट का शुभारंभ किया। इस नए प्लेटफॉर्म पर वोटर लिस्ट चेक करने से लेकर बीएलओ से संपर्क और समाधान तक की हर सुविधा एक क्लिक पर उपलब्ध होगी। ईसीआईनेट के जरिए चुनाव से जुड़ी सभी जानकारियों को एक जगह एकीकृत किया गया है। पहले वोटर हेल्पलाइन ऐप, सी-विजिल, सक्षम, वोटर टर्नआउट ऐप, नो योर कैंडिडेट जैसे 40 से अधिक प्लेटफॉर्म अलग-अलग चालते थे। मतदाता को अलग-अलग कामों के लिए 40 अलग-अलग पोर्टल पर जाना पड़ता था। अब एक ही ऐप या पोर्टल से सभी काम होंगे। यह प्लेटफॉर्म वोटर, चुनाव अधिकारी, राजनीतिक दल और सभी हितधारकों के लिए एक ही जगह पर सभी चुनावी सेवाएं उपलब्ध कराता है।

अब तक इस ऐप को करीब 11 करोड़ लोगों ने अपने फोन में डाउनलोड भी कर लिया है। भारत निर्वाचन आयोग का लक्ष्य है कि इस वर्ष के अंत तक इसे कम से कम 30 करोड़ लोगों तक पहुंचाया जाए।

भारत निर्वाचन आयोग के नए वन-स्टॉप डिजिटल प्लेटफॉर्म ईसीआईनेट ने विधानसभाओं के आम चुनाव और उपचुनाव 2026 में शानदार प्रदर्शन किया है। आयोग ने कहा है कि ईसीआईनेट ने चुनावी प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित बनाने के साथ-साथ रियल-टाइम मॉनिटरिंग, तेज रिपोर्टिंग और पारदर्शिता बढ़ाने में मुख्य भूमिका निभाई है।

जाने इसमें क्या है नया: वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने, हटाने और सुधारने के लिए फॉर्म 6, 7 और 8 की सुविधा ईसीआईनेट ऐप पर ही मिल जाएगी। उम्मीदवार की पूरी जानकारी के लिए 'नो योर कैंडिडेट' मॉड्यूल है। अब नागरिक ईसीआईनेट ऐप से सीधे अपने बीएलओ के साथ कॉल बुक कर सकते हैं। चुनाव आयोग का कहना है कि ईसीआईनेट भारत के चुनाव प्रबंधन में डिजिटल क्रांति है, जिससे चुनाव पहले से ज्यादा सुरक्षित, तेज और पारदर्शी हुए हैं।

ईसीआईनेट की परिकल्पना मई 2025 में मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू एवं डॉ. विवेक जोशी ने की थी। आयोग ने इसे 22 जनवरी 2026 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आईआईसीडीईएम (अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन सम्मेलन) कॉन्फ्रेंस में दुनिया के सबसे बड़े चुनावी सेवा प्लेटफॉर्म के तौर पर लॉन्च किया था। इसका ट्रायल बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में हो चुका है, जो सफल रहा था।

11 लाख से ज्यादा बीएलओ हैं रजिस्टर्ड : इस प्लेटफॉर्म पर 11 लाख से ज्यादा बीएलओ रजिस्टर्ड हैं। एसआईआर यानी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के दौरान 150 करोड़ से ज्यादा डॉक्यूमेंट्स डिजिटाइज किए गए। यह 22 भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी में उपलब्ध है। वोटर रजिस्ट्रेशन, नाम जोड़ना, हटाना और सुधारना, डिजिटल वोटर कार्ड आदि के अलावा यहां उम्मीदवार की आपराधिक पृष्ठभूमि, शिक्षा, संपत्ति, देनदारी, सोशल मीडिया, पोलिंग स्टेशन और पोलिंग ट्रेंड यानी रियल-टाइम में कितना वोट पड़ा, जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। इतना ही नहीं आधिकारिक कामों के लिए ईआरओ नेट, बीएलओ ऐप, ऑब्जर्वर, डीईओ, सीईओ सभी एक ही प्लेटफॉर्म पर ऑनबोर्डेड हैं। यानी ₹ छोटी सी दुनिया में सब जुड़े हुए हैं। ईसीआईनेट ऐप को गूगल प्ले स्टोर या एप्पल ऐप स्टोर पर जाकर डाउनलोड किया जा सकता है।

सितारा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
(पूर्व में सेवा गृह ऋण लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)
पंजीकृत कार्यालय: प्रथम तल, 216/सी-12, पुराना नंबर सी-12, प्लॉट नंबर 13-बी, गुरु नानक पुरा, लक्ष्मी नगर, दिल्ली – 110092, दिल्ली – भारत

Sitaara

नियम -8(1) कब्जे की सूचना (अचल संपत्ति हेतु)

जबकि, नीचे हस्ताक्षरकर्ता, वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अन्तर्गत **सितारा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड** के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते तथा धारा 13(2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऋणग्रहीता/सह-ऋणग्रहीता/गारंटर को नोटिस में उल्लिखित राशि तथा उक्त नोटिस की प्राप्ति की तिथि से **60 दिनों** के अन्दर अतिरिक्त ब्याज चुकाने के लिए मांग नोटिस जारी करते हैं। ऋणग्रहीता/सह-ऋणग्रहीता/गारंटर द्वारा राशि चुकाने में विफल रहने के कारण, ऋणग्रहीता/सह-ऋणग्रहीता/गारंटर और आम जनता को यह सूचना दी जाती है कि नीचे हस्ताक्षरकर्ता ने उक्त नियमों के नियम 8(1) के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत उसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे वर्णित संपत्ति पर कब्जा कर लिया है। विशेष रूप से ऋणग्रहीता और आम जनता को इस संपत्ति से कोई लेन-देन न करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्ति के साथ कोई भी लेन-देन नीचे उल्लिखित बकाया राशि और ब्याज और आकस्मिक व्यय, लागतों के लिए **सितारा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड** के प्रभार के अधीन होगा। ऋणग्रहीता का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

क्र. सं.	ऋण खाता संख्या एवं उधारकर्ता / सह-उधारकर्ता / गारंटर का नाम	दिनांक अनुसार बकाया राशि	दिनांक: मांग नोटिस की / सांकेतिक कब्ज़ा
1.	ऋण खाता संख्या : HLP100001207 1. श्रीमती मानती देवी पति श्री मुकेश कुमार (ऋणग्रहीता) 2. श्री मुकेश कुमार पिता श्री मनोज राम (सह-ऋणग्रहीता) 3. श्री राजेश कुमार पिता श्री रामशीश राम (ग्यारेंटर)	रु. 3,85,916.56/- दिनांक 23.05.2026 तक	25.05.2026 14.08.2026 (सांकेतिक)

बंधक संपत्ति का विवरण:- खाता नं. 1047, खसरा नं. 2955 (भाग), मौजा व ग्राम फतेहपुर, थाना दीदारगंज, थाना नं. 25, **पटना सिटी, बनकीपुर, पटना सदर, पटना, बिहार - 803201, संपत्ति का क्षेत्रफल 816.675 वर्गफीट, चतुर्थ सीमाएं : पूर्व** - रिंकू सिंह, **पश्चिम** - निज लेखयकारीगण के प्लॉट का भाग, **उत्तर** - संजीत राम, **दक्षिण** - निज लेखयकारीगण के प्लॉट का भाग।

स्थान : बिहार
दिनांक : 18.08.2026

प्राधिकृत अधिकारी, सितारा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
(पूर्व में सेवा गृह ऋण लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)

संक्षिप्त खबरें

50 मुखिया चार दिवसीय अध्ययन भ्रमण पर वाराणसी रवाना

मधुबनी। जिले की चयनित 50 ग्राम पंचायतों के मुखिया चार दिवसीय राज्य से बाहर अध्ययन भ्रमण के लिए सोमवार को वाराणसी रवाना हुए। बिहार राज्य पंचायत संसाधन संस्था के तत्वावधान में आयोजित यह अध्ययन भ्रमण 17 से 20 अगस्त तक चलेगा। अध्ययन भ्रमण के दौरान मुखिया उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले की उत्कृष्ट ग्राम पंचायतों में संचालित विकास कार्यों, नवाचारों एवं सफल योजनाओं का प्रत्यक्ष अध्ययन करेंगे। इस क्रम में मधुबनी से नामित मुखिया को एसी वोल्वो बस से वाराणसी के लिए रवाना किया गया। जिला पंचायत संसाधन केंद्र के जिला नोडल पदाधिकारी विकास कुमार मिश्रा ने हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया। अध्ययन भ्रमण का उद्देश्य मुखिया को पंचायत स्तर पर लागू सुशासन की व्यवस्था, प्रभावी पंचायत विकास, जनभागीदारी, स्वच्छता, सतत विकास, डिजिटल सेवाओं तथा विभिन्न नवाचारात्मक गतिविधियों की व्यवहारिक जानकारी उपलब्ध कराना है। भ्रमण के दौरान प्राप्त अनुभवों और सफल कार्यप्रणालियों को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप अपनी-अपनी पंचायतों में लागू करने के लिए मुखिया को प्रेरित किया जाएगा। जिला नोडल पदाधिकारी विकास कुमार मिश्रा एवं उपस्थित अधिकारियों ने अध्ययन भ्रमण में शामिल सभी मुखिया को सफल एवं ज्ञानवर्धक यात्रा की शुभकामनाएं दीं। मौके पर नोडल पदाधिकारी-आरटीपीएस रजनीश कुमार सहित जिला पंचायत संसाधन केंद्र के पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।

झंझारपुर में कमला नदी किनारे मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, हाथ बंधे होने से हत्या की आशंका

मधुबनी। झंझारपुर थाना क्षेत्र में कमला नदी के किनारे सोमवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों की नजर शव पर पड़ने के बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही झंझारपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकलवाकर अपने कब्जे में लिया। पुलिस के प्रारंभिक निरीक्षण में मृतक के दोनों हाथ बंधे हुए पाए जाने की बात सामने आई है। साथ ही, शव की स्थिति को देखते हुए कमर और गर्दन के आसपास पत्थर बंधे होने की आशंका जताई जा रही है। इन परिस्थितियों के कारण प्रथम दृष्टया हत्या की आशंका से इनकार नहीं किया जा रहा है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारण और घटना की पूरी स्थिति का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस ने शव की पहचान कराने के लिए आसपास के गांवों और बाजारों में पूछताछ शुरू कर दी है।घटना से जुड़े संभावित साक्ष्यों को जुटाने के लिए पुलिस द्वारा घटनास्थल की जांच की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार फिलहाल मृतक की पहचान नही हो सकी है। शव मिलने की सूचना के बाद घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई।

जयनगर में बाबू वीर कुंवर सिंह की स्मृति में बन रहा भव्य स्मारक निर्माण कार्य अंतिम चरण में

जयनगर। जयनगर बस्ती राजपूताना स्थित बाबा पोखर के निकट 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह की स्मृति में भव्य प्रतिमा एवं स्मारक का निर्माण कराया जा रहा है। लाखों रुपये की लागत से बन रहे इस स्मारक का निर्माण कार्य अब अंतिम चरण में पहुंच गया है। पंचायत की मुखिया ममता सिंह, पति अनिल सिंह के द्वारा कराए जा रहे इस निर्माण का उद्घाटन शीघ्र ही बाबू वीर कुंवर सिंह के परिजनों द्वारा किए जाने की बात कही गई है।बाबू वीर कुंवर सिंह 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख योद्धाओं में से एक थे। वर्ष 1777 में भोजपुर जिले के जगदीशपुर में जन्मे वीर कुंवर सिंह ने लगभग 80 वर्ष की आयु में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ अदम्य साहस और वीरता का परिचय दिया। उन्होंने अपनी युद्धकुशलता और नेतृत्व क्षमता के बल पर अंग्रेजी सेना को कई मोर्चों पर कड़ी चुनौती दी तथा बिहार में स्वतंत्रता संग्राम को मजबूत आधार प्रदान किया।अंग्रेजों के साथ संघर्ष के दौरान घायल होने के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और अंतिम समय तक स्वतंत्रता की लड़ाई जारी रखी। 23 अप्रैल 1858 को जगदीशपुर में अंग्रेजी सेना पर विजय प्राप्त करने के बाद उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में वीरता का एक अमिट अध्याय लिखा। इसके तीन दिन बाद 26 अप्रैल 1858 को उनका निधन हो गया।जयनगर में बन रहा यह स्मारक न केवल बाबू वीर कुंवर सिंह की वीरता और बलिदान का प्रतीक बनेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति, साहस और स्वाभिमान की प्रेरणा भी देगा। स्थानीय लोगों में भी स्मारक निर्माण को लेकर उत्साह देखा जा रहा है।

सहयोग शिविर में डीएम ने लिया सेवाओं व शिकायतों के निष्पादन का जायजा

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। जिला पदाधिकारी कौशल कुमार ने मंगलवार को दरभंगा नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या-43 स्थित प्लस टू एम.एल. एकेडमी, लहेरियासराय में आयोजित सहयोग शिविर का निरीक्षण किया। इस दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक जगुनाथ रड्डी जला रड्डी, नगर आयुक्त राकेश कुमार गुप्ता सहित संबंधित पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान डीएम ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए काउंटरों का जायजा लिया और आमजनों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं तथा शिकायतों के निष्पादन की प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिविर में प्राप्त प्रत्येक आवेदन एवं शिकायत को निर्धारित प्रक्रिया के तहत दर्ज कर उसका त्वरित एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। डीएम ने स्वास्थ्य विभाग के काउंटर का निरीक्षण कर प्रतिनियुक्त चिकित्सक से उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने शिविर में उपस्थित मरीजों एवं आम नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याओं तथा उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने राजस्व, सामाजिक सुरक्षा सहित अन्य विभागों के काउंटरों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि शिविर में आने वाले नागरिकों को आवश्यक जानकारी सहज और स्पष्ट रूप से उपलब्ध कराई जाए तथा सभी मामलों में निर्धारित प्रक्रिया का शत-प्रतिशत अनुपालन हो। उन्होंने वार्ड पार्षद से वार्ड की स्थिति और स्थानीय समस्याओं की भी जानकारी ली। जिला पदाधिकारी ने सहयोग शिविर का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने का निर्देश दिया, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इसका लाभ उठा सकें। एसएसपी ने भी शिविर में आने वाले लोगों की सुविधा, सुव्यवस्थित आवागमन और आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर दिशा-निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने बताया कि शिविर में प्राप्त शिकायतों एवं आवेदनों को संबंधित ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज कर उनके निराकरण के लिए अग्रेतर कार्रवाई की जाती है। इससे शिकायतों की ऑनलाइन निगरानी एवं निष्पादन की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और प्रभावी बन रही है। डीएम ने कहा कि सहयोग शिविर का उद्देश्य आम नागरिकों को स्थानीय स्तर पर विभिन्न विभागों की सेवाएं एवं समस्याओं के समाधान की सुविधा उपलब्ध कराना है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए उनका नियमानुसार एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार प्रसार के लिए जागरूकता रथ रवाना

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार अजय कुमार शर्मा ने मंगलवार को न्यायालय परिसर से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर सभी न्यायिक पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने आमजनों से राष्ट्रीय लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनता को बेहतरी के उद्देश्य से किया जाता है। छोटे-छोटे विवादों को आपसी सुलह एवं समझौते के माध्यम से समाप्त करना समझदारी का कार्य है। लोक अदालत के माध्यम से विवादों का त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान संभव है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव आरती कुमारी ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से लोगों के समय और धन की बचत होती है। साथ ही विवादों के आपसी समाधान से सामाजिक एकता और भाईचारा मजबूत होता है। उन्होंने आम लोगों से इस मंच का अधिक से अधिक उपयोग करने की अपील की। इसके बाद प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अध्यक्षता में विचाराधीन बंदियों के जमानत एवं रिहाई तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यों की समीक्षा को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों एवं संबंधित पक्षों के साथ आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में जिला पदाधिकारी सह उपाध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार कौशल कुमार, वरीय पुलिस अधीक्षक सह सदस्य जिला विधिक सेवा प्राधिकार जगुनाथ रेड्डी जला रेड्डी, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष चंद्रधर मल्लिक, सचिव कृष्ण कुमार मिश्र, लोक अभियोजक अमरेंद्र नारायण झा, सरकारी अधिवक्ता मिहिर कुमार झा, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अरुण कुमार, मंडल कारा अधीक्षक स्नेहलता, बेनीपुर उपकारा अधीक्षक वीरेंद्र कुमार राय, मनमोहन कृष्ण सारवगी एवं अधिवक्ता सुशील कुमार पासवान उपस्थित थे।

196 कार्टन विदेशी शराब बरामद, चार वाहन जब्त

मधुबनी। जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, बिक्री एवं परिवहन के खिलाफ मद्यनिषेध विभाग की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में मंगलवार को विभाग की विशेष टीम ने जिले के विभिन्न स्थानों में सघन छापेमारी एवं जांच अभियान चलाकर करीब 1,720 लीटर विदेशी शराब बरामद की। कार्रवाई के दौरान 196 कार्टन विदेशी शराब के साथ एक छह चक्का कंटेनर, दो चार चक्का वाहन और एक बुलेट मोटरसाइकिल जब्त की गई। अधीक्षक मद्यनिषेध मधुबनी विजय कांत ठाकुर के पर्यवेक्षण में गठित विशेष टीमों ने 18 अगस्त को दोपहर 12:30 बजे से शाम 5 बजे तक गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की। पहली कार्रवाई छपराढ़ी थाना क्षेत्र के खजौली में की गई। यहां एक स्कॉर्पियो एवं बुलेट मोटरसाइकिल की तलाशी के दौरान 38 कार्टन विदेशी शराब बरामद हुई। टीम ने दोनों वाहनों को शराब सहित जब्त कर अवसर कानूनी कार्रवाई शुरू की। वहीं दूसरी बड़ी कार्रवाई मकरमपुर गाछी, सकरी थाना क्षेत्र में की गई। यहां सघन जांच के दौरान एक छह चक्का कंटेनर एवं एक चार चक्का वाहन से 157 कार्टन विदेशी शराब बरामद की गई। दोनों कार्रवाई में कुल 196 कार्टन विदेशी शराब जब्त की गई। मामले में संबंधित वाहन मालिकों एवं अन्य संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध फरार अभियोग दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। विभाग द्वारा शराब के स्रोत, आपूर्ति श्रृंखला तथा अवैध कारोबार में शामिल अन्य लोगों की पहचान के लिए जांच तेज कर दी गई है।अधीक्षक मद्यनिषेध ने कहा कि जिले में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत अभियान जारी रहेगा। शराब के निर्माण, भंडारण, बिक्री अथवा परिवहन में संलिप्त किसी भी व्यक्ति के खिलाफ मद्यनिषेध कानून के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम लोगों से भी अवैध शराब से संबंधित सूचना प्रशासन एवं मद्यनिषेध विभाग को देने की अपील की।

भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी की बड़ी कार्रवाई 14 .040 लीटर नेपाली शराब जब्त

● देवधा क्षेत्र में तस्करी का प्रयास विफल, दो मोटरसाइकिल बरामद एक व्यक्ति गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर भारत-नेपाल सीमा पर अवैध शराब की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत 48वीं वाहिनी एसएसबी, जयनगर की ह्यजीह्न समवाय देवधा के जवानों ने कार्रवाई करते हुए 14.040 लीटर नेपाली शराब के साथ दो मोटरसाइकिल बरामद की हैं। कार्रवाई के दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, जबकि दूसरा व्यक्ति मोटरसाइकिल छोड़कर नेपाल की ओर भागने में सफल रहा।एसएसबी को प्राप्त आसूचना के आधार पर 18 अगस्त को विशेष गश्ती दल सीमा स्तंभ संख्या 274/43 से करीब 400 मीटर भारतीय क्षेत्र में निगरानी एवं गश्त कर रहा था। इसी दौरान करीब 11:25 बजे नेपाल की ओर से दो मोटरसाइकिलों पर सवार व्यक्ति भारतीय क्षेत्र में आते दिखाई दिए। जवानो ने दोनो को रुकने का संकेत दिया, लेकिन दोनों मोटरसाइकिल सवार वाहन गिराकर विपरीत दिशा में भागने लगे।गश्ती दल ने तत्परता दिखाते हुए पीछा कर एक व्यक्ति को पकड़ लिया, जबकि दूसरा व्यक्ति अपनी मोटरसाइकिल छोड़कर नेपाल की ओर भाग गया। तलाशी के दौरान पकड़े गए व्यक्ति की मोटरसाइकिल से मैकडॉवेल्स नंबर-1 की 10 बोतल (375 एमएल) तथा एसी ब्लैक की 10 बोतल (180 एमएल), कुल 5.550 लीटर नेपाली शराब बरामद हुई।वहीं, मौके पर छोड़ी गई दूसरी मोटरसाइकिल की तलाशी लेने पर मैकडॉवेल्स नंबर-1 की 9 बोतल (375 एमएल) तथा एसी ब्लैक की 23 बोतल, जिसमें 18 बोतल 180 एमएल और 5 बोतल 375 एमएल की थीं, बरामद की गईं। दोनों मोटरसाइकिलों से कुल 149 बोतल नेपाली शराब, जिसकी कुल मात्रा 14.040 लीटर है, जब्त की गई।पकड़े गए व्यक्ति की पहचान ग्राम शिव टोला पंचरत्न, डाकघर घोरबंकी, थाना बासोपट्टी, जिला मधुबनी निवासी के रूप में हुई है। बरामद शराब, दोनों मोटरसाइकिलों एवं पकड़े गए व्यक्ति को अग्रिम कानूनी कार्रवाई के लिए देवधा थाना पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया।तस्करी पर प्रभावी अंकुश प्राथमिकता : कमांडेंट48वीं वाहिनी एसएसबी, जयनगर के कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने कार्रवाई में शामिल जवानों की सतर्कता एवं तत्परता की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत-नेपाल सीमा पर अवैध तस्करी एवं अन्य गैर-कानूनी गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाना एसएसबी की प्राथमिकता है। उन्होने सीमा पर तैनात जवानों को सतर्कता, अनुशासन एवं बेहतर समन्वय के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का निर्देश दिया।कमांडेंट ने सीमावर्ती क्षेत्र के लोगो से अपील की कि अवैध शराब एवं अन्य तस्करी से संबंधित गतिविधियों की सूचना तत्काल सुरक्षा बल या संबंधित प्रशासन को दें, ताकि सीमा क्षेत्र को सुरक्षित बनाए रखने में आम लोगों की सहभागिता सुनिश्चित हो सके।

आपदा पीड़ित परिवार को बेनीपुर विधायक ने सौंपा चार लाख का चेक

प्रात: किरण संवाददाता

बेनीपुर(दरभंगा)। बाथो रढ़ियाम पंचायत के लक्ष्मीपुर गांव में मंगलवार को विधायक प्रो. विनय कुमार चौधरी ने आपदा पीड़ित परिवार की विधवा रीता देवी को चार लाख रुपये की राहत राशि का चेक सौंपा। मृतक राम सुदीन तांती की मृत्यु के बाद यह राशि आपदा राहत मद से दी गई है। विधायक ने पीड़ित परिवार को सांत्वना देते हुए कहा कि आपदा को रोकना संभव नहीं है, लेकिन सावधानी बरतकर दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है। उन्होंने कहा कि जेसीबी से बेतरतीब तरीके से खोदे गए गड्ढों में बारिश का पानी भरने के बाद उनकी गहराई का सही अंदाजा नहीं लग पाता है। इससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।उन्होंने रीता देवी से राहत राशि का उपयोग बच्चों की पढ़ाई तथा परिवार की आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में करने की अपील की। विधायक ने कहा कि आपदा पीड़ितों को राहत पहुंचाने के लिए सरकार तत्पर है और सरकारी खजाने पर आपदा पीड़ितों का पहला अधिकार है। इस मौके पर प्रखंड प्रमुख चौधरी मुकुंद राय, अंचलाधिकारी राजीव कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित थे।

नाबालिग बालिका को नेपाल ले जाने का प्रयास एसएसबी ने रोका

जटही चेक पोस्ट पर सतर्कता से 17 वर्षीय बालिका सुरक्षित बरामद, युवक हिरासत में

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। भारत-नेपाल सीमा पर मानव तस्करी एवं नाबालिगो के अवैध आवागमन की रोकथाम को लेकर सतर्क 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर की ह्यसीह्न समवाय पिपरौन के जटही चेक पोस्ट पर तैनात जवानों ने एक नाबालिग बालिका को नेपाल ले जाने के प्रयास को समय रहते रोक दिया। मामले में एक युवक को हिरासत में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की गई है। जानकारी के अनुसार, 18 अगस्त को करीब 12:55 बजे भारत से नेपाल जाने के लिए एक युवक और युवती जटही चेक पोस्ट पहुंचे। नियमित जांच के दौरान दोनों से पहचान संबंधी दस्तावेज मांगे गए। दस्तावेजो की जांच में युवती की उम्र 17 वर्ष पाए जाने के बाद एसएसबी जवानों ने दोनों से नेपाल जाने के संबंध में पूछताछ की।प्रारंभिक पूछताछ में दोनों ने स्वयं को भाई-बहन बताते हुए नेपाल घूमने जाने की बात कही। हालांकि, उनके बयानो में असंगतता मिलने पर जवानो ने संवेदनशीलता के साथ गहन पूछताछ की। पूछताछ के दौरान युवक ने दोनो के बीच प्रेम संबंध होने तथा परिवार को बिना बताए नाबालिग बालिका को नेपाल ले जाने की बात बताई।मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसबी ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचना दी और युवक एवं नाबालिग बालिका को आवश्यक कार्रवाई के लिए समवाय मुख्यालय पिपरौन लाया गया। इसके बाद बालिका के परिजनो से संपर्क किया गया। परिजनो ने बताया कि बालिका घर से स्कूल जाने की बात कहकर निकली थी।अग्रिम कार्रवाई के लिए सर्व प्रयास संस्थान, मधुबनी को सूचना दी गई। संस्था के प्रतिनिधि को समवाय मुख्यालय बुलाकर नाबालिग की सुरक्षा एवं संरक्षण की प्रक्रिया शुरू की गई। हरलाखी थाना पुलिस के समन्वय से आवश्यक वैधानिक कार्रवाई भी प्रारंभ कर दी गई है।एसएसबी के अनुसार, प्रारंभिक परिस्थितियों को देखते हुए मानव तस्करी अथवा नाबालिग को अवैध रूप से सीमा पार ले जाने की आशंका को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक सावधानियां बरती गईं। बालिका को सुरक्षित रखा गया तथा संबंधित एनजीओ एवं पुलिस की मौजूदगी में उसे परिजनों को सुपुर्द करने की कार्रवाई की जा रही है। कमांडेंट ने जवानो की सतर्कता की सराहना की48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर के कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि भारत-नेपाल सीमा पर मानव तस्करी एवं नाबालिगों के अवैध आवागमन की रोकथाम एसएसबी की प्रमुखप्राथमिकताओं में शामिल है। सीमा पर तैनात जवानों को संदिग्ध गतिविधियो पर विशेष नजर रखने तथा महिलाओं एवं नाबालिगों से जुड़े मामलो में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए है।उन्होने सीमावर्ती क्षेत्र के लोगो से अपील की कि किसी नाबालिग अथवा महिला को संदिग्ध परिस्थितियो में सीमा पार ले जाने का प्रयास दिखाई देने पर तत्काल सुरक्षा बल अथवा स्थानीय प्रशासन को सूचना दे। सामुदायिक सहयोग से मानव तस्करी जैसी गंभीर सामाजिक बुराई पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।

हर राजस्व गांव में 300 की आबादी पर लेटर बॉक्स लगाने का सांसद ने दिया निर्देश

दरभंगा। दरभंगा के सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डॉ. गोपाल जी ठाकुर ने मंगलवार को बलभद्रपुर, लहेरियासराय स्थित अपने संसदीय कार्यालय में डाक विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में जिले में डाक सेवाओं के विस्तार, उप डाकघरों की व्यवस्था, डिजिटल बैंकिंग तथा भारत सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचाने सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।सांसद ने डाक विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि दरभंगा जिले के प्रत्येक राजस्व गांव में 300 की आबादी पर लेटर बॉक्स लगाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि डाकघर अब केवल चिट्ठियों के आदान-प्रदान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि डिजिटल बैंकिंग, सामाजिक सुरक्षा, बीमा और विभिन्न सरकारी सेवाओं के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित हो रहे हैं। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों में डाक सेवाओं की पहुंच और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है। बैठक से पूर्व डाक अधीक्षक सहित अन्य अधिकारियों ने सांसद डॉ. ठाकुर को पाग, अंगवस्त्र एवं बुके देकर सम्मानित किया। बैठक के बाद सांसद ने बताया कि कीरतपुर प्रखंड के जक्सो जमालपुर उप डाकघर के संचालन की सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। इसका शीघ्र शुभारंभ किया जाएगा। वहीं बैरमपुर में नए उप डाकघर को भी जल्द मंजूरी मिलने की उम्मीद है। सांसद ने बड़े डाकघरों में पैसों के लेन-देन को सुविधाजनक बनाने के लिए एटीएम की व्यवस्था तथा डाकघरों के माध्यम से रेलवे टिकट की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में पहल करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इससे वित्तीय एवं बैंकिंग सेवाओं को प्रभावी बनाने के साथ रेलवे स्टेशनों पर टिकट के लिए होने वाली भीड़ को भी कम किया जा सकेगा।उन्होंने प्रत्येक डाकघर में गंगाजल, पोस्टकार्ड, अंतदेर्शीय पत्र सहित आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि डाकघर सरकार और आम जनता के बीच मजबूत सेतु का कार्य करते हैं। डॉ. ठाकुर ने बचत एवं निवेश योजनाओं, सुकन्या समृद्धि योजना, पब्लिक प्रोविडेंट फंड, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना, नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट, महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र तथा आधार सक्षम भुगतान प्रणाली जैसी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से इन योजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने को कहा, ताकि अधिक से अधिक लोग इनका लाभ उठा सकें।उन्होंने डाक, लॉजिस्टिक्स एवं पार्सल सेवाओं को भी और प्रभावी बनाने का निर्देश दिया। रियल-टाइम ऑनलाइन ट्रैकिंग, एसएमएस अलर्ट, दस्तावेजों की त्वरित डिलीवरी, इलेक्ट्रॉनिक मनी ऑर्डर, डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा जैसी सेवाओं में तत्परता बनाए रखने पर जोर दिया।

गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती पर निकली जागरूकता कलश यात्रा, डीएम ने दिखाई हरी झंडी

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समरसता संकल्प अभियान के तहत मंगलवार को मधुबनी समाहरणालय परिसर से जागरूकता कलश यात्रा निकाली गई। जिला पदाधिकारी आनंद शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रथ सह कलश यात्रा को रवाना किया।राज्य सरकार के निर्देश के आलोक में आयोजित यह अभियान 18 अगस्त 2026 से 15 फरवरी 2027 तक चलेगा। अभियान का उद्देश्य अनुसूचित जाति टोलों सहित समाज के सभी वर्गों के बीच सामाजिक समरसता, समानता, भाईचारा, आपसी सम्मान और सामाजिक एकजुटता का संदेश पहुंचाना है।कलश यात्रा के प्रथम चरण में समाहरणालय परिसर से शुरू हुई यात्रा स्टेशन चौक एवं बाटा होते हुए पुनः समाहरणालय परिसर पहुंची। यात्रा में जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, विकास मित्र, अनुसूचित जाति आवासीय विद्यालय मधुबनी के छात्र-छात्राएं सहित बड़ी संख्या में संबंधित कर्मी एवं आम नागरिक शामिल हुए। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी आनंद शर्मा ने कहा कि संत गुरु रविदास जी का जीवन और उनके विचार समानता, भाईचारे एवं सामाजिक सद्भाव की प्रेरणा देते हैं। समरसता संकल्प अभियान के माध्यम से समाज के सभी वर्गों के बीच आपसी सम्मान, सहयोग और सौहार्द की भावना को और मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता और समानता का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। अभियान के माध्यम से संत रविदास जी के विचारो एवं उनके सामाजिक संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। जिले के विभिन्न प्रखंडों में भी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कलश यात्रा निकाली जाएगी। 19 अगस्त को रहिका, बिस्फी, बेनीपट्टी, मधवापुर, हरलाखी, बासोपट्टी, जयनगर, लदनियां, खजौली, कलुआही एवं राजनगर, जबकि 20 अगस्त को बाबूबरही, झंझारपुर, अंधराठाढ़ी, फुलपरास, घोघरडीहा, मधेपुर, लखनौर सहित अन्य निर्धारित प्रखंडों में कार्यक्रम आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।जिला प्रशासन ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्धारित कार्यक्रम, मार्ग एवं समय के अनुसार कलश यात्रा तथा अभियान से जुड़ी गतिविधियों का सफल संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। मौके पर जिला प्रशासन के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक मौजूद रहे।

सहयोग शिविर में चटाई पर बैठकर जिलाधिकारी ने सुनी ग्रामीणो की समस्याएं

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। आमजनो की समस्याओ का स्थानीय स्तर पर त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से झंझारपुर प्रखंड की महिनाथपुर पंचायत में मंगलवार को सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने पारंपरिक दीप प्रज्वलन के बजाय गमले में लगे पौधे में पानी देकर किया। पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी का संदेश देने वाली इस पहल ने प्रशासन की संवेदनशील कार्यशैली को भी रेखांकित किया।जिलाधिकारी आनंद शर्मा सहित संबंधित पदाधिकारियों ने ग्रामीणों के साथ चटाई पर बैठकर सीधे संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान मुख्य रूप से नल-जल योजना एवं सोलर स्ट्रीट लाइट से जुड़ी समस्याएं सामने आईं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निष्पादन करने का निर्देश दिया। पीएचईडी के कनीय अभियंता को प्रत्येक वार्ड में नल-जल योजना से संबंधित समस्याओं का स्थल निरीक्षण कर समाधान की समय-सीमा निर्धारित करने तथा इसकी जानकारी ग्रामीणो को देने को कहा गया। 31 आवेदन प्राप्त, 22 का हो चुका निष्पादनसहयोग शिविर में प्राप्त आवेदनो के निष्पादन में प्रशासन की सक्रियता दिखाई दी। 17 अगस्त तक कुल 25 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 22 का निष्पादन किया जा चुका था। वही 18 अगस्त को शिविर में छह नए आवेदन प्राप्त हुए। इस प्रकार अब तक कुल 31 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें 22 का निष्पादन किया जा चुका है। शेष आवेदनों के त्वरित निष्पादन के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए है।जिलाधिकारी ने पंचायत स्तर पर कार्यरत विभिन्न विभागों के कर्मियों को अपनी-अपनी योजनाओं, पात्रता एवं लाभ की जानकारी आमजनो तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने तथा अपना मोबाइल नंबर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि ग्रामीण आवश्यकता पड़ने पर संबंधित कर्मियो से सीधे संपर्क कर सके। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का जिलाधिकारी ने निरीक्षण किया। स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल पर टीबी मरीजों के बीच हेल्थ किट का वितरण किया गया। वहीं आईसीडीएस के स्टॉल पर अन्नप्राशन एवं गोद भराई कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने सहभागिता की।

दो दुष्कर्म आरोपी भेजे गए जेल ,फरार तीसरे की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की लगातार छापेमारी

कुशेश्वरस्थान(दरभंगा)।थाना क्षेत्र के एक गांव में 21 वर्षीय मूक-बधिर विवाहित युवती से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है . गिरफ्तार दो आरोपियों को मंगलवार को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया ।थानाध्यक्ष गौरव प्रसाद ने बताया कि पकड़े गए आरोपी जगदीश पोद्दार और रामप्रीत यादव को जेल भेजा गया है . मामले में नामजद तीसरे आरोपी देव नारायण यादव की गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है .क्या है मामला पीड़िता के अनुसार 16 अगस्त की सुबह वह घर के पीछे शौचालय की ओर जा रही थी . इसी दौरान गांव के तीन लोगों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए . घटना के बाद पीड़िता की शिकायत पर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने 24 घंटे के भीतर दो नामजद आरोपियों को दबोच लिया . पूछताछ के बाद उन्हें मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेजा गया . थानाध्यक्ष ने कहा कि मामले की जांच सभी बिंदुओं पर की जा रही है .पीड़िता के बयान और अन्य साक्ष्यों को संकलित किया जा रहा है . फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर छापेमारी जारी है।

सहयोग शिविरों के सभी आवेदन प्रक्रियाधीन

मनीगाछी(दरभंगा)।प्रखंड क्षेत्र की बाजितपुर एवं बघांत पंचायत में मंगलवार को आयोजित सहयोग शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों को प्रक्रियाधीन में रखा गया है जिसे एक माह के भीतर निष्पादित किया जाएगा।आम लोगों को सहजता और बिना आर्थिक व्यय के समस्याओं के निदान के लिए मंगलवार को बाजितपुर पंचायत सरकार भवन पर आयोजित शिविर में कुल नौ आवेदन प्राप्त हुए जबकि बघांत पंचायत में दश लोगों ने अपनी समस्याओं के समाधान के आवेदन दिए। शिविर में विधायक राजेश कुमार मंडल उर्फ ईश्वर मंडल,बी डी ओ संदीप कुमार पाण्डेय,सी ओ सुश्री भाग्यश्री राज सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे। शिविर में उपस्थित लोगों को बी डी ओ ने सहयोग शिविर के महत्वाकांक्षी उद्देश्यों की चर्चा करते हुए आम लोगों से शिविर के माध्यम से अपनी समस्याओं के स्थानीय स्तर पर निदान कराने की सलाह दी। विधायक ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि इस शिविर के माध्यम से लोगों की मौलिक समस्याओं का निदान आसानी से हो रहा है। उन्होंने इसका लाभ उठाने की सलाह लोगों को दी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों सम्मानित हुए सृष्टि दरभंगा के कलाकार

दरभंगा। मिथिला की हृदयस्थली सीतामढ़ी से माता जानकी अयोध्या आईं हैं और बिहार का खाना तो अद्भुत है। आप सभी लोग दरभंगा से लखनऊ आये, मुझे इस बात की बहुत खुशी हुई, साथ ही आप सभी ने छठ की अद्भुत प्रस्तुति भी दी। उक्त बातें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में सृष्टि कलाकार सुबोध दास को कही। मौका था 80 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लखनऊ में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति के दौरान की। इस क्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्य नाथ योगी ने सीधे मंच से ही सृष्टि के कलाकारों के साथ वातार्लाप की। बताते चलें कि कला संस्कृति एवं युवा विभाग बिहार सरकार द्वारा सृष्टि संस्थान को इस सांस्कृतिक महोत्सव में भाग लेने हेतु नामित किया गया था। सृष्टि संस्थान के संस्थापक गुरु जयप्रकाश पाठक के निर्देशन में और सुबोध दास के सानिध्य में बिहार के मनाये जाने वाला प्रसिद्ध और लोक आस्था का महा पर्व छठ की अद्भुत प्रस्तुति दी गई। इसमें तेजस्वी गर्ग, तेजस्वी प्रियम, कामना कुमारी, पलक राज, हर्षिता गर्ग, प्रगति प्रभा, निधि श्री, जेसिका गुप्ता, पार्वती कुमारी, गुलशन कुमार, सैम गुप्ता, कृष्ण कुमार सहित कुल 13 कलाकारों की टोली ने अपनी भागदारी दी और अपनी प्रस्तुति से उपस्थित उत्तर प्रदेश की धरती के लोगों का मन मोह लिया।

पर्यावरण नियमों के उल्लंघन पर जीरो टॉलरेन्स, आम जनता के जीवन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता: प्रमंडलीय आयुक्त

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। आयुक्त, तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर की अध्यक्षता मे मंगलवार को कांटी प्रखंड अंतर्गत सुधा डेयरी प्लांट से निकल रहे केमिकल-युक्त दूषित जल के रोकथाम हेतु उच्च-स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कांटी विधायक अजीत कुमार, जिलाधिकारी, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्त्ता, सुधा डेयरी-तिमूल, एनएचएआई, बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पीएचईडी, रेलवे एवं अन्य विभागों के पदाधिकारीगण उपस्थित थे। प्रमंडलीय आयुक्त ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पर्यावरण नियमों के उल्लंघन के विरूद्ध उनके द्वारा जीरो टॉलरेन्स की नीति का अक्षरशः अनुपालन किया जाता है। आम जनता के जीवन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनहित के मामलों में कोई भी शिथिलता, लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रमंडलीय आयुक्त ने अधिकारियों को निदेश दिया कि सभी हितधारकों से समन्वय स्थापित कर मामले का त्वरित गति से एवं विधिवत समाधान करें। प्रमंडलीय आयुक्त ने कहा कि सुधा डेयरी का अपशिष्ट पानी कई सालों से आस-पास के क्षेत्रों में बह रहा है। इससे लोगों को काफी समस्या होती है। कृषि के साथ-साथ रासायनिक पदार्थों यथा आर्सेनिक, क्लोराईड, फॉस्फेट इत्यादि से युक्त पानी के बहने से लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना रहती है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत खेदजनक स्थिति है। इस मामले का शीघ्र समाधान करने की आवश्यकता है। प्रमंडलीय आयुक्त ने कहा कि उनके द्वारा इस विषय पर शीघ्र कार्रवाई हेतु क्षेत्र का आज निरीक्षण भी किया गया है। उन्होंने बैठक के दरम्यान ही समस्या के समाधान के उद्देश्य से दो बहु-सदस्यीय कमिटी का निर्माण किया। एक समिति उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में तथा दूसरी समिति अपर समाहर्त्ता की अध्यक्षता में क्रियाशील रहेगी। दोनों समितियों में सुधा डेयरी, तिमूल, एनएचएआई, बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पीएचईडी, रेलवे एवं अन्य विभागों के पदाधिकारीगण भी शामिल किए गए हैं। प्रमंडलीय आयुक्त ने कहा कि उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में गठित समिति सुधा डेयरी से निकलने वाले पानी की गुणवत्ता एवं ट्रीटमेंट प्लांट की क्रियाशीलता का निरीक्षण करेगी। पीएचईडी के कार्यपालक अभियंता जल का सैंपल लेकर इसमें केमिकल की मात्रा की जाँच करेंगे। अपर समाहर्त्ता की अध्यक्षता में गठित समिति सुधा डेयरी के जल निकासी हेतु उपयुक्त भूमि की उपलब्धता का सर्वे एवं आवश्यक कार्रवाई करेगी। प्रमंडलीय आयुक्त ने निदेश दिया कि दोनों कमिटि द्वारा विधायक से नियमित तौर पर सम्पर्क स्थापित कर उनका सुझाव प्राप्त किया जायेगा। साथ ही सभी स्टेकहोल्डर्स से सार्थक संवाद एवं सुदृढ़ समन्वय स्थापित रखा जाएगा। प्रमंडलीय आयुक्त ने विश्वास दिलाया कि जिलावासियों को इस चिरकालीन समस्या का जल्द समाधान मिलेगा। इसके लिए अथक प्रयास किया जा रहा है। दोनों समिति के अध्यक्षों को निदेश दिया गया है कि एक सप्ताह के अन्दर तथ्यपरक एवं सारगर्भित प्रतिवेदन समर्पित करें। उन्होंने कहा कि इन प्रतिवेदनों का अध्ययन किया जाएगा। हमलोगों का उद्देश्य है कि सुधा डेयरी से निकलने वाले पानी की समस्या के समाधान हेतु आवश्यक संरचनाओं का निर्माण 15 सितम्बर,नवरात्र पूजा से प्रारंभ कर दिया जाए। उन्होंने सुधा डेयरी के प्रबंध निदेशक को निदेशित किया कि जल निकासी की व्यवस्था सुदृढ़ करें। प्लांट से निकलने वाला अपशिष्ट पानी अगल-बगल के इलाकों में जमा न हो। ट्रीटेड पानी के स्टोरेज हेतु विभाग के आदेश के अनुसार तालाब को विकसित करें। पर्यावरण सुरक्षा के मानकों का अक्षरशः अनुपालन करें। निकलने वाले पानी का नियमानुसार प्रसंस्करण अनिवार्य है।

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में कंप्यूटर में धमाका, टला बड़ा हादसा

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में मंगलवार की सुबह कंप्यूटर में अचानक धमाका होने के बाद आग लग गई। विश्वविद्यालय में अवकाश होने के कारण उस समय विभाग में कोई मौजूद नहीं था। इस वजह से शुरूआती दौर में घटना की जानकारी किसी को नहीं मिल सकी। देखते ही देखते कमरे में धुआं भर गया और आग की लपटें खिड़कियों से बाहर निकलने लगीं। इसी दौरान परिसर से गुजर रहे कुछ विश्वविद्यालय कर्मचारियों की नजर धुएं और लपटों पर पड़ी। उन्होंने तत्काल शोर मचाकर अन्य कर्मचारियों को घटना की जानकारी दी। विभाग में ताला लगा होने और चाबी उपलब्ध नहीं रहने के कारण शुरूआती दौर में कमरे तक पहुंचने में परेशानी हुई। संबंधित विभाग के कर्मचारियों को फोन कर सूचना दी गई। चाबी पहुंचने के बाद कमरा खोला गया तो कंप्यूटर के एक पार्ट में ब्लास्ट के बाद आग लगी होने की जानकारी मिली। कर्मचारियों ने तत्काल बालू और मिट्टी की मदद से आग पर काबू पा लिया। समय रहते आग बुझा दिए जाने से विभाग में रखे महत्वपूर्ण दस्तावेज और अन्य सामान सुरक्षित बच गए। अगर समय पर कर्मचारियों की नजर आग पर नहीं पड़ती तो यह बड़ा हादसा हो सकता था। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। कंप्यूटर में धमाका किस कारण हुआ, इसकी जानकारी जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

एड्स जागरूकता उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

मुजफ्फरपुर। जागृति जीविका शिक्षण प्रशिक्षण केंद्र पानापुर खुर्द में मंगलवार को स्वास्थ्य एवं पोषण प्रबंधक श्रीमती शोभा साव की अध्यक्षता में 16 प्रखंडों के एमएनएस नोडेल जीविका कर्मी तथा एचएनएस एमआरपी, को सीडीओ डॉक्टर सी के दास एवं डीआईएस जय प्रकाश सिंह द्वारा इंटेंसिफाइड कैंपेन अंतर्गत एड्स जागरुकता पर उन्मुखीकरण किया गया। साथ ही जीविका कर्मियों को पंचायत स्तर पर भी एड्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने हेतु प्रोत्साहित किया गया

उत्तर बिहार में 23 अगस्त तक मौसम रहेगा शुष्क, कुछ जिलों में भारी बारिश के आसार

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 19 से23 अगस्त तक के मध्यावधि मौसम पूवार्नुमान के अनुसार उत्तर बिहार में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि इस दौरान कुछ स्थानों पर एक-दो दिन गरज के साथ बिजली चमकने और तेज हवाएं चलने के साथ मध्यम वर्षा हो सकती है। सिवान, सारण, वैशाली, गोपालगंज तथा पूर्वी और पश्चिमी चंपारण में कहीं-कहीं मध्यम से भारी वर्षा होने का अनुमान है। पूवार्नुमान अवधि में अधिकतम तापमान 30 से 36 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। किसानों के लिए कृषि सलाह दी गई है कि मौसम को देखते हुए किसानों को धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए समय पर निराई-गुड़ाई करें। इसके बाद आवश्यकता के अनुसार नाइट्रोजन का उपरिवेशन करें। धान में तना छेदक एवं पत्ती लपेटक कीटों की नियमित निगरानी करने को कहा गया है। मक्के की फसल में तना छेदक कीट पर विशेष निगरानी रखने की सलाह दी गई है। इसके प्रकोप में पौधे की मध्य कलिका सूखकर मुरझा जाती है और आसानी से निकल आती है। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर अनुशंसित कीटनाशी का कृषि विशेषज्ञ की सलाह के अनुसार प्रयोग करने को कहा गया है। मिश्रीकंद की अगस्त में बोआई के लिए अच्छी जल निकास वाली ऊंची भूमि का चयन करने की सलाह दी गई है। राजेंद्र मिश्रीकंद-1 एवं राजेंद्र मिश्रीकंद-2 के लिए 30 से 40 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर तथा 30.15 सेंटीमीटर की दूरी रखने की अनुशंसा की गई है। वहीं, सितंबर की शरदकालीन शकरकंद फसल के लिए किसानों को खेत की तैयारी शुरू करने की सलाह दी गई है। अच्छी जल निकास वाली हल्की बलुई दोमट मिट्टी में दो-तीन जुताई कर खेत को समतल करें। शकरकंद की रोपाई अगस्त के अंतिम सप्ताह से शुरू की जा सकती है।

खेत मजदूर चंदेश्वर चौधरी की हत्या की निन्दा

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। ऑल इंडिया खेत मजदूर किसान सभा की बिहार प्रांतीय कमिटी 5 अगस्त को रोहतास जिला के दिनारा प्रखंड के जोगिया गांव में सामंती जमींदार अजीत तिवारी के घर पर भूमिहीन खेत मजदूर चंदेश्वर चौधरी की उनकी बकाया मजदूरी मांगने पर गोली मारकर की गई नृशंस हत्या की कड़े शब्दों में निंदा की है। यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है किअखिल भारतीय खेत मजदूर किसान सभा तिवारी परिवार और पुलिस द्वारा दर्ज की गई झूठी प्राथमिकी के आधार पर स्थानीय ग्रामीणों को निशाना बनाकर की जा रही पुलिसिया प्रताड़ना और छापों को तुरंत रोका जाए। हम इस जघन्य हत्याकांड और साक्ष्य छिपाने में शामिल अजीत तिवारी परिवार के बाकी सभी सदस्यों और सहयोगियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते हैं। शक्तिशाली जमींदार राज्य और जिला प्रशासन की मिलीभगत से लगभग 175 एकड़ हदबंदी से फाजिल जमीन पर अवैध कब्जा जमाए हुए हैं, जबकि स्थानीय अधिकारी गरीबों के अधिकारों की अनदेखी कर रहे हैं। भूमिहीन परिवारों को आधिकारिक तौर पर सरकारी पर्चे बांटे जाने के बावजूद अजीत तिवारी जैसे सामंती परिवारों ने दमनकारी बल और प्रशासनिक शह के दम पर असली पचार्धारियों को बेदखल कर दिया है। भूमि सुधार लागू करने और असहाय मजदूरों की रक्षा करने के बजाय राज्य मशीनरी ने जमींदारों को बचाने का काम किया है।

नौरंगा व सोहेपुर पंचायत में लगा सहयोग शिविर, ग्रामीणों की समस्याओं का हुआ ऑन द स्पॉट समाधान

गया जी मानपुर। प्रखंड अंतर्गत नौरंगा एवं सोहेपुर पंचायत भवन में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में दोनों पंचायतों के सैकड़ों ग्रामीणों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं पदाधिकारियों के समक्ष रखीं हैं। नौरंगा पंचायत में मुखिया जितेंद्र कुमार ने पंचायत क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से पदाधिकारियों को अवगत कराया। वहीं सोहेपुर पंचायत में मुखिया उर्मिला देवी ने पंचायत की समस्याओं को पदाधिकारियों के सामने रखा है। शिविर में ग्रामीणों ने विभिन्न मामलों से संबंधित आवेदन देकर समाधान की मांग की है। इस मौके पर मौजूद बीडीओ वेद प्रकाश एवं सीओ मोनू कुमार ने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं को ऑन द स्पॉट लिया गया है। कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन किया गया, जबकि शेष मामलों को संबंधित विभागों को भेजकर शीघ्र निष्पादन कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि सहयोग शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान कर उन्हें सरकारी योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ पहुंचाना है। नौरंग पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि जितेंद्र साह राजा बाबू,सतेंद्र कुमार चौधरी बबीता देवी, फुलवंती देवी, सब्जी विक्रेता संतोष कुमार, स्थानीय किसान हरनंदन महतो, रामलगन प्रसाद, इत्यादि ने सड़क को लेकर हो रही समस्याओं के बारे में बताया उन्होंने बताया विगत 5 वर्षों से नौरंगा सड़क का हाल बुरा है जिससे स्कूली बच्चे महिलाओं को बाजार जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है उन्होंने मुख्य रूप से सड़क अतिक्रमण मुक्त कर नव निर्माण करने की पर जोर दिया मुखिया प्रतिनिधि ने बताया कि 50 से 55 मामले इस शिविर में आ चुका है जिसका 90% ऑन द स्पॉट निपटारा कर दिया गया है।

विधानसभा परिसर में पौधारोपण कर लिया हरित बिहार का संकल्प

मानपुर। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इंडोलॉजिकल इंडिया के तत्वावधान में बिहार विधानसभा परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। भारतीय संस्कृति, परंपराओं एवं विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए कार्यरत संस्था की स्थापना सुरेंद्र कुमार पाठक ने की है। कार्यक्रम में बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने सहभागिता करते हुए पौधारोपण किया और हरित बिहार के निर्माण का संदेश दिया है। पौधारोपण कार्यक्रम स्वतंत्रता संग्राम के उन महान सेनानियों को समर्पित रहा, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान को नमन किया तथा पर्यावरण संरक्षण, प्रकृति संवर्धन और हरित एवं स्वस्थ बिहार के निर्माण का संकल्प लिया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को स्मरण करने के साथ समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और हरित बिहार के निर्माण में सामूहिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना रहा है। व्यवसाय समाजसेवी सह सामाजिक कार्यकर्ता तोषण मैतिन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान पीढ़ी के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए भी आवश्यक है। विधानसभा परिसर में ध्वजारोहण के बाद आयोजित पारंपरिक समारोह में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार, बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन सहित कई गणमान्य लोगों ने सहभागिता की है। विधानसभा परिवार एवं टीम के साथ आत्मीय वातावरण में समारोह संपन्न हुआ है। इस मौके पर गया के उद्योगपति तोषण मैतिन, भाजपा बिहार प्रदेश के वरिष्ठ नेता शशांक मिश्रा, इंडोलॉजिकल इंडिया के पर्यावरण प्रभारी प्रभाकर पाठक, सचिव अरुणाभ क्षितिज, सदस्य डॉ. नागेंद्र पाठक, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता दिवाकर पाठक, आकाश कुमार, जितेंद्र कुमार, अनमोल अग्रवाल सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने का संदेश दिया गया है।

मुजफ्फरपुर समेत तीन जिलों में 1262 किमी सड़कें होंगी दुरुस्त, 1500 करोड़ से अधिक होंगे खर्च

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में 700 किलोमीटर से अधिक सड़कों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। इसके अलावा सीतामढ़ी और शिवहर में भी करीब 545 किलोमीटर सड़कों की कायाकल्प होगी। तीनों जिलों में कुल 1262 किलोमीटर सड़कों के जीर्णोद्धार पर 1500 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जाएंगे। इसे लेकर पथ निर्माण विभाग के पटना स्थित मुख्यालय में तकनीकी बीड फाइनल करने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इन सड़कों का जीर्णोद्धार आउटपुट एंड परफॉर्मेंस बेस्ड रोड एसेट्स मेंटनेंस कांट्रैक्ट (ओपीआरएएमसी) के तहत कराया जाएगा। पथ निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता ई. अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि सात साल तक संबंधित संवेदक को इन सड़कों की मरम्मत और रखरखाव करना होगा। हालांकि, कुछ टेंडरों में परिवाद दायर होने के कारण वित्तीय बीड अभी नहीं खोली गई है। परिवाद का शीघ्र निष्पादन करने के बाद वित्तीय बीड खोली जाएगी। इसके फाइनल होने के बाद सड़कों की मरम्मत का काम शुरू कराया जाएगा। सबसे पहले सड़कों के गड्ढे भरे जाएंगे और इसके बाद पिचिंग का काम होगा। अगले सात वर्षों तक संबंधित संवेदक को सड़क के रखरखाव की जिम्मेदारी निभानी होगी। पथ प्रमंडल-एक के अंतर्गत मुजफ्फरपुर में 53 सड़कों की 577 किलोमीटर और पथ प्रमंडल-दो के अंतर्गत 12 सड़कों की 139 किलोमीटर लंबाई का जीर्णोद्धार किया जाएगा। वहीं सीतामढ़ी में 33 सड़कों की 488 किलोमीटर और शिवहर में सात सड़कों की 57.48 किलोमीटर लंबाई को योजना में शामिल किया गया है। योजना में मुजफ्फरपुर-महुआ स्टेट हाइवे भी शामिल है। यह मुजफ्फरपुर से हाजीपुर और पटना आने-जाने का प्रमुख मार्ग है। श्रावणी मेला के दौरान भी इस सड़क पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन होता है। वर्तमान में कई जगहों पर सड़क जर्जर हो चुकी है। इसके अलावा मुजफ्फरपुर-पूसा रोड, माड़ीपुर पावर हाउस चौक से गोबरसही-डुमरी, सकरी रोड, तुर्की-पक्की सराय से कच्ची-पक्की रोड, सरैयागंज टावर से लेप्रोसी मिशन वाया छोटी कल्याणी, हाथी चौक सड़क और लक्ष्मी चौक से दादर समेत कई सड़कें योजना में शामिल हैं। मुजफ्फरपुर की वैशाली-साहेबगंज, सरैया-मोतीपुर, मोतीपुर-साहेबगंज, माड़ीपुर से डीएम आवास, पुराना मोतिहारी रोड, बखरा-वैशाली रोड, मुजफ्फरपुर-देवरिया सड़क, खबरा-लदौरा रोड, चांदनी चौक से बखरी चौक वाया जीरोमाइल-अहियापुर, बटलर से नारायणपुर-दिघरा वाया अघोरिया बाजार-मिठनपुरा, मिठनपुरा चौक से गोशाला रोड, झपहां-मीनापुर रोड और मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी स्टेट हाइवे समेत अन्य सड़कों का भी जीर्णोद्धार होगा। सीतामढ़ी में सीतामढ़ी-रीगा रोड, रीगा-मेजरगंज रोड, बेलसंड-मीनापुर, परसौनी-रीगा रोड, कुम्मा-बेला रोड, बेलसंड-छितौनी रोड और सोनबरसा एनएच-77 समेत कई सड़कों को योजना में शामिल किया गया है। शिवहर में शिवहर-बेलवाघाट रोड एसएच-54, शिवहर-मीनापुर रोड, बसंतपट्टी-कटैया रोड और एसएच-54 से पिपराही उच्चस्तरीय पुल के एप्रोच पथ का काम कराया जाएगा। योजना पूरी होने के बाद तीनों जिलों की प्रमुख सड़कों की स्थिति में सुधार आने और लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलने की उम्मीद है।

कांटी के तीन पंचायतों में सहयोग शिविर आयोजित

मुजफ्फरपुर। कांटी प्रखंड के तीन पंचायत रामनाथ धमौली पूर्वी, सदातपुर और लसकरीपुर में मंगलवार को सहयोग शिविर का आयोजन किया गया. रामनाथ धमौली पूर्वी पंचायत के मधुवन स्थित पंचायत सरकार भवन में मुख्य अतिथि एडीएम धनंजय कुमार के साथ संयुक्त रूप से बीडीओ किशन चन्द्रायण, बीएओ शिवनाथ झा, मुखिया पवन देवी, उप प्रमुख अनामिका चौधरी, उप मुखिया कृष्ण कुमार झा, मुखिया प्रतिनिधि उमेश रजक ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया.कार्यक्रम का संचालन मधुवन स्कूल के शिक्षक उमाशंकर साह और धन्यवाद ज्ञापन समाजसेवी उमेश रजक ने किया.वहीं सदातपुर पंचायत में मुखिया अनिल चौबे और लसकरीपुर पंचायत में मुखिया इंद्रमोहन झा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया.मधुवन में एडीएम धनंजय कुमार ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के द्वारा आम जनता की समस्याओं को दूर करने के उद्देश्य से पूरे राज्य के सभी पंचायतों में सहयोग शिविर लगाया जा रहा है.जिसमें आम जनता की समस्याओं का ऑन द स्पॉट या अधिकतम 30 दिनों के अंदर समस्या को दूर करने का निश्चय किया गया.इस बीच समस्या का समाधान या किसी प्रकार की कमी का शिकायत सीधे मुख्यमंत्री के पोर्टल पर किया जा सकता है.बीडीओ किशन चन्द्रायण ने बताया रामनाथ धमौली पूर्वी के सहयोग शिविर में सभी विभाग को कुल आवेदन 154 प्राप्त हुआ है.जिसमें से 94 मिले आवेदन का समाधान ऑन स्पॉट किया गया है.जबकि बाकी 60 आवेदन का समाधान जल्द कर दिया जाएगा.इस मौके प्रखंड उद्यान पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार, जीविका बीपीएम राकेश कुमार, उप प्रमुख प्रतिनिधि चुन्नू चौधरी, सचिव अमन कुमार, एलईओ वरुण कुमार, सचिव राकेश कुमार, स्वास्थ प्रबंधक पुष्कर कुमार, बिजली विभाग के जेई अविनाश रंजन, विकास मित्र मीना देवी, कृषि सलाहकार अभय कुमार, सीताराम राय, विनय कुमार, रामबालक चौधरी, कुंदन कुमार, रमेश रजक के साथ सभी विभाग के अधिकारी कर्मी और जनप्रतिनिधि शामिल रहे।

साहेबगंज में आपसी रंजिश में दादा-पोती की पीट-पीटकर हत्या, इलाके में तनाव

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। साहेबगंज थाना क्षेत्र में आपसी रंजिश को लेकर एक ही परिवार के दादा और पोती की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना वार्ड-तीन स्थित ब्लॉक गेट माई स्थान के समीप मंगलवार दोपहर करीब दो बजे की है। मृतकों की पहचान 60 वर्षीय भोला मियां और उनकी नौ वर्षीय पोती अनब खातून के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, भोला मियां और उनकी पोती कमरे में सो रहे थे। इसी दौरान साहेबगंज थाना रोड निवासी बशीर मियां का 27 वर्षीय पुत्र अलताब आलम कथित रूप से घर में घुस गया और दोनों पर हमला कर दिया। हमले में भोला मियां की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पोती अनब खातून गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे भोला मियां के 35 वर्षीय पुत्र मो. शमीम भी गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, हमले के दौरान आरोपित अलताब आलम के भी घायल होने की बात सामने आई है। दोनों घायलों को बेहतर इलाज के लिए एसकेएमसीएच, मुजफ्फरपुर रेफर किया गया है। बताया गया कि आरोपित और पीड़ित परिवार आपस में पट्टीदार हैं। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

सर्विस वायर जोड़ने गए मजदूर की करंट लगने से मौत, घर में पसरा मातम

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बुधनगरा राधा गांव में करंट लगने से 35 वर्षीय मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान डुमरी पंचायत के वार्ड नंबर एक की पंच सुषमा देवी के पुत्र सुरेश राम के रूप में हुई है। घटना शाम करीब चार बजे की बताई जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार, दोपहर करीब तीन बजे बिजली के पोल से सुरेश के घर तक जाने वाला सर्विस वायर टूटकर जमीन पर गिर गया था। तार के टूटकर गिरने से जमीन पर करंट प्रवाहित हो रहा था। बारिश रुकने के बाद सुरेश टूटे हुए सर्विस वायर को जोड़ने के लिए गया। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद आसपास के लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना के बाद गांव में भी मातम का माहौल है।

साइबर ठगी से खाते से रकम ट्रांसफर, इंश्योरेंस लिंक पर क्लिक करते ही 81 हजार की निकासी

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। साइबर ठगी के दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं। साइबर अपराधियों ने एक मामले में यूपीआई के जरिए पीड़ित के बैंक खाते से पैसे निकालकर अलग-अलग अज्ञात खातों में ट्रांसफर कर दिए। वहीं, दूसरे मामले में इंश्योरेंस कराने के नाम पर भेजे गए फर्जी लिंक पर क्लिक करते ही पीड़ित के खाते से 81 हजार रुपये की निकासी कर ली गई। पहले मामले में पीड़ित नवीन कुमार ने साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस को दी गई शिकायत में उन्होंने बताया कि साइबर अपराधियों ने यूपीआई के माध्यम से उनके बैंक खाते से रकम निकालकर अलग-अलग अज्ञात खातों में ट्रांसफर कर दी। घटना के बाद पीड़ित परिवार काफी चिंतित है। वहीं, दूसरा मामला काजी मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र का है। यहां अनिल कुमार को साइबर ठगों ने फर्जी इंश्योरेंस कराने के नाम पर मोबाइल पर एक संदिग्ध लिंक भेजा। लिंक पर क्लिक करते ही उनके बैंक खाते से 81 हजार रुपये की निकासी कर ली गई। मामले को लेकर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। दोनों मामलों में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस तकनीकी साक्ष्यों और लेन-देन से जुड़े विवरण के आधार पर साइबर अपराधियों की पहचान करने में जुटी है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और बैंकिंग या इंश्योरेंस से संबंधित जानकारी किसी अज्ञात व्यक्ति के साथ साझा न करें।

कृषि विश्वविद्यालय में 24 एवं 25 अगस्त को नामांकन की प्रक्रिया होगी पूरी स्नातक और स्नातकोत्तर में 600 सीटों पर होगा नामांकन

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। डॉ राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा में नामांकन की प्रक्रिया 24 और 25 अगस्त को पूरी की जायेगी। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से काउंसलिंग के उपरांत छात्रों को 24 और 25 अगस्त को डाक्यूमेंट वेरिफिकेशन, फी डिपोजिट और नामांकन के लिए नोटिस जारी किया गया है। सभी स्नातक विषयों के लिए 26075 रूपए जबकि बायोटेक्नोलॉजी में बीटेक के लिए 51075 रूपए फीस है। अनुसूचित जाति जनजाति के लिए यह फीस क्रमशः 22875 रुपए एवं 47875 रूपए होगी। विश्वविद्यालय में नामांकन के लिए सीयूइटी के प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंक को आधार बनाकर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की काउंसलिंग के उपरांत होता है। राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय की सभी रैंकिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए ज्यादातर उच्च रैंक वाले छात्रों के नामांकन लिए जाने की संभावना है। विश्वविद्यालय में नामांकन के लिए देश भर के छात्र लालायित रहते हैं। पिछले वर्ष भी विश्वविद्यालय में 27 राज्यों के छात्रों ने नामांकन लिया। नामांकन की प्रक्रिया को लेकर कुलपति डॉ पी एस पांडेय ने विभिन्न कमिटीयों का गठन किया है और स्वयं उसकी निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय छात्रो के नामांकन के लिए एकल खिड़की व्यवस्था कर रहा है ताकि छात्रों को यहा वहां भटकना न पड़े। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुसंधान की गुणवत्ता, और उच्च दक्षता वाले शिक्षकों को देखते हुए देश भर के सबसे बेहतर प्रतिभा वाले छात्र यहां नामांकन लेते हैं। उन्होंने कहा छात्र ही देश का भविष्य हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में इनका अहम योगदान होगा इसलिए विश्वविद्यालय उनके चरित्र निर्माण, स्किल डेवलपमेंट एवं समग्र विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहता है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ पी के प्रणव ने कहा कि नामांकन के उपरांत छात्रों का दीक्षारंभ कार्यक्रम 28 अगस्त से शुरू होगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पांडेय की दीक्षारंभ की संकल्पना अब पूरे देश में लागू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि कुलपति डॉ पांडेय छात्रों के समग्र विकास को लेकर हमेशा सक्रिय रहते हैं। देश निर्माण में दीक्षारंभ की भूमिका को देखते हुए उन्हें हमेशा इसके जनक के रूप में याद किया जाएगा। दीक्षारंभ के दौरान योग एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। देश में विशिष्ट योगदान देने वाले अतिथि भी छात्रों के साथ संवाद करेंगे और उन्हें प्रेरित करेंगे। छात्रों और अभिभावकों के लिए पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी भोजन आवास आदि की सुविधा उपलब्ध कराये जाने की संभावना है। हालांकि इसकी आधिकारिक घोषणा एक दो पहले की जायेगी। इस वर्ष स्नातक के लगभग चार सौ एवं स्नातकोत्तर एवं पीएचडी के दो सौ सीटों पर नामांकन लिया जाने की संभावना है।

एम्बुलेंस से गांजा और अवैध हथियार बरामद, दो गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के अहियापुर पुलिस ने एसकेएमसीएच परिसर से 102 एंबुलेंस सेवा के ड्राइवर और इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन को गिरफ्तार किया है। सोमवार को पुलिस ने एंबुलेंस की तलाशी के दौरान दो पैकेट गांजा और एक लोडेड अवैध हथियार बरामद किया है।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ड्राइवर सर्वजीत और ईएमटी मनोहर कुमार के रूप में हुई है। दोनों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस को एंबुलेंस में मादक पदार्थों और अवैध हथियार की मौजूदगी की गुप्त सूचना मिली थी। इसी सूचना के आधार पर भारी संख्या में पुलिस बल ने 102 एंबुलेंस कार्यालय पर अचानक दबिश दी।तलाशी के दौरान गांजा-हथियार बरामद हुआ पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि हथियार और गांजा आरोपियों के पास कहां से आया और इसे कहां पहुंचाया जाना था।

मुजफ्फरपुर के 81 सदस्यीय दल ने पटना में दिखाई प्रतिभा, लोकतंत्र और डेटा सुरक्षा पर दिए सुझाव

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। निर्वाचन साक्षरता क्लब से जुड़े कार्यक्रम में सहभागिता के लिए मुजफ्फरपुर से 81 सदस्यीय प्रतिभागी दल पटना रवाना हुआ। समाहरणालय परिसर से रवाना किए गए इस दल में जिले के विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों से चयनित छात्र-छात्राएं शामिल थे। जारी दिशा-निर्देशों के तहत सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों और मुशहरी अंचलाधिकारी की देखरेख में छात्रों ने कार्यक्रम में जिले का प्रतिनिधित्व किया। पटना में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुजफ्फरपुर के छात्र-छात्राओं ने अपनी कलात्मक और तकनीकी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उच्च माध्यमिक विद्यालय बेरुआ, गायघाट की छात्रा जागृति कुमारी ने निर्वाचन साक्षरता क्लब से संबंधित आकर्षक फ्रेम्ड पेंटिंग तैयार की। उन्होंने यह पेंटिंग मुख्य निर्वाचन आयुक्त को भेंट की। अधिकारियों ने छात्रा की रचनात्मकता की सराहना की। वहीं, डीएवी पब्लिक स्कूल कांटी के छात्र अर्जुन मिश्रा ने निर्वाचन प्रक्रिया में तकनीकी सुधार को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव रखा। उन्होंने ह्यीूल्लीइ्रह्न ऐप पर लॉगिन करने वाले करोड़ों उपयोगकताओं के संवेदनशील डेटा की सुरक्षा के लिए ह्यक्लाउड वेरिफिकेशनह्न को अनिवार्य किए जाने की मांग उठाई। कार्यक्रम में मुजफ्फरपुर के युवाओं की सक्रिय भागीदारी और उनके तार्किक सुझावों ने निर्वाचन साक्षरता क्लब की उपयोगिता को सामने रखा। छात्रों की प्रस्तुतियों से यह संदेश भी गया कि युवा वर्ग न केवल लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समझ रहा है, बल्कि निर्वाचन व्यवस्था को अधिक सुरक्षित और प्रभावी बनाने के लिए अपने विचार भी सामने रख रहा है।

सम्पादकीय

19 अगस्त : विश्व फोटोग्राफी दिवस पर विशेष

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

एक तस्वीर हजार शब्दों के बराबर होती है। यह कथन केवल एक लोकप्रिय कहावत नहीं, बल्कि संचार और इतिहास का सिद्ध सत्य है। कई बार जो बात हजारों शब्द नहीं कह पाते, उसे एक सशक्त तस्वीर कुछ क्षणों में कह देती है। तस्वीरें केवल दृश्य नहीं होतीं, वे समय की साक्षी, समाज का आईना और इतिहास की अमिट धरोहर होती हैं। हर वर्ष 19 अगस्त को विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया जाता है। यह दिवस केवल कैमरे के आविष्कार का उत्सव नहीं है, बल्कि उन सभी छायाकारों, फोटो पत्रकारों और कलाकारों के प्रति सम्मान का अवसर है, जिन्होंने अपने कैमरे से मानव सभ्यता के संघर्ष, उपलब्धियों, संस्कृति और संवेदनाओं को अमर बना दिया। 19 अगस्त 1839 को फ्रांस की सरकार ने डागेरियोटाइप नामक प्रारंभिक फोटोग्राफी तकनीक को सार्वजनिक उपयोग के लिए उपलब्ध कराया। यह तकनीक फ्रांसीसी कलाकार लुई दागेर द्वारा विकसित की गई थी। इसी ऐतिहासिक घटना की स्मृति में प्रतिवर्ष 19 अगस्त को विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया जाता है। फोटोग्राफी के आरंभिक दौर में एक तस्वीर लेने में कई मिनट लग जाते थे, जबकि आज अत्याधुनिक डिजिटल कैमरे और स्मार्टफोन एक क्षण में उच्च गुणवत्ता वाली तस्वीरें लेने में सक्षम हैं। तकनीक बदली है, लेकिन तस्वीरों की संवेदनात्मक शक्ति आज भी उतनी ही प्रभावशाली है। यदि हमारे पास ऐतिहासिक घटनाओं के चित्र न होते, तो अनेक घटनाएँ केवल पुस्तकों तक सीमित रह जातीं। स्वतंत्रता आंदोलन, विभाजन की पीड़ा, प्राकृतिक आपदाएँ, वैज्ञानिक उपलब्धियाँ, खेलों के स्वर्णिम क्षण और सामाजिक आंदोलनों की तस्वीरें आज भी आने वाली पीढ़ियों को उस समय की वास्तविकता से परिचित कराती हैं। एक ऐतिहासिक तस्वीर केवल किसी घटना का दृश्य नहीं होती, बल्कि उस समय की भावनाओं, संघर्षों और परिस्थितियों का भी जीवंत दस्तावेज होती है। समाचार-पत्रों और समाचार चैनलों की विश्वसनीयता में फोटो पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। एक सटीक और प्रामाणिक तस्वीर किसी समाचार को अधिक प्रभावशाली, विश्वसनीय और संवेदनशील बना देती है। फोटो पत्रकार केवल तस्वीरें नहीं खींचता, बल्कि वह समाज के सामने सत्य प्रस्तुत करने का साहस भी दिखाता है। युद्ध, महामारी, प्राकृतिक आपदाएँ, चुनाव, सामाजिक आंदोलन और जनजीवन की वास्तविकताओं को दुनिया तक पहुँचाने में फोटो पत्रकारों का योगदान अमूल्य है। कई बार एक तस्वीर किसी सरकार की नीतियों पर प्रश्न खड़े करती है, समाज को झकझोरती है और जनमत को प्रभावित करती है। यही फोटो पत्रकारिता की सबसे बड़ी शक्ति है। भारत में फोटोग्राफी का इतिहास लगभग दो शताब्दियों पुराना है। प्रारंभ में इसका उपयोग राजपरिवारों, स्थापत्य और पुरातात्त्विक धरोहरों के दस्तावेजीकरण के लिए हुआ। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान अनेक तस्वीरों ने राष्ट्रीय चेतना को नई दिशा दी। आज भारतीय फोटोग्राफर वन्यजीव, पर्यावरण, संस्कृति, खेल, विज्ञान और अंतरिक्ष तक के अद्भुत चित्रों के माध्यम से विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। स्मार्टफोन और सोशल मीडिया ने फोटोग्राफी को जन-जन तक पहुँचा दिया है। अब लगभग हर व्यक्ति अपने हाथ में कैमरा लिए हुए है। यह लोकतंत्रीकरण एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन इसके साथ चुनौतियाँ भी आई हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक), डीपफेक और डिजिटल संपादन तकनीकों ने तस्वीरों की प्रामाणिकता पर नए प्रश्न खड़े किए हैं। इसलिए आज फोटो पत्रकारिता में सत्य, पारदर्शिता और नैतिकता पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। फोटोग्राफी केवल समाचारों तक सीमित नहीं है। वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता, लोकसंस्कृति, पुरातात्विक धरोहरों और प्राकृतिक सौंदर्य के संरक्षण में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। अनेक दुर्लभ प्रजातियों और सांस्कृतिक विरासतों का दस्तावेजीकरण फोटोग्राफी के माध्यम से ही संभव हुआ है। आज इस दौर में फोटोग्राफी केवल शौक नहीं, बल्कि एक सम्मानजनक करियर भी है। फोटो पत्रकारिता, वन्यजीव फोटोग्राफी, फैशन, विवाह, खेल, चिकित्सा, वैज्ञानिक अनुसंधान, विज्ञापन और डिजिटल कंटेंट निर्माण जैसे अनेक क्षेत्रों में कुशल फोटोग्राफरों की मांग लगातार बढ़ रही है। लेकिन सफल फोटोग्राफर वही बन सकता है, जिसके कैमरे में केवल तकनीक नहीं, बल्कि संवेदना, धैर्य और सत्य के प्रति प्रतिबद्धता भी हो। कैमरा कभी झूठ नहीं बोलता, झूठ बोलता है उसका उपयोग करने वाला व्यक्ति। इसलिए फोटोग्राफी का सबसे बड़ा धर्म है सत्य का सम्मान। जब तस्वीरें निष्पक्षता, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों के साथ ली जाती हैं, तब वे इतिहास की अमूल्य धरोहर बन जाती हैं। विश्व फोटोग्राफी दिवस हमें यह संकल्प लेने की प्रेरणा देता है कि हम कैमरे का उपयोग केवल सुंदर दृश्य कैद करने के लिए नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता, संवेदना और सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए भी करें। फोटोग्राफी समय को थाम लेने की कला है। बीतते हुए क्षणों को भविष्य के लिए सुरक्षित रखना ही उसका सबसे बड़ा चमत्कार है। कैमरा केवल दृश्य नहीं पकड़ता, वह भावनाएं, संघर्ष, उपलब्धियां और इतिहास भी संजोता है। इसलिए हर तस्वीर अपने भीतर एक कहानी, एक संदेश और एक युग की स्मृति लेकर चलती है।

बीपीएससी प्रतिभा और सीएम फेलोशिप: बिहार के प्रशासनिक सुधार का नया दौर

प्रभात कुमार चंद्रवंशी

बिहार ने पिछले दो दशकों में शासन और विकास के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और डिजिटल गवर्नेंस में राज्य ने नई पहचान बनाई है। इसी कड़ी में सीएम युंग प्रोफेशनल फेलोशिप) को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। बीपीएससी साक्षात्कार उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को इस कार्यक्रम में शामिल करना बिहार सरकार के लिए प्रशासनिक सुधार का एक सुनहरा मौका है। पहला कारण है तैयार प्रतिभा का तुरंत उपयोग। बीपीएससी की प्रक्रिया देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक है। प्रारंभिक, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार के तीन चरणों से गुजरकर जो अभ्यर्थी आते हैं, वे न केवल विषय-विशेषज्ञ होते हैं बल्कि तनाव में निर्णय लेने, संवाद करने और नीति को समझने में भी सक्षम होते हैं। इन्हें अतिरिक्त लंबा प्रशिक्षण देने की आवश्यकता नहीं है। यदि इन्हें सीधे जिला, प्रखंड और विभाग स्तर पर फेलो के रूप में लगाया जाए, तो ये डाटा विश्लेषण, योजना निर्माण, जन-शिकायत निवारण और फ्लैगशिप योजनाओं की मॉनिटरिंग में तुरंत योगदान दे सकते हैं। दूसरा महत्वपूर्ण बिंदु है नियुक्ति की प्रतीक्षा अवधि का सदुपयोग। हर वर्ष सैकड़ों अभ्यर्थी अंतिम परिणाम और नियुक्ति पत्र की प्रतीक्षा करते हैं। इस 6 महीने से 2 साल तक के अंतराल में उनकी ऊर्जा और कौशल का उपयोग नहीं हो पाता। फेलोशिप के माध्यम से इन्हें मानदेय के साथ राज्य सेवा से जोड़कर हम दोहरा लाभ ले सकते हैं। एक ओर अभ्यर्थियों को व्यावहारिक प्रशासनिक अनुभव मिलेगा, दूसरी ओर सरकार को कम लागत में उच्च गुणवत्ता वाली मानव संसाधन शक्ति मिलेगी। तीसरा पहलू क्षेत्रीय विकास और नवाचार से जुड़ा है। बिहार के हर जिले की समस्या अलग है - बाढ़, पलायन, कृषि, शिक्षा और उद्यमिता। बीपीएससी अभ्यर्थी बिहार की जमीनी हकीकत को समझते हैं और साथ ही राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय नीतियों की भी जानकारी रखते हैं। इन्हें सीएम फेलोशिप के तहत जिलाधिकारी, विकास आयुक्त कार्यालय और विभिन्न मिशन निदेशालयों से जोड़ने पर स्थानीय स्तर पर शोध-आधारित समाधान निकलेंगे। ये युवा नई तकनीक, सोशल मीडिया और सामुदायिक भागीदारी के जरिए सरकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सेतु बन सकते हैं। अंत में, यह कदम युवाओं में विश्वास भी बढ़ाएगा। जब एक मेहनती अभ्यर्थी को लगेगा कि उसकी मेहनत को सरकार सम्मान दे रही है, तो वह और अधिक निष्ठा से काम करेगा। यह पारदर्शिता और योग्यता आधारित प्रशासन की दिशा में बड़ा संदेश होगा। अतः बीपीएससी साक्षात्कार उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को (सीएम युंग प्रोफेशनल फेलोशिप) में शामिल करना केवल एक भर्ती का मुद्दा नहीं, बल्कि बिहार के प्रशासनिक तंत्र को युवा, ऊजार्वान और परिणाम-उन्मुख बनाने का ऐतिहासिक अवसर है। इस अवसर को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए।

होर्मुज पर अमेरिका-ईरान आमने-सामने, जुबानी जंग ने बढ़ाई तनाव की तपिश

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान को हराने के बाद अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य को अमेरिकी क्षेत्र घोषित कर सकता है। इसके जवाब में ईरान ने अमेरिका को अपनी सुरक्षा पर ध्यान देने की सलाह देते हुए साफ संकेत दिया है कि वह इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर अपने प्रभाव से पीछे हटने को तैयार नहीं है। तनाव के बीच सोमवार को ईरानी सेना के कमांडर-इन-चीफ अमीर हातमी का बयान सामने आया, जिसने विवाद को और गंभीर बना दिया। रिपोर्टों के अनुसार हातमी ने अमेरिकी सैनिक को मारने या पकड़ने वाले व्यक्ति के लिए 30 हजार डॉलर के इनाम की घोषणा की है। किसी महिला द्वारा ऐसा करने पर इनाम दोगुना बताया गया है। यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब दोनों देशों के बीच बातचीत ठप है और युद्धविराम तथा शांति समझौते को लेकर भी कोई ठोस प्रगति नहीं हो सकी है। हातमी ने इसे लोगों की ओर से लगातार की जा रही मांगों से जुड़ी योजना बताया और कहा कि इसका उद्देश्य युद्ध प्रयासों के लिए आर्थिक सहयोग जुटाना है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी सैनिक के खिलाफ इस्तेमाल किए गए हथियार को उसकी कीमत से अधिक रकम देकर खरीदा जाएगा और उसे संग्रहालय में सुरक्षित रखा जाएगा।

कांतिलाल मांडोत
लेखक

ईरान और अमेरिका के बीच चल रहा तनाव अब केवल सैन्य और कूटनीतिक मोर्चे तक सीमित नहीं रह गया है। दोनों देशों के नेताओं और अधिकारियों के बयानों में तल्खी लगातार बढ़ती जा रही है। खास तौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान को हराने के बाद अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य को अमेरिकी क्षेत्र घोषित कर सकता है। इसके जवाब में ईरान ने अमेरिका को अपनी सुरक्षा पर ध्यान देने की सलाह देते हुए साफ संकेत दिया है कि वह इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर अपने प्रभाव से पीछे हटने को तैयार नहीं है। तनाव के बीच सोमवार को ईरानी सेना के कमांडर-इन-चीफ अमीर हातमी का बयान सामने आया, जिसने विवाद को और गंभीर बना दिया। रिपोर्टों के अनुसार हातमी ने अमेरिकी सैनिक को मारने या पकड़ने वाले व्यक्ति के लिए 30 हजार डॉलर के इनाम की घोषणा की है। किसी महिला द्वारा ऐसा करने पर इनाम दोगुना बताया गया है। यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब दोनों देशों के बीच बातचीत ठप है और युद्धविराम तथा शांति समझौते को लेकर भी कोई ठोस प्रगति नहीं हो सकी है। हातमी ने इसे लोगों की ओर से लगातार की जा रही मांगों से जुड़ी योजना बताया और कहा कि इसका उद्देश्य युद्ध प्रयासों के लिए आर्थिक सहयोग जुटाना है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी सैनिक के खिलाफ इस्तेमाल किए गए हथियार को उसकी कीमत से अधिक रकम देकर खरीदा जाएगा और उसे संग्रहालय में सुरक्षित रखा जाएगा। इस बयान का राजनीतिक संदेश स्पष्ट है कि तेहरान अपने समर्थकों के बीच अमेरिकी विरोध को और मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि ऐसे बयान तनाव कम करने के बजाय दोनों देशों के बीच अविश्वास और टकराव को बढ़ाने वाले हैं। अमेरिका और ईरान के बीच मौजूदा टकराव में होर्मुज जलडमरूमध्य सबसे संवेदनशील मुद्दा बन चुका है। यह समुद्री मार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। पिछले दिनों यहां जहाजों की आवाजाही में भारी कमी आई है। रॉयटर्स के अनुसार शनिवार को इस मार्ग से केवल पांच जहाज गुजरे, जबकि रविवार को कोई जहाज नहीं निकला। सामान्य स्थिति की तुलना में यह गिरावट वैश्विक व्यापार और ऊर्जा बाजार के लिए बड़ी चिंता का कारण है। ट्रंप के अमेरिकी क्षेत्र घोषित करने वाले बयान के बाद ईरान की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई। तेहरान का कहना है कि अमेरिका को होर्मुज पर अधिकार जताने के बजाय अपनी सुरक्षा की चिंता करनी चाहिए। ईरानी अधिकारियों ने यह भी संकेत दिया है कि जब तक अमेरिका अपनी मौजूदा नीति में बदलाव नहीं करता, तब तक इस जलडमरूमध्य को लेकर कोई स्थायी समझौता मुश्किल है। ईरान की स्थिति यह है कि क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था में उसकी भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, जबकि अमेरिका इसे अंतरराष्ट्रीय समुद्री आवागमन और ऊर्जा आपूर्ति से जोड़कर देख रहा है।ट्रंप का तर्क है कि अमेरिका को रणनीतिक समुद्री मार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। उनका कहना है कि ईरान को परमाणु क्षमता हासिल करने से रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों की कीमत अमेरिकी जनता को भी चुकानी पड़ सकती है। उन्होंने बढ़ती ईंधन कीमतों को लेकर अमेरिकी नागरिकों से अधिक कीमत स्वीकार करने की अपील तक की है। इससे स्पष्ट है कि वाशिंगटन फिलहाल आर्थिक दबाव और सैन्य दबदबे दोनों को अपनी रणनीति का हिस्सा बनाए हुए है। इसी बीच ईरान ने कतर पर अपने तीन सैन्य पायलटों को हिरासत में रखने का आरोप लगाया है। ईरान के अनुसार, ये पायलट 2 मार्च को उस समय लापता हुए जब उनके विमान कतर की वायु रक्षा की कार्रवाई की चपेट में आए। ईरानी पक्ष का दावा है कि पायलट विमान से बाहर निकलने के बाद जीवित थे और कतर के अधिकारियों ने उन्हें पकड़ लिया। तेहरान ने रेड क्रॉस से इस मामले की जांच और पायलटों की स्थिति स्पष्ट कराने की अपील की है। ।लांकि इस दावे को कतर ने खारिज कर दिया है। दोहा का कहना है कि ईरान की ओर से लगाए गए आरोप भ्रामक हैं। कतर के अनुसार मार्च में उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने वाले विमानों के मामले में घटनाक्रम ईरान के दावे से अलग था। इस तरह यह मामला भी अमेरिका-ईरान संघर्ष से निकलकर खाड़ी देशों के बीच तनाव का नया विषय बनता दिखाई दे रहा है। इस पूरे संकट का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अमेरिका के कुछ खाड़ी सहयोगियों में भी मौजूदा रणनीति को लेकर बेचैनी बढ़ रही है। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, खाड़ी देशों के नेताओं में यह चिंता बढ़ रही है कि ट्रंप प्रशासन ईरान के साथ कूटनीतिक समाधान निकालने में अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पा रहा है। लंबे समय तक चल रहे संघर्ष और क्षेत्रीय अस्थिरता के कारण इन देशों को अपनी सुरक्षा और अमेरिकी सैन्य मौजूदगी के भविष्य को लेकर नए सवालों का सामना करना पड़ रहा है। खाड़ी देशों की परेशानी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वे स्वयं इस संघर्ष के आर्थिक और सुरक्षा संबंधी प्रभावों से बच नहीं सकते। होर्मुज में जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने का सीधा असर तेल, गैस, समुद्री परिवहन और वैश्विक बाजारों पर पड़ता है। ऐसे में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव केवल दोनों देशों का द्विपक्षीय विवाद नहीं रह जाता, बल्कि पूरी खाड़ी और विश्व अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती बन जाता है। अमेरिका और ईरान के बीच जून में हुए समझौते से कुछ समय के लिए तनाव कम होने की उम्मीद बनी थी। इसका उद्देश्य संघर्ष को रोकना, होर्मुज को फिर से खोलना और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत आगे बढ़ाना था। लेकिन 17 अगस्त तक निर्धारित 60 दिन की समयसीमा भी बिना किसी स्थायी समाधान के समाप्त हो गई। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर समझौते का उल्लंघन करने के आरोप लगा रहे हैं। ईरान की मांगों में होर्मुज पर नियंत्रण, अमेरिकी सैन्य दबाव में कमी, नाकेबंदी खत्म करना, युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई और आर्थिक प्रतिबंधों में राहत जैसे मुद्दे शामिल हैं। दूसरी ओर अमेरिका ईरान पर आर्थिक और राजनीतिक दबाव बनाए रखना चाहता है। यही मूल मतभेद बातचीत को आगे बढ़ने से रोक रहे हैं। दोनों पक्ष अपनी-अपनी शर्तों को राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता से जोड़ रहे हैं, इसलिए समझौते की गुंजाइश लगातार सीमित होती जा रही है।

मुफ्त की रेवड़ियां नहीं - मजबूत कमाई वाली अर्थव्यवस्था होनी चाहिए

लेकिन सवाल यह है कि क्या हर समस्या का समाधान मुफ्त वस्तुओं और नकद सहायता के वितरण में खोजा जाना चाहिए? क्या सरकारों की जिम्मेदारी केवल लोगों को राहत देना है या ऐसी अर्थव्यवस्था बनाना भी है, जिसमें आम आदमी की आय इतनी तेजी से बढ़े कि वह महंगाई का मुकाबला कर सके? आज भारत के सामने सबसे बड़ी जरूरत मुफ्त की रेवड़ियों का दायरा बढ़ाने की नहीं है, बल्कि रोजगार, आय, उत्पादकता और अवसरों को बढ़ाने वाली अर्थव्यवस्था तैयार करने की है। ऐसी अर्थव्यवस्था, जिसमें गरीब परिवार गरीबी से बाहर निकल सके, मध्यवर्ग आर्थिक दबाव से राहत महसूस कर सके और मेहनत करने वाले व्यक्ति को अपनी मेहनत का सम्मानजनक प्रतिफल मिल सके। चुनावी राजनीति में मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त राशन, नकद सहायता, मुफ्त यात्रा, लैपटॉप, साइकिल या दूसरी सुविधाओं की घोषणाएं मतदाताओं को आकर्षित कर सकती हैं। कई योजनाएं वास्तव में जरूरतमंदों के लिए राहत का काम भी करती हैं। लेकिन जब मुफ्त वितरण राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का स्थायी माध्यम बन जाता है, तब इसके आर्थिक प्रभाव पर गंभीर चर्चा आवश्यक हो जाती है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का अपना महत्व है। लेकिन सवाल यह है कि क्या हर समस्या का समाधान मुफ्त वस्तुओं और नकद सहायता के वितरण में खोजा जाना चाहिए? क्या सरकारों की जिम्मेदारी केवल लोगों को राहत देना है या ऐसी अर्थव्यवस्था बनाना भी है, जिसमें आम आदमी की आय इतनी तेजी से बढ़े कि वह महंगाई का मुकाबला कर सके? आज भारत के सामने सबसे बड़ी जरूरत मुफ्त की रेवड़ियों का दायरा बढ़ाने की नहीं है, बल्कि रोजगार, आय, उत्पादकता और अवसरों को बढ़ाने वाली अर्थव्यवस्था तैयार करने की है। ऐसी अर्थव्यवस्था, जिसमें गरीब परिवार गरीबी से बाहर निकल सके, मध्यवर्ग आर्थिक दबाव से राहत महसूस कर सके और मेहनत करने वाले व्यक्ति को अपनी मेहनत का सम्मानजनक प्रतिफल मिल सके। चुनावी राजनीति में मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त राशन, नकद सहायता, मुफ्त यात्रा, लैपटॉप, साइकिल या दूसरी सुविधाओं की घोषणाएं मतदाताओं को आकर्षित कर सकती हैं। कई योजनाएं वास्तव में जरूरतमंदों के लिए राहत का काम भी करती हैं। लेकिन जब मुफ्त वितरण राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का स्थायी माध्यम बन जाता है, तब इसके आर्थिक प्रभाव पर गंभीर चर्चा आवश्यक हो जाती है। सरकार के पास पैसा कोई जादुई स्रोत नहीं है। सरकार जो खर्च करती है, उसका बड़ा हिस्सा अंततः जनता से प्राप्त करों, शुल्कों और अन्य राजस्व स्रोतों से आता है। इसलिए सरकारी धन के प्रत्येक रुपये का उपयोग सोच-समझकर होना चाहिए। जरूरतमंद व्यक्ति को सहायता देना और पूरी आबादी को लगातार मुफ्त सुविधाओं का आदी बनाना, इन दोनों में बड़ा अंतर है। पहली व्यवस्था सामाजिक सुरक्षा हो सकती है, जबकि दूसरी व्यवस्था लंबे समय में आर्थिक निर्भरता पैदा कर सकती है। देश में लाखों लोग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करों का भुगतान करते हैं। वेतनभोगी कर्मचारी अपनी आय पर कर देते हैं, कारोबारी और उद्यमी विभिन्न करों का भुगतान करते हैं तथा आम उपभोक्ता रोजमर्रा की वस्तुओं और सेवाओं पर अप्रत्यक्ष कर देता है। इसलिए सरकार के पास उपलब्ध धन वास्तव में जनता का धन है। इस धन का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, सिंचाई, परिवहन, सुरक्षा, रोजगार सृजन और आधारभूत ढांचे के निर्माण में किया जाए तो उसका प्रभाव लंबे समय तक दिखाई देता है। इसके विपरीत यदि सीमित संसाधनों का बड़ा हिस्सा ऐसी योजनाओं में खर्च हो, जिनसे दीर्घकालिक उत्पादक क्षमता नहीं बढ़ती है, तो सरकार के पास विकास कार्यों के लिए संसाधन कम पड़ सकते हैं। इसलिए सवाल यह नहीं होना चाहिए कि सरकार गरीबों की मदद करे या नहीं। सवाल यह होना चाहिए कि मदद का ऐसा मॉडल क्या हो, जो आज राहत दे और कल व्यक्ति को आत्मनिर्भर भी बनाए। गरीबी केवल आय की कमी का नाम नहीं है। गरीबी का संबंध शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल, रोजगार, आवास, पोषण और अवसरों से भी है। यदि किसी गरीब परिवार को कुछ समय के लिए आर्थिक सहायता मिलती है और उसी के साथ उसके परिवार के बच्चों को अच्छी शिक्षा, युवाओं को कौशल प्रशिक्षण तथा परिवार के वयस्कों को रोजगार मिलता है, तो सहायता विकास का माध्यम बन जाती है। लेकिन यदि सहायता केवल वितरण तक सीमित रह जाए और व्यक्ति के पास स्थायी आय का साधन न बने, तो समस्या का मूल समाधान नहीं होता है। जरूरत इस बात की है कि गरीब परिवारों को मुफ्त की वस्तुओं से ज्यादा कमाने के अवसर मिले। उन्हें ऐसा कौशल मिले जिससे वे बाजार में अपनी सेवाएं बेच सके। छोटे कारोबार के लिए पूंजी मिले। किसानों को बेहतर तकनीक, सिंचाई और बाजार मिले। युवाओं को रोजगार मिले और महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों में भागीदारी के अवसर मिले। यही वास्तविक आत्मनिर्भरता है। रेवड़ी की चर्चा अक्सर गरीबों के संदर्भ में होती है, लेकिन मध्यवर्ग की आर्थिक चुनौतियों पर भी ध्यान देना जरूरी है। मध्यवर्ग परिवार की आय बढ़ती जरूर है, लेकिन उसके साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, मकान, परिवहन, बच्चों की पढ़ाई और रोजमर्रा की जरूरतों का खर्च भी बढ़ता रहता है। कई परिवारों के सामने स्थिति यह है कि वे सरकारी सहायता के पात्र नहीं होते हैं, लेकिन महंगाई का दबाव लगातार महसूस करते हैं। वे टैक्स भी देते हैं और अपनी अधिकांश जरूरतों का खर्च भी स्वयं उठाते हैं। इसलिए आर्थिक नीति का लक्ष्य केवल गरीबों को राहत देना नहीं होना चाहिए। मध्यवर्ग की वास्तविक आय बढ़ाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यदि किसी कर्मचारी का वेतन सालाना 8 प्रतिशत बढ़ता है, लेकिन उसकी आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं की लागत उससे अधिक तेजी से बढ़ती है, तो कागज पर आय बढ़ने के बावजूद उसकी क्रय शक्ति कमजोर हो सकती है। यही कारण है कि महंगाई को नियंत्रित रखने के साथ-साथ आय और उत्पादकता बढ़ाना जरूरी है। किसी गरीब परिवार को हर महीने कुछ हजार रुपये देना निश्चित रूप से तत्काल राहत दे सकता है। लेकिन उसी परिवार के एक सदस्य को स्थायी रोजगार मिल जाए तो उसका प्रभाव कहीं ज्यादा व्यापक हो सकता है। रोजगार व्यक्ति को केवल आय नहीं देता है, बल्कि आत्मसम्मान, निर्णय लेने की क्षमता और भविष्य की योजना बनाने का अवसर भी देता है। इसलिए सरकारों को ऐसी अर्थव्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए जिसमें बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा हो। विनिर्माण, निर्माण, पर्यटन, कृषि-प्रसंस्करण, सेवा क्षेत्र, डिजिटल अर्थव्यवस्था, परिवहन, लॉजिस्टिक्स और छोटे उद्योग रोजगार

भगवान के दरबार में भी वीआईपी और पैसे से जल्दी दर्शन क्यों .....?

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

भारत केवल मंदिरों का देश नहीं है, यह आस्था का देश है। यहां तीर्थयात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मिक शांति, विश्वास और ईश्वर के प्रति समर्पण की यात्रा मानी जाती है। देश के बड़े-बड़े मंदिरों में प्रतिदिन हजारों-लाखों श्रद्धालु इसी विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि कुछ क्षण भगवान के सम्मुख खड़े होकर अपने जीवन की पीड़ा, प्रार्थना और कृतज्ञता अर्पित कर सकें। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि अनेक प्रसिद्ध तीर्थस्थलों पर भीड़ और लंबी कतारों के बीच एक ऐसा समानांतर तंत्र दिखाई देने लगा है, जिसमें कुछ लोग श्रद्धालुओं को यह कहकर आकर्षित करते हैं– लाइन में क्यों खड़े हैं, जल्दी दर्शन करा देंगे। इसके बाद शुरू होती है सौदेबाजी–1100 लगेंगे, 900 में करा देंगे, 800 दे दीजिए। सवाल यह है कि आखिर यह व्यवस्था किसकी अनुमति से चल रही है? यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि हर मंदिर में अधिकृत शुल्क वाली शीघ्र या विशेष दर्शन व्यवस्था को अवैध कहना उचित नहीं होगा। समस्या उस समय पैदा होती है, जब मंदिर की निर्धारित व्यवस्था के बाहर कोई व्यक्ति या बिचौलिया नकद पैसे लेकर दर्शन कराने का दावा करे और श्रद्धालु को यह पता ही न हो कि वह अधिकृत सेवा ले रहा है या ठगी का शिकार हो रहा है। आस्था और मजबूरी के बीच बिचौलियों का बाजार मैंने स्वयं ऐसे अनुभव देखे और झेले हैं। कई श्रद्धालुओं ने भी इस प्रकार की शिकायतें मेरे सामने रखी हैं। हाल ही में मेरे एक मित्र, जो गुजरात के गांधीधाम में रहते हैं, मनु भाई ने अपना अनुभव बताते हुए कहा कि वे द्वारकाधीश मंदिर पहुंचे। लंबी कतार देखकर उनकी हिम्मत जवाब देने लगी। उम्र के इस पड़ाव पर घंटों खड़े रहना उनके लिए कठिन था। इसी बीच एक व्यक्ति ने उनसे जल्दी दर्शन कराने के नाम पर 1100 रुपये मांगे और अंततः 800 रुपये में सौदा तय हुआ। यह अनुभव केवल एक व्यक्ति की परेशानी मानकर नजरअंदाज कर देना आसान है, लेकिन यदि ऐसी शिकायतें अलग-अलग तीर्थस्थलों से लगातार सामने आती हैं तो प्रशासन के लिए यह गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। दिसंबर 2024 में द्वारका क्षेत्र में वायरल वीडियो को लेकर ऐसी खबरें भी सामने आई थीं, जिनमें एजेंटों द्वारा पैसे लेकर VIP दर्शन कराने के दावे किए गए थे। एक रिपोर्ट में 1100 रुपये मांगने और बाद में रकम कम करने की बातचीत का भी उल्लेख था। इससे यह सवाल और गंभीर हो जाता है कि यदि किसी मंदिर में अधिकृत दर्शन व्यवस्था है तो उसके नाम पर अनधिकृत बिचौलिये कैसे सक्रिय हो जाते हैं? अदालतों ने भी उठाया है सवाल यह समस्या केवल श्रद्धालुओं की शिकायतों तक सीमित नहीं है। तमिलनाडु में मंदिरों से संबंधित मामलों में मद्रास उच्च न्यायालय को भी अवैध वसूली और बिचौलियों की भूमिका पर हस्तक्षेप करना पड़ा है। अगस्त 2025 में मद्रास उच्च न्यायालय ने तिरुचेंदूर सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर में श्रद्धालुओं से कम प्रतीक्षा समय में दर्शन कराने के नाम पर अनधिकृत व्यक्तियों द्वारा पैसे लेने के मामले में कार्रवाई के निर्देश दिए थे। अदालत ने पुलिस और मंदिर प्रशासन को ऐसे बिचौलियों के विरुद्ध कार्रवाई करने को कहा। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि तमिलनाडु के मंदिरों के संदर्भ में न्यायालय ने स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए कि मंदिरों में बिचौलियों द्वारा श्रद्धालुओं से धन वसूलने की अनुमति नहीं होनी चाहिए तथा मंदिर की सेवाओं के लिए भुगतान मंदिर प्रशासन के माध्यम से और उचित रसीद के साथ होना चाहिए। अर्थात समस्या काल्पनिक नहीं है। देश के कुछ मंदिरों में ऐसी अनियमितताओं को लेकर प्रशासन और न्यायपालिका को भी हस्तक्षेप करना पड़ा है। कैश फॉर दर्शन पर कार्रवाई का उदाहरण मई 2026 में तिरुचेंदूर मंदिर में निरीक्षण के दौरान एक पुजारी द्वारा दर्शन के लिए कथित रूप से 1,000 रुपये मांगने का मामला सामने आया। रिपोर्ट के अनुसार उस समय मंदिर प्रशासन ने भीड़ के दौरान समान और निःशुल्क दर्शन सुनिश्चित करने के लिए भुगतान आधारित दर्शन व्यवस्था रोक रखी थी। मामले की जांच शुरू की गई। जुलाई 2026 में तमिलनाडु के हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के मंत्री ने भी मंदिरों में अवैध धन वसूली और अन्य अनियमितताओं की शिकायतें प्रमाण सहित देने की अपील की थी।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

पटना, बुधवार, 19 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

वरीय पुलिस अधीक्षक ने की जन शिकायतों पर सुनवाई

छपरा सदर।18 अगस्त को सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस कार्यालय छपरा में जनसुनवाई की गई।जनसुनवाई में आए आवेदकों ने उपस्थित होकर अपनी समस्या बताई, सबके निराकरण हेतु आवश्यक नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। विदित हो कि पुलिस कार्यालय में प्रत्येक कार्य दिवस पर भौतिक रूप से 10:00 बजे सुबह से 02:00 बजे शाम तक जनसुनवाई की जाती है।

जेपीयू में स्नातक में स्पॉट नामांकन के लिए जारी हुआ आदेश

छपरा सदर।जयप्रकाश विश्वविद्यालय छपरा में स्नातक सत्र 2026 - 30 में स्पॉट नामांकन के लिए छात्रों को एक मौका प्रदान किया गया है।इस आशय का पत्र जे पी यू के कुलपति प्रो परमेंद्र कुमार बाजपेई के निर्देश पर अध्यक्ष छात्र कल्याण डॉ विक्रम राणा सिंह ने जारी किया है।अपने पत्र के माध्यम से उन्होंने नामांकन से वंचित छात्रों के लिए एक मौका देते हुए कहा है कि 20 अगस्त से23 अगस्ततकसी०बी०सी०एस० आधारित चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम सत्र 2026-30 में नामांकन हेतु सारण, सिवान एवं गोपालगंज जिले के विद्यार्थियों के लिए स्पॉट नामांकन के माध्यम से महाविद्यालयों में रिक्त सीटों के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जाना है।इच्छुकनयेविद्यार्थीविश्वविद्यालय केबेवसाइटपरउपलब्ध महाविद्यालयवार एवं विषयवार रिक्त सीटों को देखकर ही आवेदन करें। 23 अगस्त के बाद महाविद्यालयों द्वारा रिक्त सीटों के विरुद्ध समर्थ पोर्टल द्वारा तैयार आवंटित सूची के आधार पर नामांकन प्रक्रिया अपनाये जायेंगे। नये विद्यार्थी जय प्रकाश विश्वविद्यालय वेबसाइट में एडमिशन वाले लिंक पर क्लिक कर उक्त तिथियों में आवेदन करेंगे। आवेदन के लिए निर्धारित शुल्क देना होगा।

पूजा कर घर लौट रही महिला को बाइक ने मारी जोरदार टक्कर, मौके पर मौत

डोरीगंज।छपरा-पटना मुख्य मार्ग एनएच-19 फोरलेन पर मंगलवार को दर्दनाक सड़क हादसे में करीब 65 वर्षीय महिला की मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर दिया, जिससे आवागमन बाधित हो गया।मिली जानकारी के अनुसार, डोरीगंज थाना क्षेत्र के मेहरौली गांव निवासी सत्यानंद तिवारी की 65 वर्षीय पत्नी निर्मला देवी पूजा कर अपने घर लौट रही थीं। इसी दौरान पूर्व दिशा से तेज रफ्तार में आ रही बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। आक्रोशित लोगों ने छपरा-पटना मुख्य मार्ग एनएच-19 फोरलेन को जाम कर दिया और वरीय पदाधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग करने लगे। बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में लोग सड़क पर डटे रहे। सूचना मिलने पर डोरीगंज थानाध्यक्ष राज शेखर पुलिस पदाधिकारियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। हालांकि, आक्रोशित लोग तत्काल वरीय अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे। पुलिस द्वारा लोगों को समझाने और सड़क जाम समाप्त कराने का प्रयास किया जा रहा है। घटना के बाद इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है।

पुलिस केंद्र सारण में एसएसपी द्वारा लाइन डे का किया आयोजन

छपरा सदर।18 अगस्त को सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस केन्द्र में साप्ताहिक ह्रासस्तीकाह्न एवं अनुरोध कक्ष का संचालन किया गया। इस अवसर पर वरीय पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित पुलिसकर्मियों की व्यक्तिगत एवं विभागीय समस्याओं तथा विभिन्न मांगों को गंभीरतापूर्वक सुना। सुनवाई के दौरान प्राप्त आवेदनों पर त्वरित एवं निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित ककरन हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सारण द्वारा नवनियुक्त सिपाहियों के बुनियादी प्रशिक्षण का किया गया ब्रीफिंग

छपरा सदर। मंगलवार को सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस केंद्र में नवनियुक्त सिपाहियों के बुनियादी प्रशिक्षण के उद्घाटन समारोह के अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए आवश्यक ब्रीफिंग एवं दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा नवनियुक्त सिपाहियों को पुलिस सेवा की गरिमा, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसेवा के महत्व से अवगत कराया गया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को पूरी लगन एवं अनुशासन के साथ बुनियादी प्रशिक्षण प्राप्त करने तथा कानून के प्रति निष्ठा रखते हुए आमजन के साथ संवेदनशील एवं शालीन व्यवहार करने हेतु प्रेरित किया।

सहयोग शिविर में डीएम का औचक निरीक्षण, भूमिहीन महिलाओं को मिलेगा पर्चा

■ रिविलगंज में नाला निर्माण व जलजमाव की शिकायतों पर डीएम गंभीर, अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई का निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने मंगलवार को रिविलगंज नगर पंचायत अंतर्गत राजकीय मध्य विद्यालय, सोंगर टोला परिसर में आयोजित सहयोग शिविर का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिविर में पहुंचे आमजनों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, शिकायतों एवं प्राप्त आवेदनों की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। शिविर में उपस्थित भूमिहीन महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने पात्र लाभुकों का नियमानुसार सर्वेक्षण कराने तथा योग्य पाए जाने वाले लाभुकों को पर्चा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ दिलाने में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों ने नाला निर्माण एवं जलजमाव की समस्या भी जिलाधिकारी के समक्ष रखी। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को तत्काल स्थल निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने तथा जलजमाव की समस्या के स्थायी एवं प्रभावी समाधान की दिशा में कदम उठाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि सहयोग शिविर का मुख्य उद्देश्य आमजनों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिविर में प्राप्त प्रत्येक शिकायत एवं आवेदन पर गंभीरता से कार्रवाई करते हुए पात्र लाभुकों को नियमानुसार सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए।

सेमरिया मोक्षधाम की बदलेगी सूरत, पुराने शवदाह गृह के पुर्नसंचालन का डीएम ने दिया निर्देश

■ तेज नदी प्रवाह से सुरक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट, नए-पुराने शवदाह गृह तक पथ और भवन की सुरक्षा के लिए बोल्डर पिचिंग होगी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। रिविलगंज नगर पंचायत के सेमरिया स्थित पुराने एवं नए शवदाह गृह/मोक्षधाम की व्यवस्थाओं को बेहतर और सुविधाजनक बनाने की दिशा में जिला प्रशासन ने पहल तेज कर दी है। जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने मंगलवार को दोनों शवदाह गृहों का स्थलीय निरीक्षण कर उपलब्ध सुविधाओं, पहुंच पथ, शौचालय, शवदाह गृह की स्थिति तथा नदी के कटाव से सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पुराने शवदाह गृह की पूर्ण मरम्मति कराकर उसे पुनः संचालित कराने का निर्देश कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत रिविलगंज को दिया। घाट परिसर में मौजूद सभी शौचालयों की आवश्यक मरम्मति कराकर उन्हें उपयोग योग्य बनाने को भी कहा गया, ताकि अंतिम संस्कार के लिए आने वाले लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। जिलाधिकारी ने नए एवं पुराने दोनों शवदाह गृह तक आवागमन को सुगम बनाने के लिए पहुंच पथ पर पेवर ब्लॉक लगाकर पथ निर्माण कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि घाट परिसर में आने-जाने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए तथा परिसर की व्यवस्था व्यवस्थित और सुरक्षित होनी चाहिए। नदी में तेज प्रवाह को देखते हुए नए विद्युत शवदाह गृह भवन के नदी की ओर वाले हिस्से की सुरक्षा को लेकर जिलाधिकारी ने विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने परियोजना निदेशक, बुडको को संबंधित हिस्से में उचित बोल्डर पिचिंग कराने तथा आवश्यक सुरक्षात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा, ताकि नदी के तेज बहाव और संभावित कटाव से भवन को नुकसान से बचाया जा सके। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता, बाढ़ नियंत्रण एवं जल निस्सरण प्रमंडल को आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने के लिए पर्याप्त मात्रा में कटाव निरोधी सामग्री सुरक्षित रखने का निर्देश दिया, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल बचाव एवं सुरक्षात्मक कार्य शुरू किया जा सके।

जिलाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को सभी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा कराने तथा सेमरिया मोक्षधाम की व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

सहयोग शिविर: मनरेगा, जनवितरण और राजस्व से जुड़े 39 मामलों का हुआ निपटारा

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। परसा प्रखंड की बहरमाड़र पंचायत में ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मनरेगा, जनवितरण प्रणाली एवं राजस्व विभाग से संबंधित कुल 39 मामलों का निपटारा किया गया। अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे ग्रामीणों को विभागवार जानकारी दी गई तथा कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया।शिविर में नोडल अधिकारी सौरव कुमार, अंचलाधिकारी अनुज कुमार, सीडीपीओ मुक्ता, पीएचईडी के जेई देवेंद्र कुमार सहित पंचायत के मुखिया सुनील कुमार राम मौजूद रहे। अधिकारियों ने ग्रामीणों की शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभाग के कर्मियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।शिविर के दौरान मनरेगा से जुड़े कार्यों, मजदूरी एवं रोजगार से संबंधित मामलों के साथ-साथ जनवितरण प्रणाली के तहत राशन से जुड़ी समस्याओं तथा राजस्व विभाग से संबंधित मामलों की सुनवाई की गई। ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं, जिस पर संबंधित पदाधिकारियों ने आवश्यक कागजात और प्रक्रिया की जानकारी देते हुए समाधान की कार्रवाई की।नोडल अधिकारी सौरव कुमार ने कहा कि इस तरह के सहयोग शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों को सरकारी कार्यालयों का चक्कर लगाने से राहत दिलाना और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। उन्होंने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों एवं कर्मियों को प्राप्त शिकायतों का समय पर निष्पादन करने का निर्देश दिया।वहीं, अंचलाधिकारी अनुज कुमार ने राजस्व से संबंधित मामलों में ग्रामीणों को आवश्यक प्रक्रिया एवं दस्तावेजों की जानकारी दी। सीडीपीओ मुक्ता ने बाल विकास एवं महिला से संबंधित योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी, जबकि पीएचईडी के जेई देवेंद्र कुमार ने पेयजल से जुड़ी समस्याओं को सुना।शिविर में पंचायत के मुखिया सुनील कुमार राम ने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं का पंचायत स्तर पर समाधान होने से लोगों को काफी सुविधा मिलती है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना और उनकी शिकायतों का समय पर समाधान करना प्राथमिकता होनी चाहिए।

कुलाधिपति कार्यालय के निर्देश से जेपीयू में प्रभारी प्राचार्य प्रकरण को झटका

■ नवस्थापित डिग्री कॉलेजों में वैकल्पिक व्यवस्था का निर्देश, योगदान नहीं देने वाले प्राध्यापकों को मिली राहत

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। नवस्थापित राजकीय डिग्री कॉलेजों में प्रभारी प्राचार्य की प्रतिनियुक्ति को लेकर चल रहे विवाद के बीच कुलाधिपति कार्यालय ने राज्य के विश्वविद्यालयों को महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है। कुलाधिपति के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार की ओर से जारी पत्र में नवस्थापित डिग्री कॉलेजों में प्रभावी शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा गया है। निर्देश के अनुसार, जिन नवस्थापित राजकीय डिग्री कॉलेजों में तैनात प्राचार्य ने अब तक योगदान नहीं दिया है अथवा योगदान देने के बाद किसी वैध एवं उचित आधार पर अपनी तैनाती पर पुनर्विचार का अनुरोध किया है, विश्वविद्यालय को मामले की जांच कर उचित निर्णय लेने को कहा गया है। पत्र में यह भी कहा गया है कि आवश्यकता पड़ने पर संबंधित विश्वविद्यालय नवस्थापित डिग्री कॉलेज के प्राचार्य का अतिरिक्त प्रभार किसी मौजूदा अंगीभूत कॉलेज के प्राचार्य अथवा एसोसिएट प्रोफेसर/प्रोफेसर को सौंप सकता है। प्राथमिकता ऐसे अधिकारी को देने की बात कही गई है, जो संबंधित नवस्थापित कॉलेज के निकट क्षेत्र में स्थित किसी अंगीभूत कॉलेज में कार्यरत हों। अतिरिक्त प्रभार प्राप्त अधिकारी नियमित दायित्वों के साथ नवस्थापित कॉलेज के प्राचार्य की जिम्मेदारियां भी निभाएंगे, ताकि नियमित व्यवस्था होने तक कॉलेज का शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कामकाज निर्बाध रूप से चलता रहे। कुलाधिपति कार्यालय ने प्रत्येक नवस्थापित राजकीय डिग्री कॉलेज में उपयुक्त प्रभारी प्राचार्य की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा आवश्यक कार्रवाई शीघ्र पूरी करने का निर्देश दिया है। कुलाधिपति कार्यालय के इस निर्देश को जयप्रकाश विश्वविद्यालय (जेपीयू) से जुड़े उन प्राध्यापकों के लिए राहत के रूप में देखा जा रहा है, जिन्होंने प्रभारी प्राचार्य के रूप में प्रतिनियुक्ति के बावजूद योगदान नहीं किया है। संबंधित प्राध्यापकों का कहना है कि उन्हें इस मामले में न्याय मिलने की उम्मीद बढ़ी है। मालूम हो कि प्रभारी प्राचार्य के रूप में प्रतिनियुक्त कुछ प्राध्यापकों ने जेपीयू प्रशासन की कथित नियम-विरुद्ध प्रक्रिया एवं प्रतिनियुक्ति को पटना उच्च न्यायालय में चुनौती दी है।

सहयोग शिविर : अगौथर सुंदर पंचायत में 95 मामलों का ऑन-द-स्पॉट हुआ निष्पादन

प्रात : किरण संवाददाता

इसुआपुर। प्रखंड के अगौथर सुंदर पंचायत सरकार भवन परिसर में मंगलवार को आईसीडीएस किरण शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित सहयोग शिविर में 95 मामलों का आन द स्पॉट निष्पादन कर दिया गया। शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित 102 समस्यात्मक आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें राशन कार्ड, वृद्धावस्था पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, शौचालय, मनरेगा, सामाजिक सुरक्षा, बिजली, नल-जल, राजस्व एवं स्वास्थ्य विभाग से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए थे। इस मौके पर बीडीओ इंजीनियर सत्यम सिंह ने बताया कि सरकार द्वारा पंचायत स्तर पर सहयोग शिविर आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना तथा उन्हें छोटी-छोटी समस्याओं के लिए प्रखंड एवं अन्य सरकारी कार्यालयों का अनावश्यक चक्कर लगाने से बचाना है। उन्होंने कहा कि शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है। ताकि पात्र लाभुक सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठा सकें। इस दौरान मनरेगा पीओ तृप्ति लाल, मुखिया विजय सिंह, सीडीपीओ मिनाक्षी कुमारी, विधायक प्रतिनिधि सोनू राज सोनू, दीपक कुमार, अखिलेश मिश्रा, पंचायत सचिव लोकेश कुमार, मनोज कुमार सिंह, एलएस अर्चना कुमारी, कुणाल सिंह, राजू सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे। शिविर में सबसे अधिक आवेदन राशन कार्ड एवं शौचालय से संबंधित प्राप्त हुए। हालांकि, पीएचईडी विभाग से किसी अधिकारी या कर्मी के उपस्थित नहीं रहने के कारण नल-जल एवं पेयजल से संबंधित मामलों के निष्पादन में ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। लोगों ने बताया कि वार्ड संख्या 3 और 5 में नल जल बंद पड़ा है।

गरीबों की समस्याओं और कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ मजदूर यूनियन का प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

इसुआपुर। बिहार प्रांतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन के आह्वान पर मंगलवार को ज्वलंत जनसमस्याओं और गरीबों पर कथित जुल्म के खिलाफ प्रखंड मुख्यालय परिसर में प्रदर्शन एवं सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता नूरहसन अंसारी ने की, जबकि संचालन कामरेड गंगासागर राम ने किया। प्रदर्शन के बाद सीपीआईएम एवं बिहार प्रांतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने प्रखंड विकास पदाधिकारी इं सत्यम सिंह को विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से दलितों के कथित अपमान के मामले में एसआई अंकित कुमार ओझा को निलंबित करने, सभी गरीबों का नाम राशन कार्ड में जोड़ने, बकाया बिजली बिल माफ करने तथा स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक लगाने की मांग की गई। इसके अलावा पिपरहियां, भकुरा, भिठ्ठी बाजार सहित सभी दलित टोलों को संपर्क पथ से जोड़ने, गरीब परिवारों को आवास निर्माण के लिए पांच डिसमिल जमीन उपलब्ध कराने तथा क्षेत्र में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग उठाई गई। यूनियन ने दाखिल-खारिज में कथित रिश्वतखोरी पर रोक लगाने तथा जाति, आय, आवासीय, मृत्यु और जन्म प्रमाण पत्र बनाने में व्याप्त भ्रष्टाचार को समाप्त करने की मांग की। किसानों का ऋण माफ करने, मठिया की जमीन की अवैध बिक्री एवं कब्जे पर रोक लगाने तथा मुरवां एराजी और नवादा मठिया सहित अन्य स्थानों पर भूमि संबंधी समस्याओं का समाधान करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल थी। वहीं, मनरेगा योजनाओं में कथित भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की भी मांग की गई।

इसुआपुर पंचायत में श्मशान गृह का निर्माण कराने और श्मशान की जमीन उपलब्ध कराने, सभी गली-नालियों का पक्कीकरण एवं नाला निर्माण कराने, शामपुर बेयालीस महादलित टोला तथा गैरमजरुआ जमीन पर बसे सहवां महादलित टोला के लोगों को जमीन का पर्चा देने की मांग की गई। इसके साथ ही दलित टोलों में सामुदायिक शौचालय निर्माण, नहरों की मिट्टी भराई एवं पीसीसी निर्माण कराने सहित अन्य जनसमस्याओं के समाधान की मांग की गई। सभा को मुख्य वक्ता राज्य सचिव मंडल सदस्य रामपरी, राज्य उपाध्यक्ष कामरेड गिता सागर राम, कामरेड अहमद अली, कालिदास, देवानंद प्रसाद, जितेंद्र साह, सूरज चौहान, गोविंदा माझी, लक्ष्मण माझी, उमेश राम सहित अन्य नेताओं ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि गरीबों, दलितों, किसानों और मजदूरों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

सहयोग शिविर का हुआ आयोजन, ग्रामीणों की जुटी भीड़

दरियापुर। स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के जितवारपुर पंचायत में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया।जिसका उद्घाटन भूमि सुधार उप समाहर्ता सोनपुर राधेश्याम मिश्रा ने किया।शिविर में सैकड़ों ग्रामीणों ने अपनी समस्या से जुड़े आवेदन दिया।शिविर सबसे अधिक भूमि विवाद से संबंधित मामले पहुंचे थे।हालांकि प्रत्येक विभागों से संबंधित टेबल बनाए गए थे।जिस पर विभागीय अधिकारी एवं कर्मी की तैनाती की गई थी। इसके साथ ही अंचलाधिकारी जयंत गौतम,बीडीओ अरुण कुमार समेत कई अन्य अधिकारी मौजूद थे।

सारण पुलिस द्वारा रात्रि गश्त, होटलों, ज्वेलर्स दुकानों, एवं बैंकों का सघन चेकिंग

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में होटल, लॉज एवं हॉस्टलों का सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान आगंतुकों का सत्यापन, होटल रजिस्टर की जांच, संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान तथा सुरक्षा मानकों के अनुपालन का निरीक्षण किया जा रहा है। सारण पुलिस द्वारा सभी होटल एवं लॉज संचालकों को निर्देशित किया गया है कि बिना वैध पहचान पत्र के किसी भी व्यक्ति को कमरा उपलब्ध न कराएं तथा सभी आगंतुकों का विवरण निर्धारित रजिस्टर में अनिवार्य रूप से दर्ज करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तात्काल स्थानीय थाना अथवा नियंत्रण कक्ष को दें। सारण जिला अंतर्गत अपराध नियंत्रण हेतु प्रभावी गस्ती एवं सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिले को 6 जोन में विभाजित करते हुए प्रतिदिन रात्रि में सुपर पेट्रोलिंग की व्यवस्था की गई है।

साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। लायंस-लियो क्लब ऑफ छपरा टाउन के बैनर तले ह्रगाइडलाइंस करियर इंस्टीट्यूटह्न में एक विशेष साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता साइबर डीएसपी चंद्रभूषण जी थे, जिन्होंने छात्रों और युवाओं को बढ़ते साइबर अपराधों से सुरक्षित रहने के लिए महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए साइबर डीएसपी चंद्रभूषण जी ने अज्ञात अढङ फाइलों को डाउनलोड न करने और संदिग्ध मैसेज लिंक्स पर क्लिक करने से बचने की सख्त सलाह दी, जिससे मोबाइल हैक होने का खतरा रहता है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से दूरी बनाने, संदिग्ध वीडियो कॉल स्वीकार न करने और खुद को ब्लैकमेलिंग से सुरक्षित रखने के टिप्स साझा किए। इसके अलावा, उन्होंने सभी को अपने जीमेल और व्हाट्सएप खातों में सुरक्षा के दृष्टिकोण से टू-स्टेप ऑथेंटिकेशन चालू रखने की हिदायत दी। इस अवसर पर लायंस क्लब छपरा टाउन के अध्यक्ष लायन आदित्य, गाइडलाइंस करियर इंस्टीट्यूट के निदेशक विकास गुप्ता, कार्यक्रम चेयरपर्सन अली अहमद, लियो क्लब के आशुतोष पांडेय , लक्ष्मी, कशिश्मा तथा साइबर थाना से एसआई संदीप जी, अर्चना, मोहन, अजीत, दीपक और रंजीत सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

खेलो इंडिया अस्मिता लीग- छपरा सदर की बेटियों ने सेपक टाकरा में लहराया परचम, जीता स्वर्ण पदक

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। खेल के मैदान पर बेटियों की बढ़ती भागीदारी और उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन का एक और शानदार उदाहरण छपरा में देखने को मिला है। स्थानीय शहर स्थित एक प्रतिष्ठित निजी विद्यालय के परिसर में ह्रखेलो इंडिया अस्मिता लीगह्न के तहत सेपक टाकरा प्रतियोगिता का आयोजन बेहद सफल और उत्साहवर्धक माहौल में संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों और क्षेत्रों से आई बालिका खिलाड़ियों ने अपनी फुर्ती, एकाग्रता और शानदार खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दर्शकों का दिल जीत लिया।

छपरा सदर का दबदबा, जीता गोल्ड मेडलः खिलाड़ियों के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बिहार सेपक टाकरा संघ के सचिव डॉ. करुणेश कुमार ने कहा कि प्रतियोगिता का मुख्य आकर्षण छपरा सदर की टीम का प्रदर्शन रहा। शुरूआत से ही अपने आक्रामक और अनुशासनप्रिय खेल से सभी को प्रभावित करने वाली छपरा सदर की टीम ने फाइनल मुकाबले में शानदार जीत दर्ज करते हुए गोल्ड मेडल (स्वर्ण पदक) अपने नाम किया। खिलाड़ियों के समन्वय और किक- वॉली के बेहतरीन तालमेल ने विरोधी टीम को संभलने का मौका नहीं दिया। वहीं, दूसरी ओर स्थानीय विद्यालय की बालिका खिलाड़ियों ने भी बेहद कड़ा मुकाबला करते हुए प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया और सिल्वर मेडल (रजत पदक) अपने नाम किया। दोनों ही टीमों के बीच का मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसे देखने के लिए खेल प्रेमियों की अच्छी खासी भीड़ मौजूद थी।

आयोजकों और अतिथियों ने बढ़ाया खिलाड़ियों का हौसलाः अध्यक्ष- सारण जिला सेपक टाकरा संघ के अध्यक्ष विकास कुमार ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी विजेता खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेलो इंडिया अस्मिता लीग जैसी प्रतियोगिताएं ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने का काम कर रही हैं। खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता है। उन्होंने सभी बालिकाओं से आह्वान किया कि वे निरंतर कड़ी मेहनत, अटूट अनुशासन और सच्ची खेल भावना के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने विश्वास जताया कि इनमें से कई खिलाड़ी आने वाले समय में राज्य और देश का नाम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगी।

सेपक टाकरा खेल के प्रति बढ़ा रुझानः सारण जिला सेपक टकरा संघ के सचिव तरुण कुमार सिंह ने बताया कि बिहार में तेजी से लोकप्रिय हो रहे सेपक टाकरा खेल (जो कि वॉलीबॉल और मार्शल आर्ट्स का एक अनूठा मिश्रण माना जाता है) में बालिकाओं की इतनी बड़ी संख्या में भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि सारण जिले में खेल संस्कृति मजबूत हो रही है। इस सफल आयोजन से न केवल खिलाड़ियों का मनोबल ऊंचा हुआ है, बल्कि आने वाले समय में क्षेत्र के अन्य युवाओं को भी खेलों से जुड़ने की प्रेरणा मिलेगी। प्रतियोगिता का समापन सभी खिलाड़ियों और आयोजकों द्वारा खेल भावना की शपथ लेने और मिष्ठान वितरण के साथ हुआ। प्रतियोगिता के समापन समारोह के दौरान विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों की हौसला अफजाई करने के लिए कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

इंडस्ट्रियल फिश एंड फिशरीज के विद्यार्थियों का हुआ फेयरवेल

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। गंगा सिंह कॉलेज, छपरा में बीएससी (इंडस्ट्रियल फिश एंड फिशरीज) सत्र 2023-26 के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए आज विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. प्रमेन्द्र रंजन सिंह ने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और कहा कि वे अपने ज्ञान एवं कौशल का उपयोग करते हुए सफलता की नई ऊंचाइयां हासिल करें। विजिटिंग फैकल्टी डॉ. कुमारी उमा और कोऑर्डिनेटर श्री नलिन रंजन ने भी छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने कॉलेज में अपने अध्ययन काल के अनुभव साझा किए। उन्होंने शिक्षकों एवं महाविद्यालय से मिले सहयोग और मार्गदर्शन के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ पुनीत पांडेय, श्री अभिषेक चतुर्वेदी, श्री राजीव गिरी, डॉ. संतोष कुमार सिंह, डॉ कमाल अहमद, डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंह, डॉ. राजेश कुमार, डॉ रुद्र नारायण शर्मा, डॉ नारायण दत्त शर्मा, डॉ राजेश मांझी सहित अन्य महाविद्यालयकर्मी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

गांजा विक्रेता को हुई सजा एवं अर्थ दंड

छपरा। विशेष न्यायाधीश मादक पदार्थ सह जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम सैयद मोहम्मद फजलुल बारी ने बनियापुर थाना कांड संख्या 184 /16 के एनडीपीएस वाद संख्या 2/16 में बनियापुर थाना के पुछरी बाजार निवासी धर्मेंद्र साह को एनडीपीएस की धारा 20( )(इ) में पांच साल सशर्म कारावास एवं पांच हजार अर्थ दंड नहीं देने पर अतिरिक्त तीन माह की सजा सुनाई है। अभियोजन की ओर से मादक पदार्थ के विशेष लोक अभियोजक मिथिलेश कुमार सिंह ने सरकार का पक्ष न्यायालय में रखा था और कुल आठ गवाहों की गवाही न्यायालय में कराई थी सजा की बिंदु पर उन्होंने न्यायालय से गुहार लगाया की कड़ी से कड़ी सजा दी जाए ताकि समाज में मादक पदार्थ बेचने वालों में डर व्याप्त हो।बताते चले की थाना कांड के सूचक बनियापुर थाना के थानाध्यक्ष ज्वाला सिंह ने 6 जुलाई 2016 को प्राथमिकी दर्ज की थी जिसमें उन्होंने बतलाया था कि वह दिवा गश्ती पर पैगंबरपुर में थे। तभी उन्हें गुप्त सूचना मिली कि पूछरी ग्राम के धर्मेंद्र साह अपने घर में गांजा रखकर बिक्री कर रहे हैं । सूचना पर पुलिस बल के साथ उन्होंने धर्मेंद्र साह के घर पर छापामारी की तो पाया कि उनके पलंग के नीचे 2 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

संक्षिप्त खबरें

आरा का बुढ़वा महादेव, जहां पांडवों से लेकर राजा भोज तक ने की थी महादेव की पूजा

आरा। भोजपुर मुख्यालय आरा शहर में स्थित बुढ़वा महादेव मंदिर भगवान शिव के प्राचीनतम और प्रसिद्ध शिवालयों में शुमार है। मंदिर की प्राचीनता को लेकर अनेक धार्मिक मान्यताएं प्रचलित है। स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं के बीच यह मान्यता है कि यह मंदिर महाभारतकालीन है और अज्ञातवास के दौरान पांडवों ने यहां भगवान शिव की पूजा-अर्चना की थी। हालांकि मंदिर की स्थापना किसने और कब की इसका स्पष्ट ऐतिहासिक उल्लेख उपलब्ध नहीं है लेकिन यहां स्थापित प्राचीन शिवलिंग और मंदिर में प्रयुक्त पत्थर इसकी पुरातनता की ओर संकेत करते हैं। पांडवों और वाणासुर से जुड़ी मान्यता बुढ़वा महादेव मंदिर को लेकर कई पौराणिक कथाएं और लोक मान्यताएं प्रचलित है। कहा जाता है कि अज्ञातवास के दौरान भीम सहित सभी पांडवों ने यहां भगवान शिव की आराधना की थी। इसके अलावा इस स्थल को वाणासुर की शिव आराधना से भी जोड़कर देखा जाता है। स्थानीय मान्यता के अनुसार राजा भोज ने भी यहां पहुंचकर भगवान शिव की पूजा की थी। इन्हीं प्राचीन धार्मिक मान्यताओं और मंदिर की पुरातनता के कारण कालांतर में यह शिवालय बुढ़वा महादेव के नाम से प्रसिद्ध हुआ। मंदिर में स्थापित भगवान शिव का विशाल शिवलिंग श्रद्धालुओं के लिए विशेष आस्था का केंद्र है। स्थानीय स्तर पर समय-समय पर शिवलिंग के आकार में वृद्धि होने की चर्चा भी होती रही है, जिसे भक्त भगवान शिव की महिमा और चमत्कार से जोड़कर देखते हैं।

भोजपुर के डीएम-एसपी का तबादला

आरा। जिले के शाहपुर प्रखंड के बिलौटी गांव में बीते 17 जून को हुए चर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर मामले के बीच भोजपुर के जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया और पुलिस अधीक्षक मिस्टर राज का तबादला कर दिया गया है। दोनों अधिकारियों के स्थानांतरण के बाद जिले में इसको लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं और लोग तबादले को भरत तिवारी प्रकरण से जोड़कर देख रहे हैं। हालांकि, तबादले से संबंधित आधिकारिक आदेश में भरत तिवारी मामले को दोनों अधिकारियों के स्थानांतरण की वजह बताए जाने की कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसे में तबादले को सीधे तौर पर इस प्रकरण से जोड़ना फिलहाल उचित नहीं माना जा रहा है गौरतलब है कि भरत तिवारी प्रकरण के बाद से ही पीड़ित परिवार और ग्रामीण लगातार न्याय की मांग कर रहे हैं। मामले की जांच के लिए सरकार की ओर से न्यायिक जांच आयोग का गठन किया गया था। आयोग की अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने पीड़ित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने के साथ आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की घोषणा की है।

पेड़ से लटका मिला किशोर का शव

आरा। जिले के गजराजगंज ओपी क्षेत्र के गजराजगंज गांव में मंगलवार की सुबह सड़क किनारे पेड़ से लटका एक किशोर का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव गांव में ही घर से कुछ दूरी पर स्थित पेड़ से लटका मिला। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। प्रथमदृष्टया प्रेम-प्रसंग के कारण किशोर द्वारा खुदकुशी किए जाने की चर्चा है। मृतक की पहचान बड़हरा थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव निवासी स्व. जयराम साह के 17 वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमार साह के रूप में हुई है। बताया जाता है कि प्रिंस पिछले कुछ वर्षों से अपने परिजनों के साथ गजराजगंज गांव में रह रहा था। परिजनों के अनुसार सोमवार की रात सभी लोग खाना खाने के बाद सो गए थे। इसी बीच मंगलवार की तड़के प्रिंस घर से बाहर निकल गया। घर से कुछ ही दूरी पर सड़क किनारे स्थित एक पेड़ पर गमछे के सहारे उसका शव लटकता मिला। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई।

दिव्यांगों के लिए लगाए गए जॉब कैंप में 17 अभ्यर्थियों का चयन

आरा। जिला नियोजनालय, भोजपुर के तत्वावधान में मंगलवार को जिला नियोजनालय परिसर स्थित बुनियाद केंद्र में दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए एक दिवसीय विशेष जॉब कैंप सह मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला नियोजन पदाधिकारी प्रणव प्रतीक, कौशल प्रबंधक कृष्ण किशोर एवं कृष्ण कुमार यादव समेत सभी नियोजकों ने किया। जॉब कैंप में निजी क्षेत्र की दो कंपनियों की ओर से स्टॉल लगाए गए थे, जहां 81 से अधिक रिक्तियों की जानकारी अभ्यर्थियों को दी गई। इसके अलावा व्यावसायिक मार्गदर्शन के लिए दो स्टॉल लगाए गए, जिनमें डीआरसीसी एवं एनसीएसएससी-डीए पटना की ओर से अभ्यर्थियों को जानकारी एवं मार्गदर्शन दिया गया। आयोजित जॉब कैंप में कुल 45 बायोडाटा प्राप्त हुए। इनमें से 17 अभ्यर्थियों का स्थल चयन किया गया।

सहयोग शिविर में अफसरों की गैरमौजूदगी पर उठे सवाल, 83 आवेदन मिले

प्रातः किरण संवाददाता

बड़हरा। प्रखंड की बड़हरा और बभनगावां पंचायत में मंगलवार को आयोजित पंचायत स्तरीय सहयोग शिविर में कुल 83 आवेदन प्राप्त हुए। बड़हरा पंचायत के रामपुर में लगे शिविर में 28, जबकि बभनगावां पंचायत के चातर गांव स्थित पंचायत सरकार भवन में 55 आवेदन आए। बड़हरा पंचायत में कई अधिकारियों के मौजूद नहीं रहने पर बीस सूत्री अध्यक्ष ने नाराजगी जताई। बभनगावां पंचायत के चातर गांव में आयोजित शिविर का निरीक्षण सदर आरा की अनुमंडल पदाधिकारी शिप्रा विजय कुमार चौधरी ने किया। उन्होंने मौजूद पदाधिकारियों और कर्मियों से विभिन्न विभागों की ओर से किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। साथ ही ग्रामीणों से प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निष्पादन करने का निर्देश दिया। शिविर के दौरान एसडीएम ने मौके पर दो जन्म प्रमाण पत्र, दो वंशावली और पांच राशन कार्ड का वितरण किया। वहीं, ग्रामीणों ने विभिन्न योजनाओं से संबंधित 55 आवेदन दिए। इधर, बड़हरा पंचायत के रामपुर में आयोजित शिविर में अधिकारियों की अनुपस्थिति को लेकर बीस सूत्री अध्यक्ष शुभम कुमार पांडे ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि कार्यालय आदेश के अनुसार शिविर में कई पदाधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई थी, लेकिन प्रखंड कल्याण पदाधिकारी को छोड़कर कई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे। उन्होंने अंचलाधिकारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी और कृषि समन्वयक के शिविर में नहीं पहुंचने की शिकायत बीडीओ बड़हरा और डीडीसी भोजपुर से दूरभाष पर की। बीस सूत्री अध्यक्ष ने कहा कि अधिकारियों को शिविर की जानकारी देने के बावजूद उनके नहीं पहुंचने से ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान में परेशानी हुई। उन्होंने कहा कि सरकार की सहयोग शिविर योजना का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर समाधान करना है, लेकिन अधिकारियों की अनुपस्थिति से बड़हरा पंचायत का शिविर ही सहयोग का मोहताज नजर आया। वहीं, बभनगावां पंचायत के चातर गांव में आयोजित शिविर को लेकर कुछ ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उन्हें शिविर के आयोजन की जानकारी नहीं दी गई थी। इस संबंध में बीडीओ बड़हरा ने बताया कि अंचलाधिकारी एक मामले के सिलसिले में पटना हाईकोर्ट गए हुए थे। वहीं, जो पदाधिकारी स्वयं शिविर में उपस्थित नहीं हो सके, उनके प्रतिनिधि मौके पर मौजूद थे। समाचार लिखे जाने तक एसडीएम से दूरभाष पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया।

एलपीजी की ई-केवाईसी के लिए 23 अगस्त तक मौका, शिकायतों के बाद बढ़ी समय सीमा

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए राहत की खबर है। गैस कनेक्शन की ई-केवाईसी कराने की समयसीमा बढ़ाकर अब 23 अगस्त कर दी गई है। पहले उपभोक्ताओं को 16 अगस्त तक ई-केवाईसी कराने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, गैस एजेंसियों पर बढ़ती भीड़, मोबाइल एप में तकनीकी परेशानी और सर्वर डाउन रहने की शिकायतों के बाद तेल विपणन कंपनियों ने उपभोक्ताओं को अतिरिक्त समय देने का निर्णय लिया है। बताया गया कि ई-केवाईसी की प्रक्रिया को लेकर पिछले कुछ दिनों से उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। कई बार आधिकारिक मोबाइल एप के ठीक से काम नहीं करने और सर्वर डाउन रहने के कारण घंटों तक प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही थी। इसके अलावा गैस एजेंसियों पर भी उपभोक्ताओं की लंबी कतारें लग रही थीं। ऐसे में कंपनियों ने उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अंतिम तिथि बढ़ा दी है। गैस उपभोक्ता अब घर बैठे भी ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। इसके लिए संबंधित गैस कंपनी का आधिकारिक मोबाइल एप गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करना होगा। एप में पंजीकृत मोबाइल नंबर से लॉगिन करने के बाद ई-केवाईसी या आधार सत्यापन के विकल्प पर जाना होगा। इसके बाद आधार नंबर दर्ज कर चेहरे के माध्यम से पहचान सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। प्रक्रिया सफल होने पर स्क्रीन पर पुष्टि संदेश दिखाई देगा और मोबाइल नंबर पर एसएमएस भी प्राप्त होगा। उपभोक्ता अपनी नजदीकी गैस एजेंसी पर जाकर भी ई-केवाईसी करा सकते हैं। एजेंसी पर उपलब्ध सुविधा के माध्यम से फिंगरप्रिंट की मदद से आधार सत्यापन कराया जा सकता है। इसके अलावा डिलीवरीमैन के पास उपलब्ध मशीन के माध्यम से भी बायोमेट्रिक सत्यापन कर ई-केवाईसी पूरी कराने की सुविधा दी गई है। गैस कंपनियों ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना जल्द से जल्द ई-केवाईसी करा लें। जिन उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी पहले ही पूरी हो चुकी है, उन्हें दोबारा प्रक्रिया कराने की आवश्यकता नहीं है। वहीं, जिन उपभोक्ताओं को अपनी ई-केवाईसी की स्थिति को लेकर संदेह है, वे संबंधित गैस कंपनी के आधिकारिक एप या नजदीकी गैस एजेंसी से इसकी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

चातर में दुर्गा पूजा महोत्सव को लेकर बैठक, पदाधिकारियों का हुआ चयन

प्रातः किरण संवाददाता

बड़हरा (भोजपुर)। दुर्गा पूजा समिति चातर की ओर से दुर्गा मंदिर परिसर में वटवृक्ष के नीचे दुर्गा पूजा महोत्सव के आयोजन को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी दुर्गा पूजा महोत्सव की तैयारियों पर चर्चा करने के साथ समिति के पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। बैठक में संजय सिंह को अध्यक्ष, सचिन बृजमोहन पासवान को तथा मनू यादव, राजा सिंह और भूषण सिंह को कोषाध्यक्ष चुना गया। वहीं बालदेव सिंह और सत्येंद्र सिंह को व्यवस्थापक की जिम्मेदारी दी गई। इसके अलावा बिहारी यादव, वासुदेव सिंह, रविशंकर सिंह, गंगाधर सिंह, छोटू कुमार सिंह, परमेश्वर पासवान, रितिक कुमार, अमन सिंह, राजकुमार सिंह, सूरज कुमार सिंह और दीपक कुमार को सक्रिय सदस्य बनाया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दुर्गा पूजा महोत्सव धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। समिति के सदस्यों ने महोत्सव को बेहतर ढंग से आयोजित करने के लिए आपसी सहयोग और जिम्मेदारियों के निर्वहन पर जोर दिया। आयोजन में चातर सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है।

संघ के समर्पित स्वयंसेवक दूधनाथ पांडेय का निधन, भोजपुर संघ विचार परिवार में शोक

प्रातः किरण संवाददाता

बड़हरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रति वर्ष 1990 से निष्ठा और समर्पण के साथ सक्रिय रहे सबलपुर गंगौली निवासी दूधनाथ पांडेय का मंगलवार की सुबह निधन हो गया। उनके निधन की खबर से बड़हरा सहित पूरे भोजपुर के संघ विचार परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। दूधनाथ पांडेय प्रथम वर्ष प्रशिक्षित स्वयंसेवक थे। उन्होंने अपने जीवन का लंबा सफर संघ के कार्यों और समाजसेवा को समर्पित किया। साइकिल को अपना माध्यम बनाकर वे बड़हरा प्रखंड के गांव-गांव तक पहुंचते रहे और लोगों के बीच राष्ट्र, समाज, संस्कार और सेवा के प्रति जागरूकता का संदेश देते रहे। वे बड़हरा खंड में खंड कार्यवाह, संघचालक सहित विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए संघ के विचारों, सिद्धांतों और संस्कारों को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाते रहे। संघ से जुड़े विभिन्न सेवा कार्यों में भी उनकी महत्वपूर्ण भागीदारी रही। उनके संघ कार्यों के दौरान विजय सिंह (आलेखा टोला), पंकज उपाध्याय (महुदही), देवानंद उपाध्याय, शैलेन्द्र कुंवर, ब्रह्मशंकर पांडेय (फरना), शिवजनम सिंह (बबुरा) और रतन सिंह (बिशुनपुर) सहित कई स्वयंसेवक बंधु उनके अनन्य सहयोगी रहे। इन स्वयंसेवकों के साथ मिलकर उन्होंने बड़हरा प्रखंड के गांव-गांव में संघ के विचार, संस्कार और सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। दूधनाथ पांडेय को संघ कार्यकर्ताओं ने देवदुर्लभ स्वयंसेवक, सच्चे राष्ट्रभक्त और त्याग एवं समर्पण की प्रतिमूर्ति बताया। भाजपा, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और सेवा भारती सहित संघ विचार परिवार से जुड़े विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं के साथ उनका आत्मीय संबंध रहा। भारत को परम वैभव तक पहुंचाने के संकल्प के साथ अपना सर्वस्व राष्ट्र और समाज के लिए समर्पित करने वाले दूधनाथ पांडेय के निधन को संघ विचार परिवार ने अपूरणीय क्षति बताया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि बड़हरा में संघ के विस्तार और सामाजिक कार्यों में उनके योगदान को लंबे समय तक याद किया जाएगा। उनके निधन से बड़हरा ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भोजपुर का संघ विचार परिवार मर्माहत है। स्वयंसेवकों ने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिजनों को इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

मैट्रिक और इंटर परीक्षा के पंजीयन का अंतिम मौका, 22 अगस्त तक आवेदन

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने इंटरमीडिएट एवं मैट्रिक वार्षिक परीक्षा 2027 में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एवं अनुमति आवेदन का अंतिम अवसर दिया है। अब तक पंजीयन से वंचित विद्यार्थी 18 से 22 अगस्त तक विलंब शुल्क के साथ अपना आवेदन पूरा कर सकते हैं। बोर्ड के इस निर्णय से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को राहत मिली है, जो निर्धारित अवधि में अपना रजिस्ट्रेशन नहीं करा सके थे। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ. त्यागराजन एसएम ने बताया कि इंटरमीडिएट एवं मैट्रिक वार्षिक परीक्षा 2027 के लिए जिन विद्यार्थियों का अब तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एवं अनुमति आवेदन नहीं हो सका है, उन्हें विशेष एवं अंतिम अवसर प्रदान किया गया है। इस अवधि में विद्यार्थियों को निर्धारित विलंब शुल्क के साथ आवेदन एवं शुल्क जमा करना होगा। इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए संबंधित शिक्षण संस्थानों के प्रधान अपने यूजर आईडी और पासवर्ड के माध्यम से समिति की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एवं शुल्क जमा कर सकेंगे। वहीं मैट्रिक परीक्षा के लिए मान्यता प्राप्त विद्यालयों के प्रधान अपने यूजर आईडी और पासवर्ड का इस्तेमाल कर वेबसाइट पर प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। शुल्क जमा करने के लिए समिति द्वारा उपलब्ध कराए गए डायरेक्ट लिंक का भी उपयोग किया जा सकता है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित अवधि के भीतर छूटे हुए विद्यार्थियों का रजिस्ट्रेशन और अनुमति आवेदन हर हाल में पूरा कराया जाए। विद्यार्थियों को आवेदन प्रक्रिया में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए विद्यालय प्रधानों को आवश्यक सहयोग करने का निर्देश दिया गया है।

पीजी में नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा 25 अगस्त को, 16 केंद्रों पर होगी परीक्षा

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू), आरा के कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रम में शैक्षणिक सत्र 2026-28 में नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा अब 25 अगस्त को आयोजित की जाएगी। पहले यह परीक्षा 18 अगस्त को प्रस्तावित थी, लेकिन समर्थ पोर्टल से परीक्षा आयोजित करने की अनुमति नहीं मिलने के कारण तिथि में बदलाव किया गया है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. लाल बाबू सिंह ने बताया कि संशोधित तिथि के अनुसार परीक्षा की तैयारी पूरी कर ली गई है। प्रवेश परीक्षा के लिए आरा, बक्सर, रोहतास और कैमूर जिलों में कुल 16 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। विश्वविद्यालय की ओर से सभी केंद्रों पर विषयवार परीक्षार्थियों की संख्या निर्धारित कर दी गई है। केंद्रों पर सीटिंग व्यवस्था, आवश्यक संसाधन और अन्य तैयारियां पूरी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आरा में एपी जैन कॉलेज परीक्षा केंद्र पर सर्वाधिक 1025 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। इनमें अंग्रेजी के 276 और इतिहास के 749 परीक्षार्थी शामिल हैं। महाराजा कॉलेज में 729 परीक्षार्थियों के लिए केंद्र बनाया गया है। एसबी कॉलेज में 589 तथा जैन कॉलेज में 469 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। अन्य केंद्रों पर भी विभिन्न विषयों के परीक्षार्थियों के लिए व्यवस्था की गई है। कैमूर जिले के एसबीपी कॉलेज, भभुआ को परीक्षा केंद्र कोड 401 दिया गया है। यहां सर्वाधिक 1081 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। इनमें इतिहास के 230, राजनीति विज्ञान के 157, हिंदी के 67, अंग्रेजी के 23 और भूगोल के 50 परीक्षार्थी शामिल हैं। रोहतास जिले के एसपी जैन कॉलेज, सासाराम में 1060 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। वहीं शेरशाह कॉलेज, सासाराम में 862 परीक्षार्थियों के लिए केंद्र बनाया गया है। बक्सर के दो केंद्रों पर कुल 1679 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। एमवी कॉलेज, बक्सर में 1066 और डुमरांव के डीके कॉलेज में 613 परीक्षार्थियों के लिए व्यवस्था की गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी केंद्राधीक्षकों को परीक्षा से संबंधित आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करने का निर्देश दिया है।

2010 से 2017 तक की डिग्रियां होंगी ऑनलाइन छात्रों को सत्यापन की झंझट से मिलेगी राहत

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू), आरा से उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए राहत की खबर है। विश्वविद्यालय अब वर्ष 2010 से 2017 तक जारी स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की सभी डिग्रियों को ऑनलाइन करने की तैयारी में जुट गया है। इसके लिए डिग्रियों का डाटा नेशनल एकेडमिक डिपॉजिटरी (एनएडी) पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। इससे छात्रों को भविष्य में नौकरी, उच्च शिक्षा या अन्य संस्थानों में प्रवेश के दौरान डिग्री के सत्यापन के लिए विश्वविद्यालय का चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। विश्वविद्यालय के नोडल पदाधिकारी डॉ. दीपक कुमार सिंह के अनुसार, पहले चरण में वर्ष 2017 से 2021 तक की सभी डिग्रियों को एनएडी पोर्टल पर सफलतापूर्वक अपलोड किया जा चुका है। अब दूसरे चरण में वर्ष 2010 से 2017 तक की पुरानी डिग्रियों को पोर्टल पर अपलोड करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके लिए पुराने रिकॉर्ड और डाटा को डिजिटल स्वरूप में तैयार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पुरानी डिग्रियों का डाटा उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर तैयार कर सुरक्षित डिजिटल फॉर्मेट में परिवर्तित किया जाएगा। इसके बाद संबंधित डाटा एनएडी पोर्टल पर अपलोड होगा। विश्वविद्यालय का उद्देश्य छात्रों को डिग्री से जुड़ी सेवाएं ऑनलाइन और सरल तरीके से उपलब्ध कराना है इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए 20 अगस्त को विश्वविद्यालय में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में नोडल पदाधिकारियों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है। बैठक में एनएडी पोर्टल पर पुराने डिग्री रिकॉर्ड अपलोड करने की कार्ययोजना, डाटा संकलन और समय-सीमा पर चर्चा होगी। ऑनलाइन डिग्री के कई फायदे डिग्रियां ऑनलाइन उपलब्ध होने के बाद छात्र घर बैठे अपनी शैक्षणिक योग्यता का सत्यापन करा सकेंगे। सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों को भी प्रमाणपत्रों की जांच में सुविधा होगी। वर्तमान व्यवस्था में सत्यापन के लिए छात्रों को विश्वविद्यालय में दस्तावेजों की प्रतियां भेजनी पड़ती हैं, जिससे समय और धन दोनों खर्च होते हैं। ऑनलाइन व्यवस्था से प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, तेज और सुविधाजनक होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन इसे डिजिटल शिक्षा व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मान रहा है।

दस साल से फरार पोक्सो एक्ट के आरोपी के घर पुलिस ने की कुर्की जब्ती

बड़हरा (आरा)। पोक्सो एक्ट के मामले में करीब दस वर्षों से फरार चल रहे आरोपी के खिलाफ बड़हरा थाना पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर बड़ी कार्रवाई की। पुलिस टीम ने देवरथ गांव निवासी गोबिंद कुमार सिंह के घर पहुंचकर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की। थाना प्रभारी चुनमुन कुमारी ने बताया कि गोबिंद कुमार सिंह पोक्सो एक्ट के मामले में लंबे समय से फरार चल रहा था। न्यायालय से कुर्की का आदेश मिलने के बाद पुलिस टीम ने उसके घर पर पहुंचकर कार्रवाई की। इस दौरान घर में मौजूद सामान की कुर्की-जब्ती की गई। पुलिस की इस कार्रवाई से गांव में हड़कंप मच गया। थाना प्रभारी ने बताया कि फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। न्यायालय के आदेश के अनुसार आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। इधर, सिन्हा थाना पुलिस ने शराब पीकर हंगामा करने के मामले में लवकुशपुर गांव से गौतम सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

प्रकाशन उन्मुख प्रशिक्षण में शोध पत्र लेखन की बारीकियां बताई

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग में मंगलवार को विभागाध्यक्ष प्रो. यशवंत कुमार की अध्यक्षता में ह्यप्रकाशन उन्मुख प्रशिक्षणह्ल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के प्रख्यात विद्वान प्रो. सत्यगोपाल मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। उन्होंने शोधार्थियों और विद्यार्थियों को शोध पत्र लेखन एवं उसके प्रकाशन की प्रक्रिया से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। शोध पत्र का प्रकाशन कैसे करें विषय पर व्याख्यान देते हुए प्रो. सत्यगोपाल ने कहा कि शोध पत्र ज्ञान के विस्तार और उसके वैज्ञानिक प्रसार का महत्वपूर्ण माध्यम है। शोधार्थी जब नए ज्ञान और शोध निष्कर्षों को वैज्ञानिक, तार्किक एवं व्यवस्थित तरीके से प्रस्तुत करता है, तो शोध की विश्वसनीयता बढ़ती है। उन्होंने शोध पत्र तैयार करने में विषय के चयन, साहित्य समीक्षा, शोध पद्धति, आंकड़ों के विश्लेषण और संदर्भों के व्यवस्थित उल्लेख को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि शोध पत्र शोधकर्ता के अकादमिक कार्य का महत्वपूर्ण आधार होता है। इसके माध्यम से पूर्व में किए गए शोध और उपलब्ध साहित्य के आधार पर नई शोध संभावनाओं को सामने लाया जा सकता है। उन्होंने शोधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शोध पत्र तैयार करने के साथ प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं के चयन, प्रकाशन मानकों और अकादमिक गुणवत्ता का ध्यान रखने की सलाह दी। प्रो. सत्यगोपाल ने कहा कि अकादमिक करियर में शोध पत्रों का प्रकाशन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. वाचस्पति दुबे ने किया। मौके पर विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ. लाल बाबू सिंह, प्रो. अवध बिहारी सिंह, डॉ. मनोज सहित विभाग के शोधार्थी एवं विद्यार्थी मौजूद रहे। अभिषेक कुमार तिवारी, प्रियांशी, श्वेता, आनंद समेत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने प्रशिक्षण में भाग लिया।

बड़हरा केस में आरोपी राजेंद्र यादव गिरफ्तार

बड़हरा। बड़हरा थाना पुलिस ने कांड संख्या 170/26 के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए लाला के टोला निवासी राजेंद्र यादव, पिता मनहर यादव, को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, राजेंद्र यादव बड़हरा थाना कांड संख्या 170/26 में आरोपी है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उसे न्यायालय में प्रस्तुत करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में अपराध नियंत्रण को लेकर फरार एवं वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में उक्त आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

पेड़ से लटका मिला किशोर का शव

आरा। जिले के गजराजगंज ओपी क्षेत्र के गजराजगंज गांव में मंगलवार की सुबह सड़क किनारे पेड़ से लटका एक किशोर का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव गांव में ही घर से कुछ दूरी पर स्थित पेड़ से लटका मिला। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। प्रथमदृष्टया प्रेम-प्रसंग के कारण किशोर द्वारा खुदकुशी किए जाने की चर्चा है। मृतक की पहचान बड़हरा थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव निवासी स्व. जयराम साह के 17 वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमार साह के रूप में हुई है। बताया जाता है कि प्रिंस पिछले कुछ वर्षों से अपने परिजनों के साथ गजराजगंज गांव में रह रहा था। परिजनों के अनुसार सोमवार की रात सभी लोग खाना खाने के बाद सो गए थे। इसी बीच मंगलवार की तड़के प्रिंस घर से बाहर निकल गया। घर से कुछ ही दूरी पर सड़क किनारे स्थित एक पेड़ पर गमछे के सहारे उसका शव लटकता मिला। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई।

छत से गिरकर राजमिस्त्री की मौत, इलाज के दौरान सदर अस्पताल में तोड़ा दम

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के तेतरिया गांव में सोमवार की रात छत से गिरने से एक राजमिस्त्री गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पतालबआरा ले गए, जहां इमरजेंसी वार्ड में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक की पहचान तेतरिया गांव निवासी स्व. जवाहर राम के 47 वर्षीय पुत्र जय प्रकाश राम के रूप में हुई है। वह पेशे से राजमिस्त्री थे। मृतक के चचेरे भाई बलराम राम ने बताया कि सोमवार की रात सभी लोग खाना खाने के बाद जय प्रकाश राम सोने के लिए छत पर गए थे। छत पर आने-जाने के लिए लकड़ी की सीढ़ी लगी हुई थी। रात में लघुशंका के लिए छत से नीचे उतरने के दौरान अचानक उनका पैर फिसल गया जिससे वह नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

नल-जल योजना की टंकी की हुई सफाई

कोईलवर। कोईलवर प्रखंड के लोदीपुर गांव स्थित वार्ड संख्या-2 में मंगलवार को लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) की ओर से नल-जल योजना की पानी की टंकी की सफाई कराई गई। लंबे समय से टंकी में जमी गंदगी के कारण लोगों को शुद्ध पेयजल मिलने में परेशानी हो रही थी।बताया गया कि टंकी की सफाई का मुद्दा 20 सूत्री समिति के सदस्य कृष्ण कुमार रंजन ने समिति की बैठक में प्रमुखता से उठाया था। उनके प्रस्ताव पर विभाग ने कार्रवाई करते हुए मंगलवार को टंकी की साफ-सफाई कराई। वार्ड सदस्य रितु देवी ने बताया कि टंकी में काफी मात्रा में गंदगी जमा हो गई थी, जिससे जल की गुणवत्ता प्रभावित हो रही थी। सफाई के बाद अब वार्ड के लोगों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। ग्रामीणों ने समय पर कार्रवाई के लिए लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग तथा इस पहल को आगे बढ़ाने वाले जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

संत रविदास की शिक्षाएं सामाजिक समरसता और समानता का मार्गदर्शन करती हैं : डॉ. प्रेम कुमार

प्रातः किरण संवाददाता

गया। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने गयाजी अंतर्गत मानपुर के खोरू धर्मशाला स्थित रविदास मंदिर में भारतीय जनता पार्टी गया पूर्वी द्वारा आयोजित संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती समारोह सह मंडल स्तरीय कलश वितरण समारोह में शामिल होकर संत रविदास जी को श्रद्धापूर्वक नमन किया है।

इस अवसर पर अपने संबोधन में डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि संत रविदास केवल महान संत ही नहीं, बल्कि समाज सुधारक, युगद्रष्टा और मानवतावादी महापुरुष थे। उनकी वाणी ने सदियों से भारतीय समाज को आत्मसम्मान, समानता, भक्ति, श्रम और मानवता का संदेश दिया है। संत रविदास जी का जीवन हमें सिखाता है कि मनुष्य की पहचान उसके जन्म से नहीं, बल्कि उसके कर्म, आचरण, विचार और मानवता से होती है।

उन्होंने कहा कि संत रविदास जी ने अपने जीवन और विचारों के माध्यम से सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध आवाज उठाई और समाज में समरसता का संदेश दिया। उनकी प्रसिद्ध वाणी ह्मन चंगा तो कठौती में गंगा व्यक्ति के अंतर्मन की पवित्रता और सदाचार की महत्ता को दर्शाती है। उनका संदेश था कि सेवा, सदाचार, ईमानदार श्रम और परोपकार भी ईश्वर की सच्ची उपासना हैं।

बेगमपुरा में दिखता है समतामूलक समाज का सपना

डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि संत रविदास जी की रचना ह्यबेगमपुराह्न एक ऐसे समाज की कल्पना प्रस्तुत करती है, जहाँ भय, दुख, अन्याय और भेदभाव के लिए कोई स्थान न हो तथा प्रत्येक व्यक्ति सम्मान के साथ जीवन जी सके। आज विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के संकल्प के बीच संत रविदास जी का यह विचार और भी प्रासंगिक हो

जाता है।

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य ऐसा समाज और ऐसा भारत बनाना है, जहाँ गरीब को सम्मान, वंचित को अवसर, युवाओं को रोजगार, महिलाओं को सुरक्षा एवं सम्मान, किसानों को समृद्धि तथा समाज के अंतिम व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा से जुड़ने का अवसर मिले।

संत रविदास की वाणी और संविधान की भावना में समानता

बिहार विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय संविधान की प्रस्तावना न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता का संकल्प देती है। संत रविदास जी ने भी अपने विचारों के माध्यम से समाज में समानता, आत्मसम्मान और बंधुत्व की भावना को मजबूत किया। इस दृष्टि से संत रविदास की वाणी और संविधान की मूल भावना में गहरा सामंजस्य दिखाई देता है।

उन्होंने कहा कि भारत की महान संत परंपरा ने सदैव मानवता को सर्वोपरि माना है। भगवान बुद्ध ने करुणा, भगवान महावीर ने अहिंसा, गुरु नानक देव ने एकत्व, कबीर ने सत्य और आडंबर-विरोध तथा संत रविदास ने समानता, श्रम, भक्ति और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। यह सभी धाराएं मिलकर भारतीय संस्कृति की विराट परंपरा का निर्माण करती हैं। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि संत रविदास जी का जीवन श्रम की गरिमा का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने अपने कर्म को कभी छोटा नहीं माना। आज के युवाओं को संत रविदास जी के जीवन से ईमानदार श्रम, आत्मसम्मान और मानव सेवा की प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई भी ईमानदार काम छोटा नहीं होता। परिश्रम करने वाला प्रत्येक हाथ सम्मान का पात्र है। युवाओं को शिक्षा के साथ कौशल विकास, मेहनत और आत्मनिर्भरता को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि आज देश तेजी से विकास कर रहा है। तकनीक, अर्थव्यवस्था और शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर पैदा हो रहे हैं, लेकिन विकास तभी सार्थक होगा जब समाज में सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारा मजबूत होगा।

कांवरियों की भीड़ के बीच गया जंक्शन पर आरपीएफ की बढ़ी सुरक्षा

■ सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह ने संभाली कमान, यात्रियों और कांवरियों को किया जागरूक

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी। पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन पर मंगलवार को कांवरियों और तीर्थ यात्रियों की बढ़ी बेतहाशा भीड़ को देखते हुए रेलवे सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है। सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह ने सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभालते हुए स्टेशन परिसर और प्लेटफॉर्म पर तैनात जवानों को विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। भीड़ के बीच यात्रियों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसके लिए लगातार निगरानी की गई। प्लेटफॉर्म संख्या वन-सी पर खड़ी गया-हावड़ा एक्सप्रेस में भी सुरक्षा जांच की गई। ट्रेन में सवार कांवरियों और तीर्थ यात्रियों को भीड़ के दौरान सुरक्षित यात्रा तथा अपने सामान की सुरक्षा को लेकर जागरूक किया गया। इस दौरान यात्रियों से अपील की गई कि वे चलती ट्रेन में चढ़ने-उतरने से बचें और प्लेटफॉर्म पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं। गया-हावड़ा एक्सप्रेस की एसी कोच में सवार कुछ कांवरियों को सुरक्षा और यात्रियों की सुविधा को देखते हुए दूसरे कोच में स्थानांतरित कराया गया है।

रेलवे सुरक्षा टीम ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए कांवरियों को सुरक्षित तरीके से दूसरे कोच में सवार कराया है। इस दौरान ट्रेन में यात्रियों के आवागमन और बैठने की व्यवस्था पर भी विशेष नजर रखी गई है। अधिकारी ने स्टेशन पर तैनात सुरक्षा कर्मियों को निर्देश दिया कि भीड़ के बीच संदिग्ध गतिविधियों, सामान की चोरी, यात्रियों के बीच धक्का-मुक्की तथा किसी भी अप्रिय स्थिति पर तत्काल कार्रवाई की जाए। प्लेटफॉर्म पर लगातार गश्त और निगरानी जारी रखी गई।

कांवरियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए गया जंक्शन पर आने-जाने वाले यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। रेलवे सुरक्षा बल और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के जवान भीड़ वाले स्थानों पर मुस्तैद रहे। अधिकारियों ने कहा कि यात्रियों की सुविधा और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के लिए विशेष चौकसी आगे भी जारी रहेगी।

संक्षिप्त खबरें

जद(यू)कार्यालय गया जी में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

गया जी।जिला जदयू कार्यालय में महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई है।इस कार्यक्रम जदयू जिला अध्यक्ष इंजीनियर अजय कु-शवाहा जी की अध्यक्षता मे हुई है। संचालन जिला प्रवक्ता जितेन्द्र पंडित प्रजापति ने किया है।इस कार्यक्रम की शुरूआत में जिला अध्यक्ष अजय कु-शवाहा जी और अन्य पदाधिकारियों ने नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया है।इस अवसर पर अजय कुशवाहा जी ने कहा, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी का जीवन त्याग, साहस और अदम्य देशभक्ति का प्रतीक है। तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा के उनके नारे ने देश के युवाओं में नव-ऊर्जा का संचार किया था। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणापुंज है और हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलकर देश व समाज की सेवा करनी चाहिए। सभा में उपस्थित सभी कार्यकताओं ने नेताजी के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने और उनके बताए सिद्धांतों पर चलने का संकल्प लिया है।इस कार्यक्रम में धनंजय शर्मा, अरुण कुमार राव, कैलाश पासवान, दिनेश प्रसाद सिन्हा, पूनम कुशवाहा, विनोद कुमार, पप्पू दांगी, रामलखन स्वर्णकार, लालजी प्रसाद, सबिहुल बाकी प्रिन्स,शिव शंकर दास, मुनेशर प्रसाद,अरविन्द वर्मा, शम्भू सिंह,सियाराम मिश्रा, बबलू चौधरी, अलका सिंह, सुनीता देवी सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे हैं।

हरिनारायण सोनी के असमय निधन पर वैश्य समागम ने शोक व्यक्त किया

औरंगाबाद। औरंगाबाद जिले के प्रसिद्ध स्वर्ण व्यवसायी, संकट मोचन मानस मंदिर शाहपुर औरंगाबाद के अध्यक्ष, नीलकंठ सेवा समिति के वरिष्ठ कार्यकर्ता हरि नारायण सोनी जी के बस दुर्घटना में असमय निधन पर वैश्य समागम औरंगाबाद के सदस्यों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। वैश्य समागम के जिला संयोजक जितेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में सदस्यों ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि हरिनारायण सोनी जी एक धार्मिक कर्मठी एवं समाजसेवी व्यक्ति के रूप में जाने जाते थे। व्यावसायिक कार्य से बनारस गए थे और वहां से बस से लौटने के क्रम में औरंगाबाद ओवरब्रिज बाईपास के पास उनकी बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। वे गंभीर रूप से घायल हो गए।घायलावस्था में बेहतर इलाज हेतु बाहर भेजा गया। उनके निधन का से पुरा वैश्य समागम मर्माहत है। वैश्य समागम के सक्रिय सदस्य पंकज वर्मा,पिंटू प्रकाश, प्रमोद कुमार,राहुल राज, राजु कुमार गुप्ता,रवि शंकर कुमार,संतोष कुमार, शंकर शौंडिक,राजेंद्र प्रसाद सहित अन्य लोगों ने भी गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि इस संकट की घड़ी में ईश्वर उनके परिवार को संबल प्रदान करें।

सीबीएससी बॉक्सिंग क्लस्टर में नारायण वर्ल्ड स्कूल की खुशी को स्वर्ण

सासाराम। जमुहार स्थित नारायण वर्ल्ड स्कूल की खुशी कुमारी ने प्रतापगढ के न्यू एंजल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित पूर्वी जोन के ह्यसीबीएसई बॉक्सिंग क्लस्टर गेम्सह्न 2026 में अपने उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। खुशी ने यह शानदार जीत अंडर-17 आयु वर्ग के तहत 48-50 किलोग्राम भार वर्ग में हासिल की है। अपने प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों से प्रतिस्पर्धा करते हुए खुशी ने खुद के बॉक्सिंग कौशल तथा इस खेल के रणनीतिक अभ्यास परिचय से निर्णायकों को भी प्रभावित किया।

भूमि मामलों की दैनिक सुनवाई से मानपुर अंचल की रैंकिंग में सुधार

■ रोज 100 से 150 रैयतों से सीधे मिल रहे सीओ, म्यूटेशन व परिमार्जन मामलों का हो रहा त्वरित निष्पादन

प्रातः किरण संवाददाता

मानपुर। भूमि संबंधी मामलों के त्वरित एवं पारदर्शी निष्पादन को लेकर मानपुर अंचलाधिकारी मोनू कुमार द्वारा लगातार दैनिक सुनवाई की जा रही है। अंचलाधिकारी अपने कार्यालय कक्ष में प्रतिदिन करीब 100 से 150 रैयतों अथवा उनके वैध उत्तराधिकारियों से सीधे मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुन रहे हैं। इस दौरान परिमार्जन और दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) से जुड़े मामलों का नियमानुसार यथासंभव ऑन-स्पॉट निष्पादन किया जा रहा है।

लगातार सुनवाई और मामलों के त्वरित निष्पादन का असर मानपुर अंचल की कार्यप्रगति और रैंकिंग पर भी दिखाई देने लगा है। कुछ समय पहले तक जिले के निचले पायदान पर रहने वाला मानपुर अंचल अब विभिन्न निर्धारित मानकों पर चौथे-पांचवें पायदान तक पहुंच गया है। अधिकारियों के अनुसार यह सुधार भूमि संबंधी मामलों के निष्पादन में तेजी लाने के लिए किए जा रहे लगातार प्रयासों का परिणाम है।

62 भूमिहीन परिवारों को मिला भूमि का पर्चा

नवपदस्थापित अंचलाधिकारी के कार्यकाल में अब तक करीब 62 भूमिहीन परिवारों को भूमि का पर्चा उपलब्ध कराया गया है। इसे भूमिहीन परिवारों को उनका वैधानिक अधिकार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

बिचौलियों से दूर रहने का निर्देश

सीओ ने भूमि संबंधी मामलों में बिचौलियों और अनधिकृत रूप से कार्य करने वाले लोगों की भूमिका समाप्त करने के लिए स्पष्ट निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि भूमि मामलों में केवल संबंधित रैयत अथवा उसके वैध उत्तराधिकारी से ही सीधे मुलाकात की जाएगी। बिचौलियों को किसी भी स्थिति में प्रोत्साहित नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आम रैयतों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका त्वरित एवं नियमानुसार निष्पादन प्रशासन की प्राथमिकता है।

नीलकंठ महादेव सेवा शिविर में दिन-रात हो रही कांवरियों की सेवा

■ सेवा शिविर में कांवरियों के लिए भोजन, पानी, विश्राम और चिकित्सा की निशुल्क व्यवस्था

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। सावन के पावन महीने में बाबा धाम जाने वाले कांवरियों की सेवा के लिए औरंगाबाद जिले की नीलकंठ महादेव सेवा शिविर में दिन-रात सेवा का कार्य जारी है। प्रतिदिन शिविर में पहुंचने वाले हजारों कांवरियों का श्रद्धा और आत्मीयता के साथ स्वागत किया जा रहा है। सेवा में जुटे स्वयंसेवक पूरी तत्परता के साथ कांवरियों की जरूरतों का ध्यान रख रहे हैं।

शिविर में कांवरियों के लिए भोजन, शीतल पेयजल, चाय, भक्ति जागरण, शौचालय तथा विश्राम आदि की व्यवस्था निशुल्क की गई है। लंबी दूरी तय कर पहुंचने वाले कांवरियों को विश्राम करने के साथ-साथ आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। सेवा कार्य में लगे सदस्य बारी-बारी से दिन और रात अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

शिविर में कांवरियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए प्राथमिक उपचार की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। थकान या पैदल यात्रा के कारण परेशान कांवरियों को आवश्यक सहायता दी जा रही है। स्वयंसेवक रास्ते से गुजरने वाले कांवरियों को पानी और अन्य जरूरी सामग्री भी उपलब्ध करा रहे हैं।

नीलकंठ महादेव सेवा समिति औरंगाबाद के संस्थापक लखन प्रसाद, नीरज कुमार उर्फ लप्पू गुप्ता का कहना है कि सावन में कांवरियों की सेवा करना भगवान शिव की सेवा के समान है।

गायत्री शक्तिपीठ जम्होर में सावन सोमवारी पर शिव चर्चा

औरंगाबाद। सदर प्रखंड स्थित ग्राम जम्होर में अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन के समीप अवस्थित गायत्री शक्तिपीठ के प्रांगण में भगवान शिव को प्रिय माह सावन के तीसरी सोमवारी पर संध्या पूजन के पश्चात शिव चर्चा का आयोजन किया गया ।शक्तिपीठ के वरिष्ठ कार्यकर्ता रामध्यान प्रसाद के आहवान पर सर्वप्रथम गायत्री माता एवं देवी देवताओं की पंचोपचार विधि से विशेष पूजा अर्चना की गई।तत्पश्चात शिव दरबार में शिव शिष्या रिंकी देवी एवं संध्या देवी के संयुक्त नेतृत्व में चर्चा के क्रम में भगवान शिव के नाम का संकीर्तन किया गया।बताया गया कि भगवान शिव देवाधिदेव हैं। आदि गुरु हैं। वे समस्त चराचर के गुरु माने जाते हैं वे भौतिक सुखों से परे हैं शिव शब्द का ही अर्थ होता है शुभ और कल्याणकारी ।वे किसी में भेदभाव नहीं करते हैं।

14 सितंबर से शुरू होगा 11 दिवसीय गणेश महोत्सव का आयोजन

■ गणेश सेवा समिति औरंगाबाद ने किया बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद के धर्मशाला मोड़ के समीप अवस्थित गणेश मंदिर के समीप गणेश सेवा समिति के कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।गणेश सेवा समिति के संरक्षक रंजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उपस्थित सदस्यों ने आपसी विचार समन्वय किया एवं 14 सितंबर से 25 सितम्बर तक 11 दिवसीय गणेश महोत्सव धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया।गणेश महोत्सव के सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति का गठन किया गया जिसमें विनय कुमार सिंह को अध्यक्ष,मंटू कुमार सिंह तथा संजय गुप्ता को उपाध्यक्ष चुना गया।साथ ही मंदिर प्रबंधन एवं आरती प्रबंधन का प्रशासक के रूप में वृंद कुमार सिंह, , महासचिव रवि शर्मा,प्रसाद वितरण समिति के अध्यक्ष ओपी पांडेय एवं उपाध्यक्ष भोला सिंह को बनाया गया।संयुक्त सचिव अरविंद कुमार एवं आरती मंडली के अध्यक्ष जयेन्द्र शर्मा एवं उपाध्यक्ष सच्चिदा यादव को मनोनीत किया गया। संयोजक के रूप में प्रमोद सिंह,अभय सिंह एवं मुरारी सिंह बने।गणेश सेना के अध्यक्ष नीरज कुमार एवं उपाध्यक्ष रौशन कुमार को बनाया गया।शोभा यात्रा समिति का अध्यक्ष सुनील कुमार,सुरक्षा समिति की जिम्मेवारी ब्रजेश कुमार सिंह तथा मीडिया प्रभारी की जिम्मेवारी सुरेश विद्यार्थी को दी गई। संस्कृति एवं भक्ति जागरण का संयोजक दानिका महाराज डॉ रविंद्र कुमार एवं प्रवीण कुमार को अध्यक्ष बनाया गया है। इस वर्ष महोत्सव को भव्यता एवं दिव्यता के साथ मनाने के लिए कार्यक्रम की रुपरेखा अगली बैठक में तय की जाएगी। संरक्षक रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि गणेश जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित होने वाला गणेश महोत्सव औरंगाबाद जिला मुख्यालय में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है।इस महोत्सव से श्रद्धालु भक्तों की आस्था जुडी हुई है। जिले का पहला महोत्सव है जहां के संध्या महाआरती में हजारों श्रद्धालु शामिल होते हैं।

पीएचडी कोर्सवर्क 2022-23 सत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रवेश एवं अभिविन्यास कार्यक्रम का किया गया आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग और पी.एम.आई.आर. के संयुक्त तत्वाधान में मंगलवार को पी. एच. डी. कोर्सवर्क, 2022-23 सत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रवेश एवं अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम के संरक्षक के रूप में मगध विश्विद्यालय बोधगया के माननीय कुलपति प्रो. दिलीप कुमार केसरी, सह संरक्षक के रूप में मगध विश्विद्यालय, बोधगया के कुलसचिव प्रो. बिनोद कुमार मंगलम, समाज विज्ञान के संकायाध्यक्ष प्रो. दीपक कुमार, एवं अध्यक्ष छात्र कल्याण प्रो. पी. के. चौधरी मौजूद रहे हैं। राष्ट्रगीत वंदे मातरम के गायन से कार्यक्रम की शुरूआत हुई और अतिथियों के सम्मान की प्रक्रिया पूरी की गई है। स्वागत संबोधन करते हुए अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. सच्चिदानंद सिन्हा ने अर्थशास्त्र के गौरवशाली इतिहास से शोधार्थियों का परिचय कराया है। प्रो. सिन्हा ने अर्थशास्त्र के बहुआयामी विषयों पर शोध करने की आवश्यकता पर बल दिया है, जो समाज में एकरूपता लाने में सहायक सिद्ध होगी। कुलपति प्रो. केसरी ने शोधार्थियों को शोध की बारीकियों से अवगत कराया और यह भी स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय में शोध से जुड़े सभी कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी, और विश्वविद्यालय प्रशासन हर तरह से शोध नवाचार को बढ़ाने के लिए कृतसंकल्प है। प्रो. केसरी ने अर्थशास्त्र विभाग के शिक्षकों की तारीफ करते हुए कहा कि विभाग के शिक्षक देश के सर्वोच्च संस्थानों से शोध का अनुभव लेकर आए है और आपके किसी भी प्रकार के जिज्ञासा को शांत करने की क्षमता रखतें है।

प्रो. पी. के. चौधरी ने विश्वविद्यालय में पी.एच. डी. के नए नियम परिनियम के बारे में शोधार्थियों को बताया, और इस बात पर बल दिया कि आप नियमित रूप से कक्षा में उपस्थित रहें और शोधकार्य में मौलिकता का समावेश करते हुए, समाज उन्मुखी शोध को बढ़ावा दें। प्रो. दीपक कुमार ने शोधार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि शोध में वो शक्ति है जो समाज की दशा और दिशा दोनों बदलने की क्षमता रखते है, बाशर्तें शोध की गुणवत्ता, मौलिकता और स्पष्टता का गूढ़ संगम होना चाहिए।इस कार्यक्रम का संचालन अर्थशास्त्र विभाग के वरीय सहायक प्राध्यापक डॉ. सौरभ कुमार ने किया है। डॉ. कुमार ने शोधार्थियों को उनके कक्षा रूटीन, रिसर्च मैथाडॉलजी, और नए रेगुलेशन पर गहन रूप से बताया है। कार्यक्रम में दोनों विभाग के शोधार्थियों में काफी उत्साह दिखा और अंत में शोधार्थियों ने उपस्थित आचार्यों से शोध विषय, प्राविधि, नियम परिनियम इत्यादि से संबंधित सवाल पूछे। कार्यक्रम में अर्थशास्त्र विभाग के डॉ. कुमारी दीपा रानी, डॉ. गोपाल जी सिंह, डॉ. अब्दुल हन्नान, डॉ. इमरान आलम, डॉ. गजाला शाहीन, पी.एम.आई.आर. विभाग के डॉ. वंदना कुमारी, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. अविनाश कुमार, विभाग के शिक्षकेतर कर्मी समेत अनेक शोधार्थी मौजूद रहें हैं।

प्रस्तावित बिहार विश्वविद्यालय विधेयक 2026 के खिलाफ प्रशासनिक भवन के समक्ष शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों ने किया विरोध प्रदर्शन

प्रातः किरण संवाददाता

बोधगया, ।बिहार सरकार द्वारा लाये जा रहे प्रस्तावित बिहार विश्वविद्यालय विधेयक 2026 के कड़े विरोध में आज मगध विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के समक्ष शिक्षक और शिक्षकेतार कर्मचारियों ने एकजुट होकर संयुक्त प्रदर्शन किया है। यह प्रदर्शन विश्वविद्यालय की स्वायत्तता, अधिकारों और अकादमिक स्वतांत्रता को बनाए रखने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है।प्रदर्शनकारियों ने एक स्वर में सरकार के इस प्रस्तावित विधेयक को उच्च शिक्षा और विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता पर सीधा प्रहार बताया। उन्होंने मांग की कि इस विधेयक को बिना किसी देरी के तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए। प्रदर्शनकारियों का स्पष्ट कहना था कि विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक एवं अकादमिक निर्णयों में अनुचित सरकारी हस्तक्षेप किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सभा को संबोधित करते हुए शिक्षकों की ओर से स्नातकोत्तर शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. अनुज कुमार तरुण, हिन्दी विभाग के सहाय आचार्य डॉ. राकेश कुमार रंजन और डॉ. परम प्रकाश राय ने प्रस्तावित बिल की खामियों को उजागर करते हुए इसका पुरजोर विरोध किया और इसे शिक्षक विरोधी कदम करार दिया है।वहीं, शिक्षकेतर कर्मचारियों ने भी इस आंदोलन में अपनी पूरी ताकत झोंक दी। शिक्षकेतर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार, सचिव दीपक कुमार, कोषाध्यक्ष विकाश वर्णवाल आदि थे।

गयाजी में करोड़ों की शहरी विकास योजनाओं को मिली गति, विभिन्न वार्डों में सड़क एवं नाला निर्माण कार्यों का उद्घाटन व शिलान्यास

प्रातः किरण संवाददाता

गया। बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने मंगलवार को मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना 2025-26 के अंतर्गत गयाजी नगर क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में सड़क एवं नाला निर्माण से संबंधित विकास योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया है। इन योजनाओं के पूरा होने से स्थानीय लोगों को आवागमन एवं जल निकासी की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी।

डॉ. प्रेम कुमार ने वार्ड संख्या 34, गेवाल बिगहा महादलित टोला में 24 लाख 28 हजार 115 रुपये की लागत से बनने वाले पहुंच पथ निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण से स्थानीय नागरिकों को आवागमन में सुविधा होगी तथा क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी।

इसी क्रम में उन्होंने वार्ड संख्या 46, अशोक बिहार कॉलोनी में 16 लाख 26 हजार 664 रुपये की लागत से नाला निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। नाला निर्माण से जल निकासी की समस्या का समाधान होने के साथ-साथ बरसात के दिनों में होने वाले जलजमाव से भी लोगों को राहत मिलेगी।वार्ड संख्या 45, दण्डीबाग में डॉ. प्रेम कुमार ने 89 लाख 47 हजार 686 रुपये की लागत से आरसीसी नाला निर्माण कार्य का शिलान्यास किया है। वहीं इसी वार्ड के मयूर बिहार कॉलोनी रोड नंबर-05 में 8 लाख 14 हजार 595 रुपये की लागत से पीसीसी पथ एवं नाली निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया है।

इस अवसर पर डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि गयाजी के शहरी क्षेत्रों में सड़क, नाला, जल निकासी एवं मूलभूत नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के माध्यम से शहर के विभिन्न वार्डों में आवश्यकतानुसार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं का निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जाए।

जेपीएन सदर अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ा सुधार, रेफर होने वाले मरीजों की संख्या घटी

प्रातः किरण संवाददाता

गया, 18 अगस्तः जिला में स्वास्थ्य विभाग मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने की हरसंभव प्रयास कर रहा है। सीमित संसाधनों के बीच मरीजों को बेहतर उपचार व्यवस्था कर रेफरल की संख्या को भी घटाने का प्रयास किया गया है। शहर के जय प्रकाश नारायण (जेपीएन) सदर अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार से मरीजों को बड़ी राहत मिली है। अस्पताल प्रबंधन की मुस्तैदी और आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता के कारण अब यहां से अन्य बड़े मेडिकल कॉलेजों में रेफर होने वाले मरीजों की संख्या में गिरावट आई है। अब अस्पताल में ही गंभीर रोगों का इलाज अथवा सर्जरी सफलतापूर्वक किया जा रहा है। विशेष रूप से प्रसूति विभाग में अब जटिल प्रसव के लिए महिलाओं को बाहर नहीं जाना पड़ रहा है, क्योंकि अस्पताल में नियमित रूप से सी-सेक्शन (सिजेरियन डिलीवरी) की जा रही है। इसके साथ ही, आपातकालीन वार्ड में आने वाले अन्य गंभीर मरीजों को भी तुरंत और बेहतर इलाज मिल रहा है। स्थानीय स्तर पर ही इन सुविधाओं के मिलने से गरीब मरीजों के समय और पैसे दोनों की बड़ी बचत हो रही है।

सिजेरियन सेक्शन की व्यवस्था हुई मजबूत :

सिविल सर्जन डॉ. राजाराम ने बताया कि सदर अस्पताल में अब रात के समय भी सिजेरियन की मुकम्मल व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है। जटिल प्रसव की स्थिति में मरीजों को अस्पताल में भर्ती कर लिया जाता है, जहां डॉक्टरों की विशेष निगरानी में उनकी उचित देखभाल के साथ सिजेरियन ऑपरेशन किया जाता है। प्रसव के दौरान होने वाले गंभीर रक्तस्राव (पीपीएच) जैसे अत्यंत संवेदनशील मामलों का बेहतर प्रबंधन भी अब सदर अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा सफलतापूर्वक किया जा रहा है।

इस नई व्यवस्था से देर रात आने वाले गंभीर मरीजों को अब बड़े मेडिकल कॉलेजों में रेफर करने की जरूरत नहीं पड़ रही है।

डीपीएम स्वास्थ्य नीलेश कुमार ने बताया कि जयप्रकाश नारायण सदर अस्पताल में जुलाई तक 12 प्रकार के ऑपरेशन किये जा रहे थे। अब 20 प्रकार के ऑपरेशन होने लगे हैं। इनमें सी–सेक्शन के अलावा दूसरी प्रकार की सर्जरी शामिल है।

अन्य आवश्यक ऑपरेशन की जरूरत को समझते हुए जल्द ही इसकी सेवाएं बढ़ायी जायेगी। बताया कि हड्डी से जुड़ी समस्याओं व इसके ऑपरेशन के लिए स्वास्थ्य विभाग से विभिन्न प्रकार के सामानों की मांग की गयी है।

यहां पर हड्डी टूटने जैसे मामलों की भी सर्जरी जल्द प्रारंभ की जायेगी। रेफरल के विषय में बताया कि जुलाई माह के अंतिम 15 दिनों के भीतर सिर्फ 24 मामले रेफर किये गये है। वहीं अगस्त के पहले 15 दिनों के भीतर 10 मामले रेफर किये गये। ये मामले अत्यधिक गंभीर होने की अवस्था में किये गये। कई मामलों में अंदरूनी रक्तस्राव, ह्रदयाघात तथा न्यूरो से जुड़े थे।

डीपीएम ने बताया कि आइसीयू में जुलाई माह के अंतिम 15 दिनों में पांच लोगों को भरती कर इलाज किया गया। वहीं अगस्त के पहले 15 दिनों में सात लोगों को भरती कर इलाज किया गया। आइसीयू की व्यवस्था होने से मरीजों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है।

विद्यार्थी सहयोग पोर्टल, साइबर मंगलवार एवं संत रविदास जयंती की तैयारियों की जिला पदाधिकारी ने की समीक्षा

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को कार्यालय प्रकोष्ठ में विद्यार्थी सहयोग पोर्टल, साइबर मंगलवार तथा श्री गुरु संत रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को निर्धारित कार्यों के ससमय निष्पादन एवं कार्यक्रमों के व्यापक प्रचार-प्रसार को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

बैठक में जिला पदाधिकारी ने विद्यार्थी सहयोग पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थियों को उपलब्ध करायी जा रही सेवाओं एवं सुविधाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं की शैक्षणिक एवं छात्रावास से संबंधित समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से विद्यार्थी सहयोग पोर्टल शुरू किया गया है।

उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को कॉलेजों में आयोजित होने वाले विद्यार्थी सहयोग शिविर की बेहतर तैयारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो।

समीक्षा के दौरान साइबर मंगलवार के तहत जिले में संचालित की जाने वाली जागरूकता गतिविधियों की भी जानकारी ली गयी। जिला पदाधिकारी ने कहा कि डिजिटल सेवाओं और ऑनलाइन लेन-देन का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में आमजन को साइबर अपराध से बचाव के प्रति जागरूक करना बेहद जरूरी है।

उन्होंने निर्देश दिया कि ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, ओटीपी साझा करने, बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी देने तथा संदिग्ध कॉल और मैसेज से होने वाले साइबर अपराधों के प्रति लोगों को सजग किया जाए। विद्यालयों, महाविद्यालयों, सरकारी कार्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के साथ-साथ, सहयोग शिविर, विद्यार्थी सहयोग शिविर सहित सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से साइबर सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा।

जिला पदाधिकारी ने कहा कि साइबर जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को साइबर अपराध के प्रति सजग बनाना तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के लिए प्रेरित करना होना चाहिए।

बैठक में श्री गुरु संत रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों की भी विस्तृत समीक्षा की गयी। जिला पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने तथा अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी निर्धारित गतिविधियों को आपसी समन्वय के साथ प्रभावी ढंग से संचालित करने पर जोर दिया।

बैठक में उप विकास आयुक्त काजले वैभव नितिन, नगर आयुक्त, नगर निगम बेतिया शिवाक्षी दीक्षित, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार, वरीय उप समाहर्ता रोचना माद्री, विशेष कार्य पदाधिकारी सुजीत कुमार सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता हेतु पैनल अधिवक्ताओं के साथ बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के सचिव नितिन त्रिपाठी द्वारा आज अपने कक्ष में पैनल अधिवक्ताओं के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य दिनांक 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल एवं प्रभावी बनाने के संबंध में आवश्यक रणनीति तैयार करना तथा पैनल अधिवक्ताओं को उनके दायित्वों के प्रति जागरूक करना था। बैठक को संबोधित करते हुए सचिव नितिन त्रिपाठी ने कहा कि लोक अदालत आमजन को त्वरित, सुलभ एवं कम खर्च में न्याय उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने पैनल अधिवक्ताओं से अपील की कि वे अपने-अपने स्तर पर लंबित एवं समझौता योग्य मामलों की पहचान कर पक्षकारों से संपर्क स्थापित करें तथा उन्हें आपसी सहमति एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से मामलों के निष्पादन के लिए प्रेरित करें।

उन्होंने विशेष रूप से अधिकाधिक मामलों के सफल निष्पादन के लिए समन्वित प्रयास करने पर बल दिया। सचिव ने कहा कि लोक अदालत की सफलता केवल अधिक संख्या में मामलों के निष्पादन से नहीं, बल्कि पक्षकारों की संतुष्टि एवं स्थायी समाधान सुनिश्चित करने से मापी जानी चाहिए। उन्होंने सभी पैनल अधिवक्ताओं को निर्देशित किया कि वे लोक अदालत के उद्देश्यों एवं लाभों के संबंध में आम लोगों के बीच व्यापक विधिक जागरूकता उत्पन्न करें। बैठक में जिले में न्यूनतम कार्य योजना (मिनिमम एक्शन प्लान) के अनुरूप संचालित किए जाने वाले विधिक जागरूकता कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गई। सचिव ने पैनल अधिवक्ताओं को निर्देश दिया कि वे पैरा लीगल वालंटियर्स के साथ समन्वय स्थापित कर ग्रामीण एवं दूर-दराज के क्षेत्रों में विधिक जागरूकता कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से लागू करें तथा निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, महिला एवं बाल संरक्षण कानून, बाल विवाह, दहेज प्रथा, साइबर अपराध, नशा मुक्ति सहित जनहित से जुड़े विभिन्न विधिक विषयों के प्रति लोगों को जागरूक करें। उन्होंने कहा कि न्याय तभी सार्थक है, जब उसकी जानकारी और पहुंच समाज के अंतिम व्यक्ति तक हो। इसलिए विधिक सेवा प्राधिकार का दायित्व केवल न्यायालय परिसर तक सीमित न रहकर समाज के प्रत्येक वर्ग तक विधिक सहायता एवं जागरूकता पहुंचाना है।

बैठक में पैनल अधिवक्ताओं ने राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने तथा न्यूनतम कार्य योजना के तहत विधिक जागरूकता कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने हेतु पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। सचिव ने सभी उपस्थित पैनल अधिवक्ताओं से 12 सितंबर 2026 की राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए मिशन मोड में कार्य करने का आह्वान किया।

संक्षिप्त खबरें

घरेलू गैस के 39562 एवं वाणिज्यिक गैस के 1807 सिलेंडर उपलब्ध

बेतिया। जिले में घरेलू एवं वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित है और उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति प्रदान की जा रही है। अपर समाहर्ता-सह-जिला आपूर्ति पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा ने बताया कि वर्तमान में जिले में 14.2 किलोग्राम के 39562 घरेलू गैस सिलेंडर तथा 19 किलोग्राम के 1807 वाणिज्यिक गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि 17 अगस्त को जिलेभर में कुल 6885 गैस सिलेंडरों की सफलतापूर्वक होम डिलीवरी कराई गई। जिला प्रशासन का लगातार प्रयास है कि उपभोक्ताओं को बिना किसी अनावश्यक विलंब के उनके घर तक गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि गैस बुकिंग, डिलीवरी अथवा आपूर्ति से संबंधित किसी भी प्रकार की देरी, अनियमितता या अन्य शिकायत होने पर जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या 06254-247002 एवं 06254-247003 पर संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

मंछा गांव में घर से गाय चोरी, दो लोगों पर संदेह

सीवान/दरौंदा थाना क्षेत्र के मंछा गांव में घर से गाय चोरी होने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर गांव निवासी सुजीत कुमार, पिता रामनाथ यादव ने थाने में आवेदन देकर जांच कर गाय बरामद कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। दिए गए आवेदन के अनुसार, 17 अगस्त की रात उनके घर से गाय चोरी हो गई। घटना की जानकारी होने के बाद परिजनों ने आसपास के क्षेत्रों में काफी खोजबीन की, लेकिन गाय का कोई पता नहीं चल सका। पीड़ित ने बताया कि चोरी हुई गाय की पहचान उसके रंग-रूप से की जा सकती है। आवेदन में सुजीत कुमार ने गांव के ही बल्लाल मियां और छोटू मियां पर गाय चोरी में शामिल होने का संदेह जताया है। हालांकि, उन्होंने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविकता सामने लाने की मांग की है। पीड़ित ने गाय बरामद कराने और जांच में आरोप सही पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह किया है। पुलिस शिकायत के आधार पर मामले की जांच में जुटी है।

सीवान में देशी शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

सीवान। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पोस्ट सीवान की टीम ने मंगलवार को सीवान रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या एक से देशी शराब के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त वाराणसी एवं सहायक सुरक्षा आयुक्त छपरा के निर्देश तथा प्रभारी निरीक्षक सीवान के पर्यवेक्षण में आपराधिक गतिविधियों की निगरानी के दौरान की गई। आरपीएफ के अनुसार, गाड़ी संख्या 55102 मऊ-छपरा पैसेंजर के सीवान स्टेशन पहुंचने पर सामान्य कोच में जांच के दौरान दो युवकों को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा गया। तलाशी लेने पर दोनों के शरीर पर लपेटकर रखी गई देशी शराब बरामद हुई। जब्त शराब में 35 अदद बंटी-बबली लाइम देशी शराब की बोतलें शामिल हैं, जिनमें प्रत्येक की मात्रा 200 एमएल है। कुल बरामद शराब की मात्रा सात लीटर बताई गई है, जिसकी कीमत 1925 रुपये है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लखराव निवासी नंदलाल बांसफोर (20), पिता रामप्रवेश बांसफोर और नगर थाना क्षेत्र के जयप्रकाश नगर निवासी संतोष गुप्ता (55), पिता रामेश्वर प्रसाद के रूप में हुई है। मामले में उत्पाद विभाग सीवान द्वारा अपराध संख्या 671/26 के तहत बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम की धारा 30(ए) में प्राथमिकी दर्ज की गई है। कार्रवाई में आरपीएफ के उप निरीक्षक अशोक कुमार सिंह, कांस्टेबल नीरज कुमार पांडेय एवं कांस्टेबल उपेंद्र कुमार सिंह शामिल रहे।

सुगौली में ठप हो सकती है अनाज आपूर्ति व्यवस्था

सुगौली,पू च। प्रखंड के हजारों परिवारों को डीलर से होने वाली अनाज आपूर्ति व्यवस्था ठप हो सकती है।आपूर्ति पदाधिकारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर बिहार आपूर्ति सेवा संघ के बैनर तले चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की है। प्रथम चरण में 20 से 26 अगस्त तक सभी आपूर्ति पदाधिकारी कार्य के दौरान काला बिल्ला लगा कर सांकेतिक विरोध करेंगे। इस दौरान मांगे पूरी नहीं होने पर सामूहिक अवकाश और हड़ताल की चेतावनी दी गई है। संघ ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी।संघ ने स्पष्ट किया है कि वे कार्य से पीछे नहीं हट रहे बल्कि सुविधा की कमी,अव्यावहारिक लक्ष्य और समय-सीमा के दबाव में काम कराने के बजाय आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं। न्यूनतम मूलभूत सुविधाओं एवं संसाधनों के अभाव में आपूर्ति पदाधिकारियों से लगातार अतिरिक्त कार्य कराए जाने तथा लंबित सेवा-हित संबंधी मांगों पर निर्णय नहीं होने के विरोध में आंदोलन की घोषणा की है। संघ की मुख्य मांगों में राशन कार्ड अभियान के लिए पर्याप्त मानव बल,कंप्यूटर,इंटरनेट,वाहन समेत अन्य मूलभूत संसाधन,अनावश्यक दंडात्मक कार्रवाई पर रोक,वेतन कटौती वापस लेने तथा सेवा-हित से जुड़े लंबित मामलों का शीघ्र समाधान करने की मांग की है।

सुगांव अंबेडकर आवासीय विद्यालय की बदहाल व्यवस्था पर छात्रों का भारी हंगामा

प्रात : किरण संवाददाता

सुगौली, पू च। प्रखंड के सुगांव स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय की बदहाल व्यवस्था के खिलाफ वर्ग एक से 12 क्लास तक के 4 सौ से अधिक छात्र करीब 20 घंटे तक भूख हड़ताल पर रहे। मंगलवार को सूचना मिलने के बाद सदर एसडीएम अरुण कुमार और सहायक कल्याण निदेशक ललन ऋषि, सदर डीएसपी दिलीप कुमार, जिला कल्याण पदाधिकारी संतोष पांडेय, डीपीएम, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी सह प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सह विद्यालय होस्टल प्रबंधक रंजीत कुमार,सीओ कुंदन कुमार और थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ पहुंचे। छात्रों ने बताया कि पढ़ाई नही होती है। खेलकूद, सफाई, बिजली, शौचालय, पानी भोजन सहित पूरी व्यवस्था चौपट है। पूछने पर मां बहन की गाली देते हैं। शिकायत करने पर छात्रों को विद्यालय से निष्काषित करने की धमकी शिक्षक देते हैं। विद्यालय की कुव्यवस्था को अधिकारियों ने स्वीकार की और तत्काल एक्शन लेते हुए खाना बनाने की टीम को बदलने, पीटी टीचर का वेतन बन्द करने और गड़बड़ी में संलिप्त अन्य अधिकारियों पर कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने विद्यालय के एचएम और अन्य अधिकारियों की जम कर क्लास ली और कड़ी कार्रवाई करने की बात कही। वहीं छात्रों ने एचएम और बिडब्लूओ के ट्रांसफर की मांग की। छात्रों ने सफाई व्यवस्था, टूटे नल, खराब आरओ और इंटरनेट समेत कई समस्याएं भी सामने आईं। सीढ़ी की रेलिंग टूटी होने के कारण तीन दिन पहले एक छात्र के गिरने का मामला भी सामने आया। अधिकारियों ने तत्काल प्रभाव से खाना बनाने वाली टीम को बदलने का निर्देश दिया। साथ ही छात्रों की मेस कमेटी गठित कर प्रतिदिन भोजन की गुणवत्ता की जांच कराने की बात कही।

साफ-सफाई, शौचालय, नल, आरओ और सीढ़ी की रेलिंग को दुरुस्त कराने के भी निर्देश दिए गए।सदर एसडीएम ने कहा कि विद्यालय की अव्यवस्थाओं और कुप्रबंधन को लेकर जिलाधिकारी को रिपोर्ट भेजी जाएगी। जो समस्याएं तत्काल दूर की जा सकती हैं, उन्हें तुरंत ठीक कराया जाएगा साथ हीं विभागीय स्तर की समस्याओं के लिए पत्राचार किया जाएगा। अधिकारियों ने छात्रों को भरोसा दिलाया कि उन्हें सरकार के निर्देश के अनुसार बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। विधालय के किचन में गंदगी भरी थी।छात्रों के बाल बेतरतीब बढ़े हुए थे।दो साल पहले आया डीजी जेनरेटर आज तक नही चला। प्रधानाध्यापक पंकज कुमार ने बताया कि जेनरेटर की चाभी जिला में है। साल भर से अधिक से खेलकूद नही होता है। विद्यालय परिसर के अधिकतर बल्ब फ्यूज हैं जिससे अंधेरा रहता है। एसडीएम के मनाने पर छात्रों के लिए आये दही चुड़ा में सहायक कल्याण निदेशक के सामने चुड़ा में कीड़ा निकल आया जिसे छात्र नही खा सके। विद्यालय के भोजन कक्ष, कमरे, होस्टल, और परिसर में गंदगी का अम्बार है।

24 घंटे में बकाया जमा करने का अल्टीमेटम, 30 लोगों पर कार्रवाई की तैयारी

बंजरिया। लोन की बकाया राशि की वसूली को लेकर जारी वारंट के बाद कार्रवाई तेज कर दी गई है। बताया गया कि 100 से अधिक बकायेदारों की सूची में शामिल करीब 70 लोगों ने अपनी बकाया राशि जमा कर दी है। वहीं, करीब 30 लोगों का भुगतान अब भी लंबित है। लंबित बकायेदारों को 24 घंटे के भीतर संबंधित कार्यालय में पहुंचकर बकाया राशि जमा करने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, निर्धारित समय सीमा में भुगतान नहीं करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बताया गया कि बकाया राशि की वसूली के लिए टीम पहले से ही सक्रिय है। भुगतान नहीं करने वाले लोगों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। संबंधित लोगों से अपील की गई है कि वे समय रहते अपना बकाया जमा कर कानूनी कार्रवाई से बचें। थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह ने स्पष्ट किया कि बकाया राशि का भुगतान नहीं करने की स्थिति में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के प्रचार-प्रसार हेतु जागरूकता एवं वाहन रैली का शुभारंभ

- बेतिया द्वारा प्रचार-प्रसार वाहन/जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया जाएगा रवाना

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को जन-जन तक पहुंचाने एवं अधिकाधिक उपभोक्ताओं को योजना का लाभ दिलाने के उद्देश्य से पश्चिम चंपारण जिले में व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान हेतु दिनांक 20.08.26 को विद्युत आपूर्ति प्रमंडल,बगहा के परिसर में सोलर मेला सह सोलर लोन मेलाह्वआयोजित किया जाएगा।इस अवसर पर जिलाधिकारी, बेतिया द्वारा प्रचार-प्रसार वाहन/जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत घरेलू उपभोक्ताओं को 3 किलोवाट तक के सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्थापना पर केंद्र सरकार द्वारा अधिकतम 78,000 तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। इसके अतिरिक्त, बिहार सरकार द्वारा भी राज्य के उपभोक्ताओं को अतिरिक्त अनुदान का लाभ दिया जा रहा है। बिहार सरकार द्वारा 1 किलोवाट क्षमता पर 10,000 तथा अतिरिक्त 1 किलोवाट क्षमता पर 10,000, अर्थात अधिकतम 20,000 का अतिरिक्त राज्य अनुदान दिया जा रहा है। इस प्रकार पात्र उपभोक्ताओं को केंद्र एवं राज्य सरकार के अनुदान के माध्यम से रूफटॉप सोलर संयंत्र लगाने में महत्वपूर्ण 98000/-, (लगभग 1 लाख) की आर्थिक सहायता प्राप्त होगी। यह योजना 31 ॣ 2027 तक ही लागू है! उपभोक्ताओं से अनुरोध है शीघ्र आवेदन करें! जिलाधिकारी ने आम नागरिकों से अपील की कि वे प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी प्राप्त कर इसका अधिकाधिक लाभ उठाएं तथा अपने घरों की छत पर सोलर संयंत्र स्थापित कर बिजली की बचत के साथ-साथ स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा दें। प्रचार-प्रसार वाहन के माध्यम से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में योजना से संबंधित जानकारी, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया एवं अनुदान के संबंध में आम लोगों को जागरूक किया जाएगा।

प्रखंड के द. श्रीपुर व उतरी श्रीपुर पंचायत में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया

प्रात : किरण संवाददाता

सुगौली प्रखंड के द0 श्रीपुर व उतरी श्रीपुर पंचायत में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। द0 श्रीपुर पंचायत में मुखिया चुनचुन देवी व उतरी श्रीपुर में मुखिया मीना देवी के अध्यक्षता में सहयोग शिविर के आयोजन की शुरूआत की गई। शिविर में लोगो की समस्याओं को सुना गया। मामलों में मामलों का निष्पादन ऑन द स्पॉट किया गया।

सरपंच दिवाकर मिश्र ने बताया कि पंचायत में यह शिविर इस लिए लगाया जा रहा है,ताकि लोगो के समस्या का समाधान गांव में ही हो जाय।लोगो को प्रखंड व थाना का चक्कर नही लगाना पड़े। मुखिया प्रतिनिधि शैलेश कुमार ने बताया कि इस शिविर से लोगो की किसी भी प्रकार की समस्या का समाधान किया जा रहा है।सभी अधिकारी शिविर में आकर लोगो की समस्या को सुन त्वरित समाधान कर रहे है। मुखिया प्रतिनिधि बबलू तिवारी ने बताया कि जनता को किसी तरह की दिक्कत नही हो इसको ले सरकार ने यह निर्णय लिया है।राजस्व अधिकारी राधेश्याम यादव ने बताया कि सहयोग शिविर का मुख्य उद्देश्य आम लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ सुगमता से पहुंचाना है। सहयोग शिविर सरकार और आम जनता के बीच एक मजबूत कड़ी का कार्य करेगा। मौके पर सांसद प्रतिनिधि प्रदीप सराफ, ने कहा कि सरकार ने आम लोगो के सहुलियत के लिए संबंधित पंचायत मे सहयोग शिविर के माध्यम से सभी कानूनी प्रक्रिया एक ही स्थान पर उपलब्ध कराकर सुनवाई हो रही है . सरकार के इस कदम से जनता को अपने पंचायत में ही समस्या का समाधान हो रहा है, इसके लिए जनता सरकार को धन्यावाद दे रहीं हैं। मुखिया प्रतिनिधि बुचुन तिवारी,सरपंच दिवाकर मिश्र,शैलेश कुमार,बीरेंद्र यादव,पवन कुमार,कैलाश पासवान,म0 जमालुदीन,दिलीप शर्मा सहित कई मौजूद थे।

बेतिया नगर निगम के 7 वार्डों में सहयोग शिविर का सफल आयोजन, नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया।नगर निगम क्षेत्र के नागरिकों को उनके घर के नजदीक जनसुविधाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंगलवार, 18 अगस्त 2026 को वार्ड संख्या 22 से 28 तक कुल सात वार्डों में सहयोग शिविरों का सफल आयोजन किया गया। इस दौरान नगर आयुक्त ने सभी सातों वार्डों में लगे शिविरों का मौके पर पहुंचकर गहन निरीक्षण किया और वहाँ की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में नगर आयुक्त ने विभिन्न विभागों और नागरिक सेवाओं के लिए लगाए गए काउंटरों का क्रमवार जायजा लिया। उन्होंने वहाँ संचालित कार्यप्रणाली, जनता को दी जा रही सुविधाओं और प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की स्थिति को देखा। नगर आयुक्त ने उपस्थित पदाधिकारियों व कर्मियों को निर्देश दिया कि आमजन को त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ प्रदान की जाएं। साथ ही उन्होंने यह सुनिश्चित करने को कहा कि प्रत्येक पात्र लाभार्थी को सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी परेशानी के और तय समय सीमा में मिले। इस अवसर पर महापौर, उप महापौर और संबंधित वार्डों के पार्षदों ने भी शिविरों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और स्थानीय नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर योजनाओं का लाभ लेने का आह्वान किया। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया कि इन सहयोग शिविरों का मुख्य उद्देश्य सभी जनहितकारी योजनाओं और समस्याओं के समाधान को एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराना है, ताकि लोगों को निगम कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें।

गाजे-बाजे के साथ शिवभक्तों ने अकोली शिव मंदिर में किया जलाभिषेक

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान/दरौली प्रखंड के सरहरवारा मठिया गांव से मंगलवार को शिवभक्तों का जत्था गाजे-बाजे के साथ अकोली स्थित शिव मंदिर पहुंचा। इस दौरान भक्तों ने जय शिव के उद्घोष के साथ भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया और पूजा-अर्चना की। जलाभिषेक को लेकर शिवभक्तों में खासा उत्साह देखा गया। जत्थे में प्रियांशु गिरी, विशाल यादव, संदीप यादव, आदित्य यादव सहित सैकड़ों शिवभक्त शामिल रहे।

अमनौर के बड़ा पोखरा में डूबने से 8वीं के छात्र की मौत, परिजनों में कोहराम

प्रात : किरण संवाददाता

अमनौर। स्थानीय थाना क्षेत्र के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल बड़ा पोखरा में मंगलवार को डूबने से एक नाबालिग छात्र की मौत हो गई। मृतक की पहचान परसा थाना क्षेत्र के जुम्मन साईं, 17 वर्ष, पिता आजाद अली साईं, माता कुरैसा खातून के रूप में हुई है। वह परसा हाई स्कूल में कक्षा 8 का छात्र था।घटना के बाद क्षेत्र में कोहराम मच गई।लोगो की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।परंतु पुलिस अधिकारी किसी को अंदर नही जाने दे रहे थे। घटना के सम्बन्ध में मृतक जुम्मन के साथ आये इनके चचेरे भाई यानी मित्र कादिर साईं ने बताया कि घर से स्कूल जाने की बात कहकर निकला था। स्कूल पहुंचकर दोनों ने अमनौर बड़ा पोखरा जाने का निर्णय लिया।उसके कहने पर हम जबरदस्ती यहां आए। प्रार्थना के घटनी लगते ही हम दोनों स्कूल से निकल पड़े।लगभग 11 बजे दोनों साइकिल से पर्यटक स्थल पहुंचे और प्रवेश शुल्क व वोट का शुल्क देकर अंदर चले गए।अंदर आते ही वोट से भ्रमण करने के लिए इसने कपड़ा खोला स्ट्रीट लाइट के पास कपड़ा रख दोनों मित्र बोट पर सवार होकर पोखरा के बीच में गए। इसी दौरान जुम्मन ने नहाने के लिए बोट से छलांग लगा दी और गहरे पानी में डूब गया। साथी ने शोर मचाया तो आसपास के लोगों ने उसे ढूंढने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं मिला। घटना की सूचना मिलते ही अमनौर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों की मदद से शव की खोज की गई, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद रउऊकी टीम को बुलाया गया। काफी मशक्कत के बाद टीम ने तीन घण्टो में जुम्मन के शव को पानी से बाहर निकाला।

तरैया में परिवार नियोजन पखवाड़ा पर आशा कार्यकर्ताओं को दिया गया प्रशिक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

तरैया,(सारण)। प्रखंड के डेवढ़ी गांव में आयुष्मान आरोग्य मंदिर में मंगलवार को परिवार नियोजन के अंतर्गत फैसिलिटेटर व आशा कार्यकताओं को प्रशिक्षण दिया गया। यह कार्यक्रम आकार परियोजना और जननी व मोबियस फाउंडेशन के संयुक्त त्वावधान में आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीसीएम बृजेश कुमार ने की जबकि मध्यस्थता जननी के जिला क्षेत्र समन्वयक पवन कुमार ने किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर आशा कार्यकताओं को परिवार नियोजन के लाभों और इससे संबंधित स्थाई एवं अस्थाई कार्यों की जानकारी को सरल और सुगम भाषा में आमजनों तक पहुंचाने के लिए प्रशिक्षित करना था। वहीं कार्यकताओं को बताया गया कि वे कैसे लोगों को छोटे परिवार के फायदे, बच्चों के जन्म में अंतराल को अस्थाई साधनों के द्वारा एक बच्चे से लेकर दूसरे बच्चे के बीच में 3 साल का अंतर रखने की आवश्यकता और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव के बारे में समझा सकती हैं।

उन्होंने कार्यकताओं को प्रभावी संवाद और सामुदायिक सहभागिता के महत्व पर जोर दिया। बैठक में रेफरल अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आलोक बिहारी शरण, मध्यस्थता जननी के जिला क्षेत्र समन्वयक पवन कुमार, सीएचओ सुनील दाधीच, फैसिलिटेटर संगीता देवी, एएनएम तरेसा लकड़ा, समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

हर मौसम में सेवा का संकल्प, जरूरतमंदों तक पहुंच रही मदद

प्रात : किरण संवाददाता

सारण/एकमा प्रखंड के बेनौत गांव में युवा चेतना सुप्रीमो रोहित कुमार सिंह के पैतृक आवास पर बरसात के मौसम में जरूरतमंदों के बीच छाता वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। रोहित कुमार सिंह के माता-पिता इंजीनियर अनिल सिंह के नेतृत्व में क्षेत्र के दर्जनों गांवों से पहुंचे लोगों के बीच बड़ी संख्या में छातों का वितरण किया गया। इस दौरान बाबा महेंद्रनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं और सड़क से गुजरने वाले राहगीरों को भी रोककर छाते दिए गए, ताकि बारिश के दौरान उन्हें परेशानी नहीं हो। आयोजकों के अनुसार, सेवा अभियान केवल बरसात तक सीमित नहीं है। मौसम और जरूरत के अनुसार अलग-अलग उपयोगी सामग्री जरूरतमंदों तक पहुंचाई जाती है। गर्मी के मौसम में कूलर व पंखे, ठंड में कंबल, चादर और जूते-चप्पल, जबकि छठ पर्व के अवसर पर जरूरतमंद महिलाओं के बीच साड़ी व कपड़ों का वितरण किया जाता है। बरसात में छाता वितरण इसी अभियान की एक कड़ी है। समर्थकों ने बताया कि युवा चेतना के माध्यम से सेवा अभियान को देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य मौसम के अनुरूप जरूरतमंदों की आवश्यकता को समझते हुए उन्हें उपयोगी सामग्री उपलब्ध कराकर राहत पहुंचाना है।

संक्षिप्त खबरें

नौवागढ़ी उत्तरी पंचायत में सहयोग शिविर का आयोजन जनसमस्याएं सुनीं गई

मुंगेर सदर। सदर प्रखंड के नौवागढ़ी उत्तरी पंचायत में विभागीय निदेर्शानुसार सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता पंचायत की मुखिया नविता कुमारी ने की। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में मुंगेर विधायक कुमार प्रणय उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि सरकार की हर कल्याणकारी योजना का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही इस शिविर का मुख्य उद्देश्य है। तभी शिविर को सफल माना जाएगा। शिविर में अनुमंडल पदाधिकारी सदर मुंगेर कुमार अभिषेक और डीसीएलआर भी मौजूद रहे। उन्होंने लोगों की समस्याओं को बारीकी से सुना। स्वास्थ्य से लेकर शिक्षा तक सभी विभागों के प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी शिविर में मौजूद रहकर लोगों की समस्याओं का समाधान करने में जुटे रहे। इस दौरान मुखिया नविता कुमारी ने उपस्थित अतिथियों को अंगवस्त्र और बुके देकर सम्मानि किया। सदर प्रखंड प्रमुख नरेश कुमार, पूर्व जिला पार्षद सदस्य कृष्ण मुरारी यादव, मुखिया प्रतिनिधि धर्मवीर पासवान, पूर्व सरपंच राजेंद्र मंडल, एमओ शिवम पुरी गोस्वामी, प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी जितेंद्र कुमार सहित सभी विभागों के प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी, कर्मी, वार्ड सदस्य और सैकड़ों पंचायत वासी।

बरुई पंचायत में पंचायत स्तरीय सहयोग शिविर, करीब 150 आवेदनों का मौके पर हुआ निपटारा

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। प्रखंड की बरुई पंचायत स्थित पंचायत सरकार भवन में मंगलवार को विकसित भारत-समृद्ध बिहार, सबका सम्मान-जीवन आसान अभियान के तहत पंचायत स्तरीय सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अनुमंडल एवं प्रखंड स्तर के अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। शिविर का उद्घाटन अनुमंडल पदाधिकारी राजीव रोशन, प्रभारी डीएसपी प्रभात रंजन, प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार, अंचल अधिकारी जयप्रकाश, मुखिया जितेंद्र बिन्द एवं आरडीओ शुभम कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में विभिन्न विभागों की ओर से स्टॉल लगाए गए थे। ग्रामीणों ने पेंशन, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा जॉब कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, भूमि विवाद एवं राजस्व संबंधी मामलों को लेकर आवेदन दिए। अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं की सुनवाई करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।अनुमंडल पदाधिकारी राजीव रोशन ने शिविर में प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की। इस दौरान करीब 150 आवेदनों का मौके पर ही निपटारा सुनिश्चित कराया गया। आरडीओ शुभम कुमार ने बताया कि शिविर में छह लोगों को जन्म प्रमाण पत्र, पांच लोगों को श्रम कार्ड तथा पांच लाभुकों को प्रधानमंत्री आवास योजना के स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद संबंधित आवेदनों को पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से विशेष स्वास्थ्य शिविर भी लगाया गया। इसमें ग्रामीणों की निःशुल्क आंखों की जांच की गई तथा चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। इस अवसर पर पंचायती राज पदाधिकारी आशीष झा, पीएचईडी के कनीय अभियंता संजय किरण, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी विकास कुमार, कार्यक्रम पदाधिकारी कुमार मनीष, कल्याण पदाधिकारी रमेश कुमार, पंचायत सचिव संतोष कुमार सिंह, मुखिया प्रतिनिधि शत्रुघ्न यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।अधिकारियों ने कहा कि इस तरह के सहयोग शिविरों का मुख्य उद्देश्य सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है।

28 प्रशिक्षणार्थियों को मिला प्रमाण-पत्र, स्वरोजगार के लिए किया गया प्रेरित

मुंगेर। सदर प्रखंड अंतर्गत यूको ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान यूको आर सेटी, मुंगेर में आयोजित जेनरल इडीपी बैच का मंगलवार को सफलतापूर्वक समापन किया गया। समापन समारोह में संस्थान के निदेशक रोहन कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में फरदा एवं टीकारामपुर की कुल 28 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इनमें 25 दीदियां और 3 भाई शामिल थे। सभी ने पूरे प्रशिक्षण के दौरान उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। इस अवसर पर निदेशक श्री रोहन जी ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान और कौशल का उपयोग कर वे स्वरोजगार अपनाएं और आत्मनिर्भर बनें। उन्होंने सभी को अपने पैरों पर खड़ा होकर समाज के लिए प्रेरणा बनने की सलाह दी।

करसौत पैक्स चुनाव को लेकर प्रशासनिक तैयारियां पूरी नामांकन आज : बीडीओ

प्रातः किरण संवाददाता

सीवान/दारौंदा करसौत प्राथमिक कृषि साख समिति (पैक्स) के चुनाव को लेकर प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया 19 एवं 20 अगस्त को होगी। प्रखंड कार्यालय में नामांकन के लिए एक काउंटर बनाया गया है, जहां सुबह 11 बजे से शाम तीन बजे तक प्रत्याशी अपना नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे।

निर्वाचन अधिकारी सह बीडीओ सिम्पी कुमारी ने बताया कि नामांकन को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सहायक निर्वाचन पदाधिकारी सौरभ सुमन ने बताया कि नामांकन काउंटर पर कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। नामांकन पत्रों की जांच 21 अगस्त को होगी। वहीं 25 अगस्त को नाम वापसी के साथ प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आवंटित किया जाएगा।यदि किसी पद पर निर्विरोध निर्वाचन नहीं होता है तो एक सितंबर को सुबह सात बजे से शाम 4:30 बजे तक मतदान कराया जाएगा। मतदान के लिए मध्य विद्यालय करसौत में तीन बूथ बनाए गए हैं। करसौत पैक्स में कुल 1414 मतदाता हैं। मतदान समाप्त होने के बाद उसी दिन शाम से मतगणना शुरू कर परिणाम घोषित किया जाएगा।अधिकारियों ने मतदान केंद्रों की व्यवस्था और सुरक्षा समेत अन्य तैयारियों का भी जायजा लिया। चुनाव की तिथि नजदीक आने के साथ ही करसौत में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है।

गांव में दो दुकानों में चोरी डेढ़ लाख का सामान ले उड़े चोर

प्रातः किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। थाना क्षेत्र के खंड बिहारी गांव स्थित बेसिक स्कूल के समीप सोमवार की देर रात चोरों ने दो दुकानों को निशाना बनाया। चोर दोनों दुकानों से करीब डेढ़ लाख रुपये से अधिक मूल्य का सामान चोरी कर फरार हो गए। घटना की जानकारी मंगलवार की सुबह दुकानदारों को हुई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही डीएसपी प्रभात रंजन, इंस्पेक्टर अरविंद कुमार और एसआई पंकज सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने दुकानदारों और स्थानीय ग्रामीणों से घटना की जानकारी ली तथा आसपास के क्षेत्र का जायजा लिया। जानकारी के अनुसार, गौतम जनरल स्टोर में चोरों ने वेंटिलेटर और ईंट तोड़कर छत के रास्ते दुकान में प्रवेश किया। दुकानदार गौतम सिंह के अनुसार, चोर दुकान से एक लाख रुपये से अधिक मूल्य की सामग्री चोरी कर ले गए। वहीं, जितेंद्र ठाकुर की जेके मल्टी स्टोर सह कॉमन सर्विस सेंटर का शटर का ताला तोड़कर चोर दुकान में घुसे। चोर दुकान से चूड़ी, प्रिंटर सहित अन्य सामान लेकर फरार हो गए।

घटना की जानकारी मिलने के बाद जदयू नेता कुंदन सिंह, समाजसेवी रमन सिंह सहित दर्जनों ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं पर चिंता जताते हुए पुलिस से जल्द चोरों की गिरफ्तारी और मामले का उद्भेदन करने की मांग की।

स्थानीय लोगों का कहना है कि थाना क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं। पूर्व में हुई कुछ चोरी की घटनाओं का अब तक खुलासा नहीं होने से ग्रामीणों में पुलिस की कार्यशैली को लेकर नाराजगी है। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि घटनास्थल पर पुलिस टीम भेजकर मामले की जांच की जा रही है। दुकानदारों के आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

ओबरा पंचायत में सहयोग शिविर, 95 आवेदन प्राप्त

ओबरा (औरंगाबाद)। बिहार सरकार के सात निश्चय-3 के तहत सबका सम्मान, जीवन आसान कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार, 18 अगस्त 2026 को ओबरा पंचायत के टाउन हॉल में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया।

सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चले शिविर में ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं और सरकारी योजनाओं से संबंधित मामलों के समाधान के लिए अलग-अलग विभागों के काउंटर लगाए गए। शिविर में कुल 95 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 41 मामलों का निष्पादन किया गया। कार्यक्रम में ओबरा पंचायत की मुखिया सीमा अग्रवाल मौजूद रहीं। वहीं औरंगाबाद के एडीएम उपेन्द्र पंडित ने शिविर का निरीक्षण करते हुए विभिन्न विभागों में प्राप्त आवेदनों और उनके निष्पादन की जानकारी अधिकारियों से ली। बिजली विभाग के विद्युत कनीय मिहिर कुमार उपाध्याय विभागवार आंकड़ों के अनुसार कल्याण विभाग में सबसे अधिक 30 आवेदन प्राप्त हुए, हालांकि इनमें किसी मामले का निष्पादन नहीं हो सका।

सरकार का उद्देश्य हर अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना : विधायक, कुमार प्रणय

- शिविर में अनुमंडल पदाधिकारी सदर मुंगेर कुमार अभिषेक और डीसीएलआर भी मौजूद रहे

प्रातः किरण संवाददाता

मुंगेर सदर। सदर प्रखंड के नौवागढ़ी उत्तरी पंचायत में विभागीय निदेर्शानुसार सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता पंचायत की मुखिया नविता कुमारी ने की। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में मुंगेर विधायक कुमार प्रणय उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि सरकार की हर कल्याणकारी योजना का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही इस शिविर का मुख्य उद्देश्य है। तभी शिविर को सफल माना जाएगा। शिविर में अनुमंडल पदाधिकारी सदर मुंगेर कुमार अभिषेक और डीसीएलआर भी मौजूद रहे। उन्होंने लोगों की समस्याओं को बारीकी से सुना।

स्वास्थ्य से लेकर शिक्षा तक सभी विभागों के प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी शिविर में मौजूद रहकर लोगों की समस्याओं का समाधान करने में जुटे रहे। इस दौरान मुखिया नविता कुमारी ने उपस्थित अतिथियों को अंगवस्त्र और बुके देकर सम्मानि किया। सदर प्रखंड प्रमुख नरेश कुमार, पूर्व जिला पार्षद सदस्य कृष्ण मुरारी यादव, मुखिया प्रतिनिधि धर्मवीर पासवान, पूर्व सरपंच राजेंद्र मंडल, एमओ शिवम पुरी गोस्वामी, प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी जितेंद्र कुमार सहित सभी विभागों के प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी, कर्मी, वार्ड सदस्य और सैकड़ों पंचायत वासी।

भारत में जीवन बीमा कवरेज बढ़ने का रुझान बेहतर वित्तीय तैयारी का संकेत

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। भारत के इंश्योरेंस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (आईआईबी) द्वारा वित्त वर्ष 2021 से वित्त वर्ष 2025 तक के जीवन बीमा कारोबार के आंकड़ों के विश्लेषण से भारत में बीमा सुरक्षा की स्थिति में सकारात्मक बदलाव के संकेत मिलते हैं। मौजूदा पॉलिसीधारक अब अपनी वित्तीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अधिक बीमा कवरेज का विकल्प अपना रहे हैं। जीवन के विभिन्न चरणों के साथ जिम्मेदारियां भी बदलती हैं। इसे ध्यान में रखते हुए ग्राहक लगातार अपने बीमा कवरेज को बढ़ा रहे हैं। यह रुझान दशार्ता है कि दीर्घकालीन वित्तीय सुरक्षा के साधन के रूप में जीवन बीमा पर ग्राहकों का भरोसा बढ़ रहा है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि कम उम्र में जीवन बीमा की शुरूआत करने के कई फायदे हैं।

इंश्योरेंस अवेयरनेस कमेटी (आईएसी)-लाइफ के चेयरपर्सन कमलेश राव ने कहा कि आईआईबी के आंकड़े स्पष्ट रूप से बताते हैं कि जीवन बीमा में बने रहने वाले भारतीय इसके महत्व को तेजी से समझ रहे हैं। वे जीवन में होने वाले बदलावों और बढ़ती जिम्मेदारियों के अनुसार अपनी बीमा सुरक्षा को मजबूत कर रहे हैं। पॉलिसीधारकों का लगातार अधिक बीमा कवरेज की ओर बढ़ना उत्साहजनक है। यह अपने और अपने परिवार के लिए वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की उनकी बढ़ती प्रतिबद्धता को दशार्ता है। जिन लोगों ने अभी तक जीवन बीमा की शुरूआत नहीं की है, उनके लिए संदेश सरल है–आप जितनी जल्दी शुरूआत करेंगे, उतना ही अधिक समय आपको व्यापक वित्तीय सुरक्षा तैयार करने के लिए मिलेगा, जो आपकी आकांक्षाओं और जिम्मेदारियों के साथ बढ़ सकती है।

मारपीट मामले का नामजद आरोपी व फरार वारंटी गिरफ्तार, भेजे गए जेल

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)।। हवेली खड़गपुर थाना पुलिस ने अपराध नियंत्रण को लेकर कार्रवाई करते हुए अलग-अलग मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस की कार्रवाई से फरार आरोपियों और वारंटियों में हड़कंप मचा है। पुलिस के अनुसार, थाना क्षेत्र के रतनी गांव में हुई मारपीट की घटना में नामजद आरोपी डीकेश कुमार को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। वहीं, दूसरी कार्रवाई में न्यायालय से जारी वारंट के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे छोटी मधुवन निवासी लखन मुर्मू को पुलिस ने गिरफ्तार किया। कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे भी न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। थाना पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार छापेमारी और गश्त की जा रही है। फरार आरोपियों, वारंटियों एवं विभिन्न मामलों में वांछित लोगों की गिरफ्तारी के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

एचएस कालेज में एन.सी.सी. कैडेटों की होगी भर्ती 31अगस्त तक छात्र छात्राएं करें आवेदन : लें.प्रियंवदा शर्मा

मुंगेर। हवेली खड़गपुर नगर क्षेत्र स्थित हरि सिंह महाविद्यालय में एन.सी.सी. पदाधिकारी लें. डां प्रियंवदा शर्मा द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि हरि सिंह महाविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर के शैक्षणिक सत्र 2026झ27 के लिए राष्ट्रीय कैडेट कोर में नए एनसीसी कैडेटों की भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। महाविद्यालय के इच्छुक एवं पात्र छात्र-छात्राएँ 31 अगस्त2026 तक एनसीसी चयन के लिए आवेदन जमा कर सकते हैं। भर्ती के अंतर्गत अभ्यर्थियों का पंजीकरण, शारीरिक दक्षता परीक्षण तथा साक्षात्कार एन.सी.सी. के निर्धारित मानकों के अनुसार आयोजित किया जाएगा। चयनित कैडेटों को परेड, वार्षिक प्रशिक्षण शिविर, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय शिविरों, साहसिक गतिविधियों तथा विभिन्न सामाजिक सेवा कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। महाविद्यालय के सभी योग्य छात्र-छात्राओं से अनुरोध है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर भर्ती प्रक्रिया में भाग लें। भर्ती से संबंधित विस्तृत जानकारी महाविद्यालय के एन.सी.सी. कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

आरसीएम ने महिला-केंद्रित इकोसिस्टम को किया मजबूत

वर्धमान। आरसीएम कंज्यूमर प्रोडक्ट्स प्रा. लि. अपने एसोसिएट बायर्स और लीडर्स के बीच नेतृत्व, आत्मविश्वास, स्वास्थ्य जागरूकता और कौशल निर्माण के उद्देश्य से की गई पहलों के जरिए महिला भागीदारी और आत्मनिर्भरता पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है। 15-16 अगस्त को आरसीएम वर्ल्ड, भीलवाड़ा में आयोजित कंपनी की स्पेशल विमेंस एकेडमी 2026 ने हर नारी सम्मान की अधिकारी थीम के तहत देश भर से महिला प्रतिभागियों को एक मंच पर लाया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में सशक्तिकरण गतिविधियों के साथ खेल, सांस्कृतिक प्रदर्शन और व्यावहारिक कौशल विकास का संयोजन किया गया।स्वतंत्रता दिवस समारोह की शुरूआत मार्च-पास्ट और ध्वजारोहण के साथ हुई, जिसके बाद स्कूली छात्राओं द्वारा प्रस्तुतियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। एक सम्मान समारोह में महिला अचीवर्स को सम्मानित किया गया, वहीं आरसीएम के संस्थापक टी.सी. छाबड़ा और प्रबंध निदेशक प्रियंका अग्रवाल ने महिला सशक्तिकरण के प्रति कंपनी के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। दूसरे दिन एक अंतर-राज्यीय स्पोर्ट्स लीग का आयोजन हुआ, जिसमें राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय कराटे व ग्रैपलिंग खिलाड़ी और ब्लैक बेल्ट किरण शर्मा तथा राजस्थान केसरी कुश्ती चैंपियन अंकिता वैष्णव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

छात्रा की पिटाई के बाद अभिभावकों ने शिक्षिका से की मारपीट

सीवान/दारौंदा । प्रखंड के उच्च माध्यमिक विद्यालय कचहरी जलालपुर में मंगलवार को सातवीं कक्षा की छात्रा की कथित पिटाई के बाद आक्रोशित अभिभावकों ने विद्यालय पहुंचकर शिक्षिका के साथ मारपीट कर दी। घटना के बाद विद्यालय परिसर में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। मारपीट में शिक्षिका के चोटिल होने की बात बताई जा रही है।बताया जाता है कि विद्यालय परिसर में पुस्तकालय के समीप किसी बात को लेकर सातवीं कक्षा की छात्रा नंदनी कुमारी की शिक्षिका रिकू कुमारी ने कथित रूप से पिटाई कर दी। इसकी जानकारी मिलने के बाद छात्रा के अभिभावक विद्यालय पहुंचे और शिक्षिका के साथ मारपीट करने लगे। घटना से विद्यालय में हड़कंप मच गया।पटना की सूचना पर दारौंदा थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह, सीओ वेद प्रकाश नारायण और बीईओ सौरभ सुमन समेत अन्य पदाधिकारी विद्यालय पहुंचे। अधिकारियों ने शिक्षकों एवं मौके पर मौजूद लोगों से घटना की जानकारी ली। मामले की जांच की जा रही है।

फैशन सिटी ने अभिनेता कार्तिक आर्यन को बनाया ब्रांड एंबेसडर

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। पूरे भारत की तेजी से बढ़ते वैल्यू रिटेल चेन में से एक फैशन सिटी ने नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा की है। यह कंपनी की ग्रोथ की यात्रा में एक बड़ा अहम पड़ाव है। यह जुड़ाव ब्रांड की आधुनिक भारतीय परिवारों की उम्मीदों से जुड़ने और देश भर में अपनी मौजूदगी मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। किफायती कीमतों पर फैशन, लाइफस्टाइल और घर की जरूरी चीजों की एक बड़ी रेंज पेश करते हुए यह ब्रांड मेट्रो, टियर-2, टियर-3 के साथ उभरते बाजारों में परिवारों की जरूरतों को पूरा करता है।बाजार रिटेल प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर और सीईओ अभिषेक खेमका ने कहा कि हमारा हमेशा से मानना रहा है कि बेहतरीन फैशन सभी के लिए सुलभ होना चाहिए। कार्तिक आर्यन एक ऐसी नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं जो आत्मविश्वास से भरी, महत्वाकांक्षी और लोगों से जुड़ाव महसूस कराने वाली है। उन्होंने कहा कि एक क्षेत्रीय वैल्यू रिटेलर से लेकर 13 राज्यों में 250 स्टोर के नेटवर्क तक का हमारा सफर उस भरोसे को दिखाता है जो हमारे ग्राहकों ने सालं से हम पर जताया है।

छात्राओं के गंभीर आरोपों से स्कूल में हड़कंप शिक्षक को थाने ले गई पुलिस; जांच के आदेश

प्रातः किरण संवाददाता

धरहरा(मुंगेर)।धरहरा थाना क्षेत्र के एक मध्य विद्यालय में शिक्षक पर छात्राओं के साथ आपत्तिजनक व्यवहार करने के गंभीर आरोप सामने आने के बाद विद्यालय में लगातार दो दिनों से हंगामे की स्थिति बनी हुई है। छात्राओं के आरोपों ने विद्यालय प्रबंधन से लेकर शिक्षा विभाग तक की चिंता बढ़ा दी है। बताया जाता है कि एक छात्रा की शिकायत के बाद उसके अभिभावक विद्यालय पहुंचे और शिक्षक के कथित व्यवहार का विरोध किया। छात्राओं ने आरोप लगाया कि संबंधित शिक्षक उन्हें अकेले में बुलाकर गर्भावस्था से जुड़े सवाल पूछते थे। इतना ही नहीं, कक्षा संचालन के दौरान छात्रा के साथ सटकर बैठने और अनुचित तरीके से छूने का भी आरोप लगाया गया है।शिकायत के बाद मामला बढ़ने पर प्रधानाध्यापक ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस आरोपित शिक्षक को थाने ले गई, जहां सुबह से शाम करीब चार बजे तक उससे पूछताछ की गई। हालांकि, अभिभावकों की ओर से लिखित शिकायत नहीं दिए जाने के कारण पुलिस ने शिक्षक को हिदायत देकर छोड़ दिया।

शिक्षक के समर्थन में छात्राओं को थाने ले जाने पर उठे सवाल :

मामले में उस समय नया मोड़ आ गया, जब आरोपित शिक्षक के पक्ष में एक दर्जन से अधिक छात्राओं को लेकर कुछ शिक्षक थाना पहुंच गए। विद्यालय अवधि में छात्राओं को स्कूल से थाने ले जाने की घटना को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। आखिर विद्यालय में पढ़ाई के समय छात्राओं को किसके निर्देश पर थाना ले जाया गया, यह जांच का विषय बन गया है।

मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी कुणाल गौरव ने जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि आरोपों की जांच के लिए बीपीएम को निर्देशित किया गया है। साथ ही विद्यालय अवधि में छात्राओं को थाना ले जाने वाले शिक्षकों से भी स्पष्टीकरण मांगा जाएगा।

जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल छात्राओं द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच जारी है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि आरोपों में कितनी सच्चाई है और पूरे मामले में कौन-कौन जिम्मेदार है।

कांवरियों की सुविधा एवं सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट मोड में , डीएम ने किया कांवरियां पथ का निरीक्षण

प्रातः किरण संवाददाता

मुंगेर। विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला के दौरान कांवरियों की सुविधा एवं सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं का जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर द्वारा लगातार निरीक्षण एवं अनुश्रवण किया जा रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी ने आज असरगंज प्रखंड अंतर्गत कमराय स्थित कच्ची कांवरिया पथ का निरीक्षण कर कांवरिया पथ पर उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मौके पर विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कच्ची कांवरिया पथ पर यात्रा कर रहे कांवरियों से सीधे संवाद कर जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कांवरियों से पेयजल, स्वास्थ्य सुविधा, सूचना केंद्र सहित अन्य व्यवस्थाओं के बारे में फीडबैक प्राप्त किया तथा उनकी समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना। जिलाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि कांवरियों को यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए तथा उपलब्ध कराई जा रही सभी मूलभूत सुविधाएं नियमित एवं सुचारू रूप से संचालित रहें। निरीक्षण के क्रम में मार्ग में संचालित दुकानों के समीप पेयजल की अनावश्यक बबादी पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी व्यक्त की।

उन्होंने दुकानदारों को कड़ी फटकार लगाते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि पेयजल जैसी महत्वपूर्ण एवं सीमित संसाधन की किसी भी परिस्थिति में बबार्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने दुकानदारों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि यदि कोई दुकानदार जानबूझकर या अनावश्यक रूप से पानी की बबार्दी करते हुए पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, ऐसे दुकानदारों का विद्युत कनेक्शन भी विच्छेदित करने की कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कच्ची कांवरिया पथ पर संचालित दुकानों एवं अन्य प्रतिष्ठानों की नियमित निगरानी की जाए तथा पेयजल की बबार्दी करने वालों के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि कांवरियों की सुविधा के लिए उपलब्ध कराए गए संसाधनों का समुचित एवं जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग सुनिश्चित करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। साथ ही उन्होंने कच्ची कांवरिया पथ पर बिछे बालू पर नियमित जल छिड़काव तथा जहां बालू की कमी हो रही है वहां बालू बिछाए जाने के निदेश भी दिए। जिलाधिकारी ने कच्ची कांवरिया पथ पर स्थापित सूचना केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां कांवरियों को उपलब्ध कराई जा रही सूचनाओं, सहायता एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा कर्मियों को निर्देश दिया कि सूचना केंद्र पर आने वाले श्रद्धालुओं को आवश्यक जानकारी तात्परता एवं विनम्रता के साथ उपलब्ध कराई जाए। जिलाधिकारी ने मार्ग में संचालित स्वास्थ्य शिविर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति तथा आवश्यक दवाओं की उपलब्धता की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने कहा कि श्रावणी मेला के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु कच्ची कांवरिया पथ से होकर गुजरते हैं।

चार पंचायतों में मुख्यमंत्री सहयोग शिविर 100 आवेदन व 110 लोगों की स्वास्थ्य जांच हुई

प्रातः किरण संवाददाता

सीवान/दारौंदा प्रखंड क्षेत्र की जलालपुर, कोडारी कला, बगौरा एवं छेरही पंचायतों में मंगलवार को मुख्यमंत्री सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न सरकारी योजनाओं से जुड़ी समस्याओं के समाधान एवं लाभ प्राप्त करने के लिए ग्रामीणों ने कुल 29 आवेदन जमा किए। वहीं, 110 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई।

शिविर में ग्रामीणों को विभिन्न कल्याणकारी एवं जनहितकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र लाभुकों से आवेदन लिए गए। अधिकारियों ने योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक कागजात एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी।

इस दौरान जलालपुर पंचायत की मुखिया बबीता देवी, प्रतिनिधि अरुण सिंह एवं सुरेंद्र प्रसाद ने बीडीओ शिम्पी कुमारी व आरओ स्वर्णिका चांद्रा को बुके एवं शॉल देकर सम्मानित किया। मौके पर सीओ वेद प्रकाश नारायण, बीईओ सौरभ सुमन, थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह, प्रखंड नाजिर बिस्मिल्लाह अंसारी, पंचायत सचिव जितेंद्र कुमार, राजस्व कर्मचारी संजय कुमार, सीएचओ विकास कुमार ठाकुर, स्वास्थ्यकर्मी संदीप कुमार, एएनएम रेनू देवी सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।

अंबेडकर चौक से पानी टंकी तक जर्जर सड़क, बारिश में कीचड़ से राहगीर हो रहे है परेशान

प्रातः किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर। हवेली खड़गपुर नगर परिषद क्षेत्र में बारिश के मौसम में सड़कों की स्थिति बदहाल हो गई है। अंबेडकर चौक से गैस एजेंसी होते हुए पानी टंकी तक जाने वाली सड़क पर जगह-जगह गड्ढे और कीचड़ की समस्या से लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। बारिश के बाद सड़क की स्थिति और भी खराब हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर परिषद की ओर से सड़क की समस्या पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। स्थानीय निवासी अरुण कुमार वर्मा ने बताया कि वे करीब 20 वर्षों से इस रास्ते से आवागमन कर रहे हैं, लेकिन सड़क की ऐसी स्थिति पहले कभी नहीं देखी। उन्होंने कहा कि पैदल चलने के दौरान जब कोई मोटरसाइकिल या चारपहिया वाहन गुजरता है तो सड़क पर जमा कीचड़ उछलकर कपड़ों पर पड़ जाता है। सुबह दुकान के लिए निकलने वाले लोगों को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं, गीता देवी ने बताया कि घर के दरवाजे पर बैठने के दौरान सड़क से गुजरने वाले वाहनों के पहियों से कीचड़ उछलकर दरवाजे और आसपास तक पहुंच जाता है। इससे लोगों को काफी परेशानी होती है। स्थानीय निवासी शंभू केसरी ने बताया कि बारिश के समय नालियां भी भर जाती हैं और नाली का पानी सड़क पर बहने लगता है। इससे सड़क पर जलजमाव और कीचड़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने सड़क और नाली की समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की। स्थानीय लोगों ने नगर परिषद प्रशासन से सड़क की मरम्मत कराने, नालियों की नियमित सफाई कराने और बारिश के पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था करने की मांग की है, ताकि लोगों को आवागमन में परेशानी न हो।

संक्षिप्त खबरें

बंदरा के दो पंचायतों में लगा सहयोग शिविर

मुजफ्फरपुर। बंदरा प्रखंड की मतलूपुर और पटसारा पंचायतों में मंगलवार को सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ जिला पार्षद फणीश कुमार चुन्नू, बीडीओ गुंजा कुमारी, सीओ अदिति राय, बीपीआरओ राजीव रंजन, तथा मुखिया रविंद्र सहनी और रेखा देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद विभिन्न विभागों से प्राप्त आवेदनों पर कार्रवाई शुरू की गई। मतलूपुर पंचायत में कुल 102 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 55 ऑनलाइन और 47 ऑफलाइन थे। इनमें से 44 आवेदनों का निष्पादन कर दिया गया। पटसारा पंचायत में 24 ऑनलाइन और 29 ऑफलाइन सहित कुल 53 आवेदन मिले, जिनमें से 19 का निष्पादन किया गया।

जिलाधिकारी ने दिया राशनकार्ड निर्माण में तेजी लाने का निर्देश

मुजफ्फरपुर।जिला पदाधिकारी कुमार गौरव द्वारा समाहरणालय सभागार में आयोजित बैठक में नये राशन कार्ड निर्माण में प्रगति की समीक्षा की गई तथा प्रखंडवार अद्यतन स्थिति का जायजा लिया गया। समीक्षा में पाया गया कि यद्यपि नये राशन कार्ड निर्माण में तेजी आयी है लेकिन प्रगति अभी भी संतोषजनक नहीं है। जिले में नये राशन कार्ड निर्माण के लिए पात्रता-अंकित आवेदनों की संख्या 80,615 है परन्तु नए राशन कार्ड निर्माण की गति धीमी है। जिलाधिकारी ने इसपर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों, अंचल अधिकारियों एवं प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को तेजी से कार्य करने के लिए निर्देशित किया।जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता, लापरवाही अथवा उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राशन कार्ड निर्माण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को मिशन मोड में कार्य करते हुए लक्ष्य के अनुरूप सभी पात्र लाभुकों का राशन कार्ड समय से बनाना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी पात्र व्यक्तियों का राशन कार्ड निर्माण प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी की सम्मिलित जिम्मेदारी है। प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करते हुए राशन कार्ड निर्माण की गति में अपेक्षित तेजी लाएं। अनुमंडल पदाधिकारियों को नियमित रूप से अनुश्रवण कर प्रगति लाने के लिए निर्देशित किया गया।

द ड्रीम डांस एकेडमी एवं म्यूजिकल हब का भव्य उद्घाटन

मधुबनी। विद्यानगर, जयनगर में द ड्रीम डांस एकेडमी एवं म्यूजिकल हब का भव्य उद्घाटन हुआ। समारोह में स्थानीय लोग, अभिभावक, छात्र-छात्राएं एवं कला प्रेमी शामिल हुए। संस्थान में बच्चों एवं युवाओं को डांस, शास्त्रीय नृत्य, संगीत सहित विभिन्न रचनात्मक विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा।संचालक मो. फैजान (दानिश) एवं पप्पू कुमार ने बताया कि एकेडमी का उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण देकर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर उपलब्ध कराना है। उद्घाटन के दौरान विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।कार्यक्रम में मुख्य पार्षद कैलाश, कांग्रेस नेता अनुरंजन सिंह, जदयू नेता हीरा माझी, मो. इम्तियाज, प्रिंस, दक्ष, राजकुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पानापुर में 19 से 21 अगस्त तक लगेगा पीएम सूर्य घर योजना का कैंप

पानापुर (सारण)। प्रखंड क्षेत्र के लोगों को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ दिलाने के लिए 19 से 21 अगस्त तक विशेष कैंप का आयोजन किया जाएगा। कैंप में लोगों को रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने, योजना के तहत मिलने वाली सब्सिडी तथा आवेदन की प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी।कैंप में इच्छुक उपभोक्ताओं को योजना से संबंधित आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के साथ आवेदन करने में भी सहयोग किया जाएगा। सरकार की पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य घरों की छत पर सोलर प्लांट लगाकर बिजली की जरूरत को पूरा करना और बिजली खर्च में कमी लाना है।

केंद्र सरकार की योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को सोलर रूफटॉप लगाने पर केंद्रीय वित्तीय सहायता दी जाती है। आधिकारिक दिशा-निर्देश के अनुसार पहले 2 किलोवाट तक की क्षमता पर बेंचमार्क लागत का 60 प्रतिशत तथा अतिरिक्त 1 किलोवाट क्षमता पर 40 प्रतिशत की दर से सहायता का प्रावधान है। 3 किलोवाट से अधिक क्षमता पर अतिरिक्त केंद्रीय सहायता नहीं दी जाती है।कैंप के माध्यम से उपभोक्ताओं को योजना का लाभ लेने की प्रक्रिया, पात्रता और सब्सिडी की जानकारी दी जाएगी।

डीएम ने की फार्मर रजिस्ट्री अभियान की समीक्षा
लंबित आवेदनों को शीघ्र निष्पादित का निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मंगलवार को जिला पदाधिकारी द्वारा फार्मर रजिस्ट्री अभियान में प्रगति की समीक्षा की गई तथा अद्यतन स्थिति का जायजा लिया गया। पदाधिकारियों को फार्मर रजिस्ट्री एवं ई-केवाईसी का कार्य मिशन मोड में सम्पन्न करने का निर्देश दिया गया। सभी अनुमंडल पदाधिकारियों, प्रखंडों के वरीय नोडल पदाधिकारियों, जिला कृषि पदाधिकारी, अपर समाहर्ता एवं उप विकास आयुक्त को क्षेत्रीय अधिकारियों के माध्यम से किसान बंधुओं के बीच सघन जन-जागरूकता अभियान चलाकर एग्री स्टैक परियोजना अंतर्गत फार्मर रजिस्ट्री के कार्यों में लक्ष्य के अनुरूप प्रगति लाने एवं लंबित आवेदनों को शीघ्र निष्पादित करने सहित विशेष शिविरों का सफल आयोजन सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया।जिलाधिकारी ने कहा कि इस पूरे अभियान के केंद्र बिंदु हमारे किसान भाई हैं। सम्पूर्ण प्रशासनिक तंत्र आपकी सहायता के लिए सजग, तत्पर एवं प्रतिबद्ध है। सभी 373 पंचायतों में विशेष अभियान के तहत शिविर लगाया जा रहा है। उन्होंने किसान बंधुओं से अपील करते हुए कहा कि आप कैम्प में भाग लेकर फार्मर आईडी बनवाएँ एवं कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं का पारदर्शी एवं सुचारू रूप से लाभ उठाएं।जिलाधिकारी ने कहा कि यह सरकार की उच्च प्राथमिकताओं में से एक है। किसान बंधुओं की सहायता के लिए सरकार द्वारा नियमित तौर पर कैम्प लगाया जा रहा है ताकि अधिक-से-अधिक किसान अपना फार्मर आईडी बना सकें एवं योजनाओं का लाभ सुगमता से प्राप्त कर सकें। पूर्व की शिविरों में बेहतर प्रदर्शन किया गया था। जिला के सभी पंचायतों में पंचायत सरकार भवनों,पंचायत कृषि कार्यालयों,अन्य निर्धारित सार्वजनिक स्थलों पर कैम्प लगाया जा रहा है। किसान बंधुओं से अपील है कि वे इस कैम्प में भाग लें तथा अपना फार्मर आईडी बनवाएँ। इससे आपको डिजिटल पहचान की प्राप्ति होगी तथा पीएम किसान सम्मान निधि सहित अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ सुगम एवं पारदर्शी तरीके से मिलेगा। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को इस विशेष अभियान का सफलतापूर्वक आयोजन सुनिश्चित करने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि बंदरा, मुरौल, मुशहरी सहित अन्य कई प्रखण्डों में फार्मर रजिस्ट्री अभियान में अच्छा कार्य किया जा रहा है। सभी प्रखंड बेहतर ढंग से कार्य करें। इस विशेष अभियान में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जो भी अधिकारी या कर्मचारी लक्ष्य के अनुरूप उपलब्धि हासिल करने में शिथिलता या लापरवाही बरतेंगे उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने प्रखंडों के वरीय नोडल पदाधिकारियों को अपने-अपने प्रखंडों का भ्रमण कर कार्यों में तेजी लाने का निदेश दिया। अनुमंडल पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत सभी अंचलों में विशेष अभियान में प्रगति का नियमित अनुश्रवण करने का निदेश दिया गया। जिला कृषि पदाधिकारी को किसानों के ई-केवाईसी कार्य में तेजी लाने का निदेश दिया गया।

15 दिनों के अंदर प्रारंभ होगा पांडुलिपियों का डिजिटाइजेशन : संजय झा

प्रातः किरण संवाददाता

दरभंगा।भारत का औक्सफॉर्ड बनेगा मिथिला शोध संस्थान।प्राचीन व आधुनिक विद्याओं का होगा समन्वय।पांडुलिपियों के को सर्वोच्च प्राथमिकता।उक्त बातें मिथिला संस्कृत शोध संस्थान के निरीक्षण क्रम में शोध संस्थान पधारे राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा ने कहीं। आगे श्री झा ने जिलाधिकारी कौशल कुमार,एस एस पी जगुनाथजला रेड्डी तथा विधायक ईश्वर मंडल के साथ उच्चस्तरीय विमर्श के क्रम में कहा कि इस अनोखे संस्थान उच्च शिक्षा व अनुसंधान के लिए मौलिक आवश्यकताओं पर बल दिया जाना चाहिए।संस्थान के शिक्षार्थियों व गवेषकों के लिए पांडुलिपियों पर केंद्रित समावेशी पाठ्यक्रम के निर्माण के लिए राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के निदेशक डॉ.अनिर्वान दास तथा उच्च शिक्षा सचिव राजीव रौशन के साथ दूरभाष पर गंभीर विमर्श किया।राज्यसभा सांसद का अभिनंदन करते हुए उज्ज्वल कुमार ने वर्ष 1951 में हुए शिलान्यास की दुर्लभ तस्वीर भेंट की जिसमें देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद,तत्कालीन महामहिम एम.एस. अने संस्थापक महाराजाधिराज डॉ. कामेश्वर सिंह कई गणमान्य लोगों की उपस्थिति है। साथ ही श्री कुमार ने शिलान्यास समारोह के अवसर पर राष्ट्रपति डॉ.राजेंद्र प्रसाद के ऐतिहासिक सारगर्वित उद्बोधन संकलन की प्रति प्रदान की।श्री कुमार द्वारा दी गई इन दोनों दुर्लभ सामग्री को पाकर राज्यसभा सांसद अभिभूत हो गए।

पालीगंज में किया गया अभिनन्दन समारोह का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

पालीगंज बाजार में भाजपा की ओर से बिक्रम विधायक सह बिहार विधान सभा के निवेदन समिति के अध्यक्ष सिद्धार्थ सौरभ के अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया।

जानकारी के अनुसार कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा के पालीगंज मंडल अध्यक्ष उत्तम कुमार तथा संचालन पालीगंज विधानसभा संयोजक नारायण कुमार ने किया। मौके पर भाजपा कार्यकताओं ने बिक्रम विधायक सिद्धार्थ सौरभ का भव्य स्वागत व अभिनन्दन किया। इस दौरान सिद्धार्थ सौरभ को पालीगंज पहुंचते ही ढोल बाजे के साथ कार्यकर्ताओ ने अगुआई किया। वही कार्यकर्ताओ ने सिद्धार्थ सौरभ को फूल माला पहना कर भव्य स्वागत किया। वही कार्यक्रम की शुरूआत संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। उसके बाद अथितियों का स्वागत मोमेंटो व अंगवस्त्र प्रदान कर किया गया। मौके पर सिद्धार्थ सौरभ ने कहा कि मैं पालीगंज की जनता के साथ हूँ। जब भी जरूरत होगी मैं यहां की जनता के साथ खड़ा रहूंगा। साथ ही मैं हमेशा बीच बीच मे भाजपा कार्यकताओं के साथ बैठक कर यहां की स्थिति का जायजा लूंगा और जनता की समस्याओं को समाधान करने का प्रयास करूंगा। आज पालीगंज के लोगो का जिस तरह मुझे प्यार मिला है इसके लिए मैं उनका आभारी रहूंगा। मौके पर पालीगंज विधानसभा संयोजक नारायण कुमार ने कहा कि पालीगंज को एक अच्छे नेता की जरूरत थी। जिसे देखते हुए भाजपा ने इस तरह के कदम उठाया है। वही जिला उपाध्यक्ष बिनोद शर्मा ने कहा कि यहां की जनता के विश्वास पर सिद्धार्थ सौरभ खड़े उतरेंगे ऐसा पूर्ण विश्वास है। उम्मीद है कि ▪न्ड अच्छे कार्य कुशलता के बदौलत एक दिन सिद्धार्थ सौरभ पाटलिपुत्रा लोक सभा का भी नेतृत्व करेंगे। जबकि प्रदेश कार्य समिति सदस्य शिवेन्द्र धारी सिंह ने कहा कि अच्छा नेतृत्व ही अच्छा विकास का कार्य करती है। जबकि भाजपा महिला मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष दिव्या गुंजन ने कही की भाजपा हमेशा अच्छे व योग्य नेता को जन कल्याणकारी कार्यो को करने का मौका देती है। मौके पर भाजपा के पटना जिला परिषद संख्या 16 के जिला पार्षद सह भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष दिव्या गुंजन, प्रदेश कार्य समिति सदस्य शिवेन्द्र धारी सिंह, पटना जिला उपाध्यक्ष बिनोद शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार, मंडल अध्यक्ष इंद्रजीत कुमार उर्फ सिंधु शर्मा, अभिमन्यु कुशवाहा, शाहीजी, लवकुश शर्मा आदि थे।

मढ़ौरा में मनाया गया शहीद रामजीवन सिंह का शहादत दिवस

प्रातः किरण संवाददाता

मढ़ौरा में मंगलवार को शहीद रामजीवन सिंह का शहादत दिवस मनाया गया। इस मौके पर यहां के अधिकारी, समाज सेवी और देश प्रेमियों के द्वारा स्मारक स्थल पर कैंडल जलाकर शहीद को श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर फुटबॉल मैच का भी आयोजन किया गया। इस दौरान स्मारक समिति के अध्यक्ष लालबाबू गिरी की अध्यक्षता में आयोजित इस शहादत दिवस समारोह में स्मारक स्थल पर श्रद्धांजलि देने और कैंडल जलाने वालों में मुख्य रूप से मढ़ौरा एसडीओ निधि राज, डीएसपी सबिंदर कुमार दास,मुखिया संघ अध्यक्ष परमात्मा राय विष्णु गुप्ता, कांग्रेस नेता राजू कुमार,के अलावा कई स्थानीय समाजसेवी , खिलाड़ी, शिक्षक, देश प्रेमी और गणमान्य लोग मौजूद थे।

आपरेशन मुस्कान के तहत 106 मोबाईल उसके मालिकों को लौटाए गये

मुजफ्फरपुर ।पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए इस माह गुम और चोरी हुए 106 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। सोमवार को एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने बरामद मोबाइल उनके वास्तविक धारकों को सौंपे। मोबाइल वापस मिलते ही लोगों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली।एसएसपी कांतेश कुमार मिश्र ने बताया कि जनवरी से अब तक ऑपरेशन मुस्कान के तहत छह चरणों में करीब 745 मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं। बरामद मोबाइल की अनुमानित कीमत करीब 2 करोड़ 68 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस की विशेष टीम लगातार तकनीकी तरीके से मोबाइल की बरामदगी में जुटी है।

मोबाइल बरामदगी के लिए जिला पुलिस की विशेष इकाई लगातार काम कर रही है। एसएसपी ने बताया कि इस अभियान की प्रतिदिन मॉनिटरिंग की जाती है। बेहतर प्रदर्शन करने वाले पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को पुरस्कृत भी किया जाएगा।एसएसपी ने कहा कि मोबाइल बरामदगी में बेहतर काम करने वाले डीआईयू के प्रभारी, सुखविंदर नयन और शंकर सिंह पुहानी को पुरस्कृत किया जाएगा। इसके अलावा सिपाही अंबुज कुमार, रितेश कुमार और विपिन कुमार ने भी बेहतर काम किया है। इन पुलिसकर्मियों को भी सम्मानित किया जाएगा।एसएसपी ने लोगों से अपील की है कि मोबाइल गुम या चोरी होने पर इसकी सूचना पुलिस को जरूर दें। चोरी या छिनतई की स्थिति में थाना में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराएं। वहीं, गुमशुदगी के मामलों में सनहा दर्ज कराया जा सकता है।

चक्की सोहागपुर में खुला पुलिस आउटपोस्ट

मुजफ्फरपुर । जिले के सुदूर पारू थाना क्षेत्र स्थित चक्की सुहागपुर में अब सुरक्षा और विकास की नई शुरूआत हुई है। कभी नक्सलियों का गढ़ माने जाने वाले इस इलाके में ह्यचक्की सुहागपुर आउटपोस्ट ने विधिवत रूप से कार्य करना शुरू कर दिया है। यह क्षेत्र गंडक नदी के किनारे बसा है और वर्षों तक प्रशासनिक उपेक्षा तथा कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण लाल आतंक के साये में रहा था।भौगोलिक रूप से चक्की सुहागपुर मुजफ्फरपुर का हिस्सा होने के बावजूद, यहां तक पहुंचने के लिए कोई सीधा सड़क मार्ग नहीं था। स्थानीय ग्रामीणों को पारू थाना या अन्य किसी काम के लिए गंडक नदी में नाव से जोखिम भरी यात्रा करनी पड़ती थी, या फिर पड़ोसी जिले सारण (छपरा) की सीमाओं से होकर लंबा चक्कर लगाना पड़ता था।इस सुदूर इलाके तक पहुंचना पुलिस प्रशासन के लिए हमेशा एक बड़ी चुनौती रहा है, चाहे वह चुनाव का समय हो या कोई अप्रिय घटना।इसी कटने और अलग-थलग पड़ने की स्थिति का फायदा उठाकर नक्सलियों ने इस क्षेत्र को अपना सुरक्षित ठिकाना बना लिया था। अब इस आउटपोस्ट के खुलने से इलाके में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी और विकास को गति मिलेगी।

डोरीगंज मे बाइक की ठोकर से महिला की मौत

डोरीगंज-छपरा पटना मुख्य मार्ग एन एच 19 फोरलेन पर पुजा कर घर लौट रही लगभग 65 वर्षीय एक महिला को पुर्व दिशा से आ रही तेज गति वाइक सवार ने ठोकर मार दी जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गयी ।ठोकर मारने के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गए ।

मृतक महिला डोरीगंज थाना क्षेत्र के मेहरौली गांव निवासी सत्यानंद तिवारी की 65 वर्षीय पत्नी निर्मला देवी बतायी गयी है।। इस घटना के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों एवं परिजनों ने छपरा पटना मुख्य मार्ग को जाम कर वरिय पदाधिकारी को बुलाने की मांग करने लगे । दुर्घटना की सुचना मिलते ही डोरीगंज थानाध्यक्ष राज शेखर ने पुलिसबल के साथ घटनास्थल पर पहुंच लोगों को समझाने कोशिश की लेकिन लोग मानने को तैयार नही थे ।काफी मशक्कत के बात स्थानीय बुद्धिजीवियों के प्रयास से जाम को खत्म कराया गया । जाम करीब डेढ़ घंटे तक रहा ।

झंझारपुर में वीबी-जी रैम जी अधिनियम 2025 पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। वीबी-जी रैम जी अधिनियम 2025 के प्रावधानों एवं इसके प्रभावी क्रियान्वयन की जानकारी देने के उद्देश्य से मंगलवार को झंझारपुर स्थित सम्राट अशोक भवन में एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पदाधिकारी आनंद शर्मा ने पौधे में पानी डालकर किया।इस अवसर पर डीएम आनंद शर्मा ने कहा कि वीबी-जी रैम जी अधिनियम 2025 ग्रामीण क्षेत्रों के विकास, रोजगार के अवसरों को सुदृढ़ करने तथा सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि अधिनियम के प्रावधानों की समुचित जानकारी जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित पदाधिकारियों को होना आवश्यक है, ताकि इसके उद्देश्यों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके।डीएम ने सभी जनप्रतिनिधियों से प्रशिक्षण में दी जा रही जानकारी को गंभीरता से समझने तथा अधिनियम के अनुरूप अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि अधिनियम के उद्देश्यों को जमीनी स्तर तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रखंड क्षेत्र के जिला परिषद सदस्यों, पंचायत समिति सदस्यों एवं मुखियागण को वीबी-जी रैम जी अधिनियम 2025 के विभिन्न प्रावधानों, उद्देश्यों एवं क्रियान्वयन की प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी गई।

साथ ही अधिनियम के तहत जनप्रतिनिधियों की भूमिका एवं दायित्वों से भी अवगत कराया गया।कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त सुमन प्रसाद साह, अनुमंडल पदाधिकारी झंझारपुर टोनी कुमारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी वीबी-जी रैम जी अशोक कुमार राय, प्रखंड विकास पदाधिकारी झंझारपुर, अंचलाधिकारी झंझारपुर, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद झंझारपुर सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नीलाम पत्र वादों के निष्पादन में तेजी लाएं अधिकारी : डीएम

- 50 करोड़ रुपये वसूली का लक्ष्य, प्रत्येक नीलाम पत्र पदाधिकारी को 100 वादों के निष्पादन का निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

दरभंगा। जिलाधिकारी कौशल कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नीलाम पत्र वाद, राशन कार्ड निर्माण एवं जनगणना कार्य की विस्तृत समीक्षा बैठक हुई। बैठक में जिले के सभी अनुमंडल पदाधिकारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता, अंचल अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी एवं प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी जुड़े।

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने नीलाम पत्र वाद निष्पादन पखवाड़ा के तहत निर्धारित लक्ष्य और अब तक हुई वसूली की जानकारी ली। जिले में इस अभियान के तहत 50 करोड़ रुपये की वसूली का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। डीएम ने सभी संबंधित अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रत्येक नीलाम पत्र पदाधिकारी को कम से कम 100 नीलाम पत्र वादों का निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा।

अधिकारियों ने बताया कि 17 अगस्त को जिले में 14 लाख रुपये की वसूली की गई। जिलाधिकारी ने लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन करते हुए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने नियमित रूप से न्यायालय का संचालन कर अधिक से अधिक वादों के निष्पादन तथा वसूली की प्रगति की लगातार समीक्षा करने को कहा।

राशन कार्ड एवं ई-केवाईसी में तेजी के निर्देश

बैठक में राशन कार्ड निर्माण एवं लाभुकों के ई-केवाईसी कार्य की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अगले दो दिनों के भीतर शत-प्रतिशत ई-केवाईसी पूरा कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पात्र लाभुकों के राशन कार्ड निर्माण में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए।

डीएम ने आगामी सोमवार तक शत-प्रतिशत राशन कार्ड निर्गत करने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को मिशन मोड में कार्य करने का निर्देश दिया।

जनगणना कार्य की भी हुई समीक्षा

जिलाधिकारी ने जनगणना कार्य की प्रगति की भी जानकारी ली। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को जनगणना से जुड़े सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करें।

बैठक में अपर समाहर्ता, आपदा प्रबंधन सलीम अख्तर, जिला पंचायती राज पदाधिकारी पवन कुमार यादव, जिला आपूर्ति पदाधिकारी सुरेश कुमार, प्रियंका कुमारी, अमृता कुमारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

राज्य में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को धरातल पर उतारने की तैयारी पूरी, अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

पटना। रबी 2026-27 से राज्य में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को धरातल पर उतारने के लिए सहकारिता विभाग तेजी से प्रयास कर रहा है। योजना के सफल कार्यान्वयन के लिए मंगलवार को शास्त्री नगर स्थित दीप नारायण सिंह क्षेत्रीय सहकारी प्रबंधन संस्थान (डीएनएस) में प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के दौरान योजना के प्रावधानों एवं तकनीकी पहलुओं की जानकारी देने के साथ-साथ योजना के सफल कार्यान्वयन में विभिन्न हितधारकों की भूमिका एवं उनकी जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही, रबी 2026-27 के मौसम के संदर्भ में प्रत्येक हितधारक से अपेक्षित कार्यों, उनके दायित्वों एवं निर्धारित समय-सीमा के अनुरूप कार्य निष्पादन की जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण में रबी 2026-27 के लिए निर्धारित एसओपी के प्रावधानों को समयबद्ध रूप से लागू करने तथा उसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान विभिन्न हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए निर्धारित समय-सीमा के अनुसार कार्यों के निष्पादन पर विशेष जोर दिया गया। सहकारिता विभाग ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को लेकर प्रशिक्षण के लिए भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय से अनुरोध किया था। प्रशिक्षण सत्र में केंद्रीय पीएमयू टीम के सदस्य श्री अनिल पंत एवं श्री मेहुल कक्कड़ ने प्रशिक्षण दिया।प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का मुख्य उद्देश्य फसल की क्षति होने पर किसानों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना, किसानों की आय को स्थिर बनाए रखना, खेती जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करना तथा किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है।इस योजना में किसानों द्वारा खरीफ फसल के लिए बीमित राशि का 2 प्रतिशत, रबी फसल के लिए बीमित राशि का 1.5 प्रतिशत तथा वाणिज्यिक/बागवानी फसल के लिए बीमित राशि का 5 प्रतिशत प्रीमियम देय है। शेष प्रीमियम की राशि आधी-आधी केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा वहन किए जाने का प्रावधान है।इस प्रशिक्षण सत्र में सहकारिता विभाग के सभी प्रमंडलीय संयुक्त निबंधक, सभी जिला सहकारिता पदाधिकारी तथा सभी प्रबंध निदेशकों ने भाग लिया।

हसनपुरा में भोजपुरी पुनर्जागरण मंच की बैठक, प्रखंड समिति का गठन

प्रातः किरण संवाददाता

सीवान/हसनपुरा। भोजपुरी पुनर्जागरण मंच, सिवान के तत्वावधान में रविवार को न्यू एमिटी पब्लिक स्कूल, हसनपुरा में बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता ऋषिदेव साह ने की। बैठक में भोजपुरी भाषा, साहित्य, संस्कृति एवं सामाजिक जागरूकता को मजबूत करने तथा भोजपुरी पुनर्जागरण अभियान को जन-जन तक पहुंचाने पर विस्तृत चर्चा की गई। संगठन को जमीनी स्तर पर अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाने को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक को संबोधित करते हुए सिवान जिला अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने कहा कि भोजपुरी भाषा के सम्मान, संरक्षण और अधिकारों के लिए मंच का जनजागरण अभियान लगातार जारी है। मंच का प्रमुख उद्देश्य भोजपुरी को संवैधानिक दर्जा दिलाना है। उन्होंने कहा कि जब तक भोजपुरी को संवैधानिक मान्यता नहीं मिल जाती, तब तक संघर्ष और जनजागरण अभियान जारी रहेगा।

मुख्य मार्गदर्शक मंडल के प्रो. भृगुनाथ प्रसाद ने कहा कि भोजपुरी को संवैधानिक मान्यता दिलाने के संघर्ष में वे पूरी मजबूती के साथ मंच के साथ हैं। उन्होंने भोजपुरी भाषा, साहित्य और संस्कृति के संरक्षण के लिए सभी लोगों से एकजुट होकर आगे आने की अपील की।

हसनपुरा प्रखंड समिति का गठन

बैठक के दौरान हसनपुरा प्रखंड स्तरीय समिति का गठन सर्वसम्मति से किया गया। विकास कुमार पाण्डेय को प्रखंड संरक्षक, ऋषिदेव साह को प्रखंड अध्यक्ष, रजनीश ओझा, शिव अवतार राजभर, प्रभुनाथ साह और राहुल सिंह को उपाध्यक्ष बनाया गया। वहीं अनिल यादव को प्रखंड मंत्री, वीरेंद्र चौहान को बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ तथा विपिन ओझा को प्रखंड प्रमुख मार्गदर्शक मंडल की जिम्मेदारी दी गई।

मौके पर प्रो. भृगुनाथ प्रसाद, राजेश कुमार सिंह, उमेश कुमार सिंह, शेषनाथ सिंह, रविंद्र सिंह, देव प्रकाश सिंह सहित मंच के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य सदस्य मौजूद रहे।

उपस्थित सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि नई समिति भोजपुरी भाषा, साहित्य, संस्कृति और अस्मिता के संरक्षण-संवर्धन के साथ संवैधानिक दर्जे के अभियान को प्रखंड स्तर पर और मजबूती देगी।

गुरुगोष्ठी में विभागीय योजनाओं एवं प्राथमिकताओं की बिंदुवार की गयी समीक्षा

प्रातः किरण संवाददाता

पानापुर (सारण)। शिक्षा विभाग के निर्देश के आलोक में मंगलवार को उच्च माध्यमिक विद्यालय पानापुर में गुरु गोष्ठी का आयोजन किया गया। बीइओं धीरेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में आयोजित इस गुरुगोष्ठी में विभिन्न प्राथमिकताओं और विभागीय योजनाओं की प्रगति की बिंदुवार गहन समीक्षा की गई। बीइओं ने बैठक में उपस्थित प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया।उन्होंने स्कूल स्तर पर डेटा प्रविष्टि की अद्यतन स्थिति एवं अपार आईडी बनाने की प्रगति की समीक्षा की गयी।उन्होंने शत प्रतिशत विद्यार्थियों को इससे जोड़ने के लिए विशेष प्रयास करने पर जोर दिया।विद्यालयों में नामांकित ऐसे बच्चों की सूची जिनका अभी तक आधार कार्ड नहीं बन सका है वैसे विद्यार्थियों का जल्द से जल्द आधार नामांकन कराने के लिए शिक्षकों को तत्परता दिखाने को कहा। बैठक में शिक्षकों और कर्मचारियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति (ऋस्रर) प्रणाली के क्रियान्वयन की स्थिति एवं मूलभूत साक्षरता और संख्याज्ञान (ऋछ्ठ) के तहत कक्षाओं के सफल संचालन और बच्चों की सीखने की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की गई।अंत में उन्होंने स्पष्ट किया कि विभागीय प्राथमिकताओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी शिक्षक समयबद्ध तरीके से इन लक्ष्यों को पूरा करें।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216,
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496